वर्ष-07 - अंक 306
पृष्ट-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
बुधवार,12 अगस्त 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

swatantraprabhat.com

स्वतंत्र प्रभात

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

ग्रेटर नोएडा में आईबीईटी एक्सपो-2026 का भव्य शुभारंभ......... 3
भागवत की नजरों में जेन-जी आंदोलन का दृष्टिकोण........................... 4
झूंसी में निकली भव्य तिरंगा यात्रा................................ 11

जेएसएससी जेई पेपर लीक में बड़ी कार्रवाई

परीक्षा एजेंसी के मैनेजर समेत छह गिरफ्तार

रांची(एजेंसी)। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की जूनियर इंजीनियर नियुक्ति परीक्षा के पेपर लीक मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) को बड़ी सफलता मिली है। वर्ष 2022 में आयोजित परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में परीक्षा संचालन एजेंसी के मैनेजर समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एजेंसी के निदेशक सह मैनेजर अरुण कुमार को एसआईटी ने मुंबई से गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जांच के अनुसार, जेएसएससी की ओर से तीन जुलाई 2022 को 1279 जूनियर इंजीनियर पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रश्नपत्र और उसके उत्तर कथित तौर पर अभ्यर्थियों तक पहुंचने की जानकारी सामने आई थी। मामले की जांच में परीक्षा संचालन एजेंसी की भूमिका भी संदेह के घेरे में आई। एसआईटी ने दिल्ली स्थित बायनसिस टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड की परीक्षा एजेंसी के मैनेजर कृष्ण कुमार तथा पूर्व अभ्यर्थियों रंजीत मंडल, दीपक कुमार, अभिषेक कुमार और दीपक श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया है। इनके साथ फरार चल रहे एजेंसी के निदेशक सह मैनेजर अरुण कुमार को मुंबई से पकड़ा गया। अरुण कुमार की गिरफ्तारी के बाद एसआईटी ने मामले की जांच और तेज कर दी है। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि परीक्षा का प्रश्नपत्र किस स्तर से

लीक हुआ, इसे किसने हासिल किया और अभ्यर्थियों तक प्रश्नपत्र व उत्तर पहुंचाने में किन लोगों की भूमिका रही। जांच में कथित तौर पर परीक्षा से पहले प्रश्नों के उत्तर उपलब्ध कराए जाने की बात भी सामने आई है। एसआईटी परीक्षा संचालन एजेंसी से जुड़े अन्य लोगों और पेपर लीक के पूरे नेटवर्क की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है। पेपर लीक मामले में इससे पहले भी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अब परीक्षा संचालन एजेंसी के निदेशक की गिरफ्तारी को जांच में अहम कड़ी माना जा रहा है। एसआईटी अरुण कुमार से पूछताछ के जरिए मामले में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पेपर लीक के आरोप सामने आने के बाद जेएसएससी ने तीन जुलाई 2022 को आयोजित जूनियर इंजीनियर भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया था। इसके बाद मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। अब नई गिरफ्तारियों के बाद एसआईटी के सामने पेपर लीक की पूरी श्रृंखला और इसमें शामिल सभी लोगों की भूमिका उजागर करने की चुनौती है।

‘वंदे मातरम’को मिला कानूनी संरक्षण,राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति की सहमति मिलने के साथ ही यह विधेयक कानून बन गया है। नए कानून के तहत राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम’ को भी अब वही कानूनी संरक्षण मिलेगा, जो राष्ट्रीय गान ‘जन गण मन’ को प्राप्त है। कानून के तहत जानबूझकर राष्ट्रगीत के गायन को रोकना, उसमें बाधा डालना अथवा ऐसे गायन में लगी सभा में अशांति पैदा करना दंडनीय अपराध होगा। सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, इस संशोधन का उद्देश्य राष्ट्रगीत के सम्मान और गरिमा को कानूनी रूप से मजबूत करना है। इससे पहले राष्ट्रगान के अपमान और उसके गायन में बाधा डालने से संबंधित प्रावधान मौजूद थे, लेकिन राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम’ को समान कानूनी संरक्षण प्राप्त नहीं था। संशोधन के बाद अब राष्ट्रगीत को भी संबंधित कानून के दायरे में शामिल कर दिया गया है। राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 को संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिल चुकी थी। राज्यसभा ने इसे 29 जुलाई को पारित किया था, जबकि लोकसभा ने 30 जुलाई को विधेयक को मंजूरी दी। इसके बाद इसे

राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजा गया था। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह विधेयक कानून का रूप ले चुका है। संशोधन के तहत राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम की धारा-3 के दायरे में राष्ट्रगीत को भी शामिल किया गया है। अब किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर ‘वंदे मातरम्’ के गायन में बाधा डालने या उसे रोकने की कोशिश करने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकेगी। नए प्रावधानों के तहत राष्ट्रगीत के गायन में जानबूझकर बाधा डालने अथवा ऐसे कार्यक्रम में अशांति पैदा करने के अपराध में अधिकतम तीन वर्ष तक की कैद, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। कानून में दोबारा अपराध करने वालों के लिए भी कड़े प्रावधान रखे गए हैं। दूसरी और उसके बाद की प्रत्येक दोषसिद्धि पर कम से कम एक वर्ष की कैद का प्रावधान बताया गया है। सरकार का कहना है कि इस संशोधन के जरिए राष्ट्रगीत के सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट कानूनी व्यवस्था उपलब्ध होगी। इससे राष्ट्रीय गीत के सार्वजनिक और आधिकारिक आयोजनों में सम्मानजनक गायन को लेकर कानूनी संरक्षण और मजबूत होगा। ‘वंदे मातरम्’ का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में ऐतिहासिक महत्व रहा है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों में राष्ट्रभक्ति और स्वाधीनता की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आज भी यह गीत देश की राष्ट्रीय चेतना और गौरव से जुड़ा हुआ माना जाता है। विधेयक में संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद के 24 जनवरी 1950 के वक्तव्य का भी उल्लेख किया गया था। इसमें कहा गया था कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित ‘वंदे मातरम्’, जिसने स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाई, को राष्ट्रगान ‘जन गण मन’ के समान सम्मान दिया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार लाल किले की प्राचीर से ‘वंदे मातरम्’ का गायन किया जाएगा। सरकार की ओर से राष्ट्रगीत के आधिकारिक कार्यक्रमों में उपयोग और उसके सम्मान से जुड़े प्रोटोकॉल को भी स्पष्ट किया गया है। गृह मंत्रालय ने इस वर्ष की शुरुआत में राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत को एक साथ बजाए जाने से संबंधित निर्देश जारी किए थे।

28 जनवरी के आदेश में आधिकारिक समारोहों के लिए प्रोटोकॉल का उल्लेख किया गया था। इसके तहत राष्ट्रपति के आगमन, राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राज्यपालों के भाषण जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर राष्ट्रगान के निर्धारित छंदों के गायन की व्यवस्था बताई गई थी। गृह मंत्रालय की ओर से जारी निर्देशों में ‘वंदे मातरम्’ के सभी छह श्लोकों के गायन का भी उल्लेख किया गया है।

20 अगस्त तक कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को राहत, स्टेडियम ड्यूटी भी रद्द

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों और कश्मीरी पंडित एवं अन्य अल्पसंख्यक कर्मचारियों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाया है। श्रीनगर में कार्यरत पीएम पैकेज, गैर-पीएम पैकेज और प्रवासी कर्मचारियों को 20 अगस्त 2026 तक कार्यालयों में भौतिक उपस्थिति से राहत दी गई है। इसके साथ ही स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्टेडियम में आयोजित होने वाले आधिकारिक समारोह की ड्यूटी से भी इन कर्मचारियों को अलग रखा गया है। श्रीनगर में करीब 2,800 कर्मचारियों को यह राहत दिए जाने की बात सामने आई है। प्रशासन की ओर से फिलहाल इस संबंध में कोई औपचारिक लिखित आदेश जारी नहीं किया गया है। हालांकि, संबंधित अधिकारियों, विभागाध्यक्षों और आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को मौखिक निर्देश दिए गए हैं, ताकि कर्मचारियों को तत्काल राहत मिल सके। बताया गया है कि यह फैसला श्रीनगर एम्प्लॉइज कलेक्टिव की ओर से जिला उपायुक्त अक्षय लबरू को भेजे गए पत्र के बाद लिया गया। कर्मचारी संगठन ने घाटी में पूर्व में हुई लक्षित हत्याओं का हवाला देते हुए कर्मचारियों और उनके परिवारों में बनी सुरक्षा संबंधी चिंताओं से प्रशासन को अवगत कराया था। कर्मचारी संघ ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्टेडियम ड्यूटी से छूट देने के साथ ही कार्यालय में भौतिक उपस्थिति से अस्थायी राहत देने की मांग की थी। संगठन की ओर से सुरक्षा परिस्थितियों को देखते हुए कर्मचारियों को 25 अगस्त तक कार्यालय आने से छूट देने का अनुरोध किया गया था।

संक्षिप्त ख़बरें

स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली के रेलवे स्टेशनों पर हाई अलर्ट

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए दिल्ली के रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। 13 से 16 अगस्त 2026 तक राजधानी के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष सुरक्षा इंतजाम लागू रहेंगे। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अतिरिक्त जवानों की तैनाती की जा रही है। स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म और ट्रेनों में सघन जांच के साथ संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वारों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी। यात्रियों और उनके सामान की जांच की जाएगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे सुरक्षा जांच में आरपीएफ, जीआरपी और पुलिसकर्मियों का सहयोग करें। जांच के दौरान संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु मिलने पर तत्काल सुरक्षा कर्मियों को सूचना देने को कहा गया है। रेलवे ने बताया कि सुरक्षा जांच बढ़ाए जाने के कारण स्टेशनों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक समय लग सकता है। ऐसे में यात्रियों को ट्रेन के निर्धारित समय से काफी पहले स्टेशन पहुंचने की सलाह दी गई है, ताकि सुरक्षा जांच के कारण ट्रेन छूटने की स्थिति न बने।

2,000 करोड़ के चिटफंड घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। करीब 2,000 करोड़ रुपये के बहु-राज्यीय चिटफंड घोटाले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने विशाखापत्तनम और हैदराबाद में पांच परिसरों पर छापेमारी कर 1.01 करोड़ रुपये नकद, छह महंगी लग्जरी कारें और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज व डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। जांच एजेंसी ने 182 बैंक खातों को फ्रीज करने के आदेश भी जारी किए हैं। ईडी के भुवनेश्वर क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 5 अगस्त को वेलफेयर बिल्डिंग्स एंड एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड (डब्ल्यूबीईपीएल) और उसके निदेशकों से जुड़े परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया। ये कार्रवाई विशाखापत्तनम और हैदराबाद में की गई। ईडी के अनुसार, पूर्व आंध्र प्रदेश विधायक मल्ला विलाया प्रसाद, वराह रामकृष्ण सत्य श्रीनिवास राव अल्ला और अन्य से जुड़े परिसरों की भी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान जांच एजेंसी को विभिन्न चल और अचल संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और अन्य आपत्तिजनक सामग्री मिली।

मंदिर परिसर में दानपात्र काटकर दानराशि चोरी, ग्रामीणों में आक्रोश

सुखईपुर में देर रात अज्ञात चोरों ने दिया वारदात को अंजाम

सीसीटीवी फुटेज पुलिस के कजे में; दो-तीन आरोपियों के शामिल होने की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुखईपुर -अम्बेडकरनगर। महरुआ थाना क्षेत्र के सुखईपुर गांव में स्थित मंदिर परिसर में अज्ञात चोरों ने लोहे के दानपात्र को काटकर उसमें रखी दानराशि चोरी कर ली। धार्मिक स्थल पर हुई चोरी की इस घटना से ग्रामीणों और मंदिर से जुड़े लोगों में भारी आक्रोश है। घटना के बाद शिव काली जागरण समिति ने महरुआ थाने में लिखित तहरीर देकर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और घटना का शीघ्र खुलासा किए जाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, शिव काली जागरण समिति द्वारा सुखईपुर स्थित मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक गतिविधियों के लिए लोहे का दानपात्र स्थापित किया गया था। बताया गया है कि 9 अगस्त 2026 की रात अज्ञात चोर मंदिर परिसर में पहुंचे और दानपात्र को काटकर उसमें रखी दानराशि लेकर फरार हो गए। चोरों ने जिस तरीके से दानपात्र को काटा, उससे आशंका जताई जा रही है कि वारदात को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया।

सुबह हुई घटना की जानकारी

मंदिर परिसर में चोरी की घटना का पता 10 अगस्त की सुबह करीब सात बजे ग्रामीणों को चला। दानपात्र को क्षतिग्रस्त हालत में देखकर लोगों में हड़कंप मच गया। तत्काल इसकी सूचना पुलिस सहायता नंबर 112 पर दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मंदिर परिसर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की है। CCTV फुटेज में संदिग्ध लोगों की गतिविधियां सामने आने की स्थिति में पुलिस को आरोपियों की पहचान करने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है।

मंदिर के आसपास मिले सिक्के, जांच में अहम सुराग की उम्मीद

घटना के बाद मंदिर परिसर के समीप एक घर के पास कुछ सिक्के भी बरामद होने की जानकारी सामने आई है। समिति और ग्रामीणों का मानना है कि ये सिक्के चोरी की गई दानराशि से संबंधित हो सकते हैं। हालांकि, इन सिक्कों का घटना से वास्तविक संबंध जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मौके से मिले सिक्कों और अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के साथ सीसीटीवी

फुटेज की जांच को घटना के खुलासे के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि पुलिस आसपास के सभी उपलब्ध सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग को खंगाले, ताकि संदिग्धों के आने-जाने के रास्ते और उनकी गतिविधियों का पता लगाया जा सके।

धार्मिक स्थल में चोरी से लोगों में नाराजगी

ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर परिसर लोगों की धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ है। ऐसे स्थान पर दानपात्र काटकर दानराशि चोरी किए जाने से लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। लोगों ने पुलिस से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की जल्द पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। शिव काली जागरण समिति ने महरुआ थाने में दी गई तहरीर में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज करने, CCTV फुटेज की जांच करने, मौके से मिले सिक्कों एवं अन्य साक्ष्यों को जांच में शामिल करने तथा दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। समिति ने इसके साथ ही मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग भी की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पुलिस जांच पर टिकी ग्रामीणों की नजर

फिलहाल घटना के बाद पुलिस द्वारा CCTV फुटेज और अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि CCTV रिकॉर्डिंग और मौके से मिले सुरागों के आधार पर पुलिस जल्द आरोपियों तक पहुंचेगी और चोरी की घटना का खुलासा करेगी। अब देखना यह है कि पुलिस जांच में CCTV फुटेज से क्या अहम सुराग सामने आते हैं और मंदिर परिसर में हुई इस चोरी की वारदात में शामिल आरोपियों तक पुलिस कितनी जल्दी पहुंच पाती है। शिकायती पत्र की कॉपी थानाध्यक्ष महरुआ को प्रेषित कर दी गयी है साथ ही मूल कॉपी स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेज दी गयी है।

दो से तीन लोगों के शामिल होने की आशंका

घटना के तरीके और उपलब्ध परिस्थितियों को देखते हुए प्रथम दृष्टया चोरी की वारदात में दो से तीन लोगों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि आरोपियों की संख्या और उनकी पहचान की आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर परिसर में दानपात्र को काटकर चोरी किए जाने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र में पहले भी छोटी-बड़ी चोरी की घटनाएं होने की बात ग्रामीणों द्वारा कही जा रही है। ऐसे में धार्मिक स्थल में हुई चोरी के बाद लोगों में अपने घरों और सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

संत कबीर नगर में सीएम योगी ने दी 684 करोड़ की सौगात

201 विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास-लोकार्पण

संत कबीर नगर(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को संत कबीर नगर में 684 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 201 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संत कबीर की शिक्षाओं और उनके सामाजिक संदेश का उल्लेख करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने पाखंड, रूढ़िवाद और जातिगत भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीर निर्गुण परंपरा के महान संत थे। उन्होंने हिंदू रूढ़ियों और इस्लामी कट्टरता दोनों का विरोध किया तथा समाज को मानवता और समानता का संदेश दिया। कबीर ने मगहर आकर उस समय की प्रचलित मान्यता को चुनौती दी

थी कि वहां मृत्यु होने पर व्यक्ति को नरक मिलता है। उन्होंने स्पष्ट किया था कि व्यक्ति के कर्म ही उसके जीवन का परिणाम निर्धारित करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संत कबीर की विरासत को संरक्षित और आगे बढ़ाने के लिए कार्य किए जा रहे हैं। संत कबीर अकादमी के निर्माण के साथ सभागार और बाबा तामेश्वरनाथ धाम कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि संत कबीर का संदेश आज भी समाज को जोड़ने और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने की प्रेरणा देता है। उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारों पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले की कताई मिल पिछली सरकारों के दौरान भ्रष्टाचार और उपेक्षा के कारण बंद हुई। उन्होंने कहा कि अब इसे दोबारा शुरू करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इंसेफेलाइटिस का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान इस गंभीर बीमारी से निपटने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, जबकि भाजपा सरकार ने व्यापक प्रयास कर इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में अब त्योहारों के दौरान भय का माहौल नहीं रहता। कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार की नीति स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि महिलाओं से छेड़छाड़, व्यापारियों से लूटपाट या अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश में ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां आम नागरिक सुरक्षित महसूस करे और व्यापारी बिना भय के अपना कारोबार कर सकें।

पीएम मोदी का वीडियो संदेश, बोले- ‘हर घर तिरंगा’ को बनाएं देश का उत्सव

नई दिल्ली(एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर वीडियो संदेश जारी कर देशवासियों से ‘हर घर तिरंगा’ अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अभियान को केवल तिरंगा फहराने तक सीमित न रखते हुए हर घर में एक उत्सव के रूप में मनाया जाए। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, ‘हर घर में तिरंगा, हर घर में तिरंगा, हर दिल में तिरंगा। आइए, हम हर घर में तिरंगा फहराएं।’ उन्होंने देशवासियों से 15 अगस्त को गर्व और सम्मान के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाने तथा स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों को श्रद्धांजलि देने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लेने की अपील की। ‘हर घर तिरंगा’ अभियान के तहत अगस्त महीने में देशभर

में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लोगों को अपने घरों, दुकानों, कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य नागरिकों में तिरंगे के प्रति सम्मान, गौरव और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है। सरकार और विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैलियां और सामूहिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग इन आयोजनों में शामिल होकर स्वतंत्रता दिवस के उत्सव में अपनी भागीदारी दर्ज करा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

साइबर धोखाधड़ी में 1.49 लाख बरामद

सुल्तानपुर साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले में पीड़ित को 1,49,000 की राशि वापस दिलाई है। यह राशि साइबर ठगी के शिकार हुए सुशील कुमार के खाते से निकाली गई थी। सुशील कुमार, निवासी सिरवारा, गोसाईंगंज, सुल्तानपुर, के साथ 10 अप्रैल 2025 से 6 मई 2025 के बीच 11,45,573 की धोखाधड़ी हुई थी। एक अज्ञात व्यक्ति ने टेलीग्राम पर CBRE कंपनी के फर्जी दस्तावेज दिखाकर उन्हें पैसा कमाने का लालच दिया था। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक चारू निगम के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक बृजनारायण सिंह और क्षेत्राधिकारी साइबर थाना राघवेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में, साइबर थाना टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जालसाज के खातों को फ्रीज करवा दिया। खाते फ्रीज होने के बाद, साइबर क्राइम थाना पुलिस ने संबंधित बैंक से पत्राचार किया। बैंक ने पीड़ित के खाते में 1,49,000 की राशि वापस जमा कर दी है। मामले की विवेचना शीघ्र ही गुण-दोष के आधार पर पूरी की जाएगी। सुल्तानपुर साइबर क्राइम थाना आम जनता से अपील करता है कि किसी भी प्रकार की साइबर क्राइम घटना होने पर तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर डायल करें। इसके अतिरिक्त, साइबर क्राइम पुलिस थाना सुल्तानपुर के मोबाइल नंबर 9454401121, 7839863768, 9670798706 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

दिखा तेंदुए जैसा जानवर, दहशत ग्रामीणों पर हमले की कोशिश, वन विभाग जांच में जुटा

सुल्तानपुर के अखंडनगर थाना क्षेत्र स्थित बछेठिया गांव के पास जंगल में एक तेंदुए जैसा जानवर देखा गया है। इस जानवर ने एक ग्रामीण पर हमला करने की कोशिश की, जिसके बाद इलाके में दहशत फैल गई। गांव निवासी सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि करीब डेढ़ घंटे पहले जब वह ट्रैक्टर से घर लौट रहे थे, तभी एक जंगली जानवर ने उन पर झपटने का प्रयास किया। यह जानवर कुत्ते के आकार से बड़ा और तेंदुए के रंग-रूप तथा चेहरे वाला दिख रहा था। सौरभ ने तुरंत ट्रैक्टर की गति बढ़ाई, जिससे जानवर जंगल की ओर भाग गया। उन्होंने दूर से उसका वीडियो भी बनाया। घटना की खबर फैलते ही आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए। ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर सतर्क हो गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, घटना की सूचना दिए जाने के बावजूद वन विभाग या पुलिस की टीम मौके पर नहीं पहुंची थी, जिससे लोगों में आक्रोश और डर का माहौल था। हालांकि, अखंड नगर रेंज कादीपुर के वाचर गुलाब सिंह मौके पर पहुंच गए हैं।

चंद सेकंड के वीडियो से फैसला नहीं, वर्षों की सेवा का भाव भी देखिये

तेज प्रताप सिंह के खिलाफ गलत धारणा बनाने वालों से एक सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में कई वर्षों से करोड़ों रुपये खर्च करके लाखों शिवभक्त कांवड़ियों की निस्वार्थ भाव से निरंतर सेवा करना, इतना बड़ा आयोजन खड़ा करना और लाखों लोगों के लिए भोजन, पानी, विश्राम तथा अन्य जरूरी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना कोई छोटी बात नहीं है।किसी बड़े आयोजन में मंच पर व्यवस्था बनाए रखना और वहां मौजूद अतिथियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आयोजक की जिम्मेदारी होती है। जो भी सेलिब्रिटी या अन्य अतिथि कार्यक्रम में आते हैं, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी आयोजन से जुड़े लोगों की होती है।अगर मंच पर मौजूद किसी व्यक्ति को सुरक्षा या व्यवस्था के कारण नीचे उतारा गया, तो उस पूरी परिस्थिति को समझना भी जरूरी है। केवल वीडियो का एक हिस्सा देखकर किसी व्यक्ति की नीयत और वर्षों की समाजसेवा पर सवाल उठाना उचित नहीं कहा जा सकता। जरा दूसरी परिस्थिति पर भी सोचिए–अगर मंच पर मौजूद कोई व्यक्ति गलत इरादे से कुछ कर देता और किसी अतिथि या सेलिब्रिटी को नुकसान पहुंच जाता, तो यही सवाल उठता कि जब सुरक्षा और व्यवस्था संभाल नहीं सकते तो इतना बड़ा कार्यक्रम आयोजित ही क्यों किया गया?

यहां उस युवक को भी शालीनता और परिस्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए था। जब उसे मंच से नीचे उतरने के लिए कहा जा रहा था, तब वीडियो में वह अपनी पूरी ताकत लगाकर मंच से नीचे न उतरने की कोशिश करता दिखाई देता है। ऐसे में मंच पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों या व्यवस्था संभाल रहे लोगों की भूमिका को भी पूरी परिस्थिति के साथ देखना चाहिए। एक वीडियो में आपको सिर्फ मंच के कुछ सेकंड दिखाई दे रहे हैं, लेकिन वर्षों की सेवा क्यों नहीं दिखाई देती? मंच पर हुई कुछ सेकंड की घटना दिखाई दे रही है, लेकिन लाखों कांवड़ियों की सेवा के लिए महीनों की मेहनत क्यों नहीं दिखाई देती? प्रोटोकॉल दिखाई दे रहा है, लेकिन उसके पीछे खड़ी पूरी व्यवस्था और सेवा की भावना क्यों नहीं दिखाई देती? आलोचना करनी है तो पूरी सच्चाई देखकर कीजिए। किसी व्यक्ति को गलत साबित करने के लिए उसकी वर्षों की अच्छाइयों और समाजसेवा को नजरअंदाज कर देना निष्पक्षता नहीं, बल्कि पूर्वाग्रह हो सकता है। तेज प्रताप सिंह जी की वर्षों की सेवा का मूल्यांकन किसी एक वीडियो के कुछ सेकंड से नहीं, बल्कि उन लाखों शिवभक्तों की सेवा से होना चाहिए, जिन्हें वर्षों से उनके आयोजन का लाभ मिलता आया है। बस इतना कहना है कि किसी के एक पल को दिखाकर उसके वर्षों के सेवाभाव को छोटा मत कीजिए।

हर घर तिरंगा अभियान बन चुका है राष्ट्रव्यापी आंदोलन : पवन

देवरिया। देवरिया विधानसभा क्षेत्र के मेहड़ा-पुरवा स्थित राजभर और चौहान टोला में भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत किसान परिवारों के घर पहुंचकर तिरंगा वितरित किया। इस दौरान लोगों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाने का आह्वान किया गया। किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान अब राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप ले चुका है। इससे देश के प्रति एकजुटता और राष्ट्र निर्माण की भावना मजबूत होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर वर्ष 2022 में शुरू हुए इस अभियान के माध्यम से आमजन में देशभक्ति की भावना को और मजबूती मिल रही है। अभियान के दौरान पदाधिकारियों ने 100 से अधिक घरों में तिरंगा वितरित किया और लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष अरुण मिश्र, बैतालपुर अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह सोनू, विजेंद्र सिंह चौहान, मनोज राजभर, मनीष शर्मा, सुमित और राजन सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आधी रात भदेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे डीएम-एसपी, कांवड़ियों पर की पुष्पवर्षा

डीएम-एसपी, ने कांवड़ियों का बढ़ाया उत्साह, मंदिर परिसर में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिला अधिकारी पुलिस अधीक्षक सोमवार देर रात करीब 12 बजे जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना और पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह भदेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे। अधिकारियों ने मंदिर पहुंचकर कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा। रातभर बाबा भदेश्वरनाथ के दर्शन के लिए पहुंच रहे कांवड़ियों पर अधिकारियों ने पुष्पवर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया। अचानक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को अपने बीच पाकर कांवड़ियों में भी उत्साह देखने को मिलाडीएम और एसपी ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कांवड़ियों के सुगम आवागमन, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मौके पर मौजूद अधिकारियों व पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। वहीं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। देर रात तक अधिकारियों की मौजूदगी और कांवड़ियों पर हुई पुष्पवर्षा ने भक्ति और उत्साह से भरे माहौल को और भी खास बना दिया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती,उप जिलाधिकारी राजेश यादव,सहित ड्यूटी में लगे अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सुरेश पासी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को शुकुल बाजार में विधायक सुरेश पासी के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। पांडे गंज चौराहा से शुरू हुई तिरंगा यात्रा अंबेडकर चौराहा तक पहुंची। हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए सैकड़ों लोगों ने पूरे मार्ग में राष्ट्रभक्ति के नारों से वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।यात्रा के दौरान 'वंदे मातरम', 'भारत माता की जय' और राष्ट्रभक्ति के जयघोष से पूरा शुकुल बाजार गूंज उठा। बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, प्रधान एवं प्रधान प्रतिनिधि तथा क्षेत्र के राष्ट्रभक्त नागरिक तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। यात्रा को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।अंबेडकर चौराहा पहुंचने पर तिरंगा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बुलडोजर से पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों का अभिनंदन किया गया। पुष्प वर्षा के दौरान लोगों ने देशभक्ति के नारों के साथ उत्साहपूर्वक तिरंगे को सलामी दी विधायक सुरेश पासी ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम, एकता और देश के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों के त्याग और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।तिरंगा यात्रा में ठेकेदार समर बहादुर सिंह, प्रधान संघ ब्लॉक अध्यक्ष सतीश मिश्रा, प्रधान प्रतिनिधि रविंद्र सिंह, प्रधान राकेश शर्मा, प्रधान राजेश मिश्रा, प्रधान राजेश चौहान, राजीव पांडे, उदय राज यादव,शिवकुमार पासी सहित अन्य प्रधान, प्रधान प्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा।

पीएम सूर्यघर योजना में उन्नाव को मार्च 2027 तक 18,783 सोलर संयंत्र लगाने का लक्ष्य

उन्नाव। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को गति देने के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में यूपीनेडा, विद्युत विभाग, बैंक अधिकारियों के साथ योजना के तहत पंजीकृत फर्मों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में परियोजना प्रभारी यूपीनेडा ने योजना के तहत सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाने पर सरकार द्वारा दिए जा रहे अनुदान सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी दी। बताया गया कि जनपद को मार्च 2027 तक 18,783 सोलर संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य मिला है। प्रतिमाह 956 संयंत्र लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अधिकारियों के अनुसार जुलाई माह में उन्नाव में 1430 सोलर संयंत्र स्थापित किए गए, जो निर्धारित मासिक लक्ष्य का 149.8 प्रतिशत है। बैठक में बैंकों में लोन के लिए लंबित आवेदन और डिस्कॉम स्तर पर लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित बैंक प्रतिनिधियों को लंबित ऋण पत्रावलियों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए। वहीं डिस्कॉम और पोलारिस कंपनी के अधिकारियों को भी लंबित मामलों पर प्राथमिकता से कार्रवाई करने को कहा।

कांवड़ियों से पटा फोरलेन, हर- हर महादेव के जयघोष से गूंजा

सेवा शिविरों में उमड़े कांवड़िये प्रशासन अलर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में फोरलेन पर रविवार से लेकर सोमवार तक सड़क पर जहां तक नजर गई, वहां तक केसरिया रंग ही दिखाई दिया। कंधों पर सजी कांवड़, हाथों में अयोध्या से लाया गया सरयू का पवित्र जल और जुबान पर बोलबम व हर-हर महादेव के जयकारे। फोरलेन से होकर गुजर रहा कांवड़ियों की भारी भीड़ पूरे माहौल को शिवमय कर रही थी। डीजे पर बज रहे शिवभजनों की धुन पर कांवड़िये नाचते-गाते हुए आगे बढ़ रहे थे। 11 अगस्त को जिले के विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक होगा। इसमें सबसे अधिक कांवड़ियों के बाबा भदेश्वरनाथ धाम पहुंचने की संभावना है। अयोध्या से सरयू का जल लेकर कांवड़िये लगातार बस्ती की ओर बढ़ रहे हैं। जैसे-जैसे जलाभिषेक का दिन नजदीक आ रहा है, फोरलेन पर कांवड़ियों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। अलग-अलग जत्थों में चल रहे श्रद्धालुओं के साथ कई स्थानों पर डीजे भी हैं। शिवभजनों की धुन पर थिरकते कांवड़ियों और लगातार गूंजते जयकारों से मार्ग पर अलग ही माहौल बना हुआ है।

कांवड़ियों की सेवा के लिए फोरलेन के किनारे जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए हैं। व्यापारियों, नेताओं, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों की ओर से लगाए गए शिविरों में पानी, शरबत, जलपान, भोजन और विश्राम की व्यवस्था की गई है। कांवड़ियों को भोजन कराने, पानी पिलाने और उनके विश्राम की व्यवस्था करने में स्थानीय लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

रास्ते में थके श्रद्धालुओं के लिए ये शिविर राहत का केंद्र बने हुए हैं। कांवड़ यात्रा को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने भी व्यापक तैयारियां की हैं। मार्ग में जगह-जगह चिकित्सा शिविर बनाए गए हैं। सरकारी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की टीमें तैनात हैं। कांवड़ियों की स्वास्थ्य जांच के साथ प्राथमिक उपचार और आवश्यक दवाओं की व्यवस्था की गई है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस भी तैयार रखी गई है। प्रशासन की ओर से स्वास्थ्य टीमों को लगातार सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क है। फोरलेन, प्रमुख चौराहों, पड़ाव स्थलों और भदेश्वरनाथ धाम की ओर जाने वाले मार्गों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। भीड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस की टीमें लगातार सक्रिय हैं, ताकि कांवड़ियों के साथ आम राहगीरों को भी परेशानी न हो।

स्वतंत्रता संग्राम का महातीर्थ है महुआ डाबर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बहादुरपुर विकासखंड के मनोरमा नदी के पवित्र तट पर स्थित महुआ डाबर 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का एक महत्वपूर्ण और दर्दनाक अध्याय है। 3 जुलाई 1857 को ब्रिटिश सेना ने गांव को तीन ओर से घेरकर बड़ी संख्या में लोगों की हत्या कर दी और पूरे गांव को आग के हवाले कर दिया था। स्थानीय इतिहास और उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार इस कार्रवाई में पांच हजार से अधिक लोगों के मारे जाने का दावा किया जाता है। हिंदू-मुस्लिम, बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी इस दमन के शिकार हुए। बाद में ब्रिटिश अभिलेखों में गांव को 'गैरचिरागी' यानी अस्तित्वहीन घोषित कर दिया गया। इतिहासकारों के अनुसार वर्ष 1813 में डॉ. फ्रांसिस बुकानन के सर्वे में महुआ डाबर करीब 200 घरों का विकसित कस्बा था। मनोरमा नदी के किनारे बसे इस कस्बे में सूती वस्त्र, छींट, रेशम, मलमल, कपड़ों की रंगाई के साथ अनाज और पीतल का बड़ा कारोबार होता था। 1857 से पहले यह क्षेत्र कपड़ा व्यापार के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में पहचान बना चुका था। बताया जाता है कि फैजाबाद-अयोध्या से दानापुर की ओर जा रहे छह अंग्रेज अधिकारियों को स्थानीय क्रांतिकारियों ने मार गिराया था। इसके बाद ब्रिटिश शासन ने महुआ डाबर और आसपास के गांवों में बड़े पैमाने पर दमनात्मक कार्रवाई की। कई लोगों को गिरफ्तार कर फांसी दी गई और गांव को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। क्रांतिकारी जमींदार जफर अली का नाम भी इस संघर्ष से जुड़ा है। उन्हें पकड़कर मृत्युदंड दिया गया था।

1999 में स्थापित हुआ संग्रहालय

महुआ डाबर के बलिदानियों की स्मृतियों को सुरक्षित रखने के लिए उनके वंशजों ने वर्ष 1999 में 'महुआ डाबर संग्रहालय' की स्थापना की। संग्रहालय में 1857 से संबंधित पत्र, हथियार, जले हुए अवशेष, पुराने समाचार पत्र, तस्वीरें, सिक्के, दस्तावेज, पुस्तकें और मुकदमों की कार्यवाहियों से जुड़ी सामग्री संरक्षित है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि आजादी के 78 वर्ष बाद भी इस ऐतिहासिक स्थल को वह सरकारी पहचान और संरक्षण नहीं मिल सका, जिसका यह हकदार है। उन्होंने महुआ डाबर में राष्ट्रीय स्मारक और शहादत कॉरिडोर के निर्माण की मांग की है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश बोर्ड और एनसीईआरटी की इतिहास की पुस्तकों में महुआ डाबर जनसंहार का विस्तृत उल्लेख करने, संग्रहालय को सरकारी संरक्षण एवं आर्थिक सहायता देने, ऐतिहासिक सामग्री का डिजिटलीकरण कराने और महुआ डाबर को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर शामिल करने की मांग भी उठाई गई है। क्षेत्रवासियों ने स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को क्रांति स्थल का शैक्षणिक भ्रमण कराने और बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि महुआ डाबर केवल एक गांव नहीं, बल्कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम और हजारों बलिदानियों की सामूहिक स्मृति का प्रतीक है। इस ऐतिहासिक स्थल को राष्ट्रीय पहचान और उचित सम्मान मिलना चाहिए।

1857 के जनसंहार की स्मृति को राष्ट्रीय पहचान देने की मांग, संग्रहालय को संरक्षण की जरूरत

सड़कों के गड्ढे भरने को 12 करोड़ की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। बरसात के बीच जिले की सड़कों पर गड्ढों की समस्या गंभीर होती जा रही है। लोक निर्माण विभाग की ओर से कराए जा रहे शुरुआती सर्वे में करीब एक हजार किलोमीटर मार्ग गड्ढों की जद में पाए गए हैं। सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को भरने के लिए विभाग ने शासन से 12 करोड़ रुपये के बजट की मांग की है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, प्रांतीय खंड के अंतर्गत करीब 550 किलोमीटर जबकि निर्माण खंड प्रथम के क्षेत्र में करीब 450 किलोमीटर मार्ग गड्ढों से प्रभावित हैं। दोनों खंडों की ओर से छह-छह करोड़ रुपये के बजट का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

बारिश ने बढ़ाई सड़कों की दुर्दशा

लगातार बारिश के कारण जिले के कई प्रमुख मार्गों के साथ ग्रामीण संपर्क मार्गों की स्थिति भी खराब हो गई है। सड़क पर बने गड्ढों के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए गड्ढे दुर्घटना का कारण बन रहे हैं, वहीं बड़े वाहन भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। विभाग का कहना है कि बरसात के दौरान ही गड्ढों की मरम्मत कर उन्हें भर दिया जाए तो सड़कों की स्थिति को और खराब होने से रोका जा सकता है। इसी को देखते हुए शासन से बजट की मांग की गई है।

कई सड़कों की हाल में हुई थी मरम्मत खास बात यह है कि जिले में कई ऐसे मार्ग भी हैं, जिन पर पिछले वर्ष अथवा इसी वर्ष मरम्मतीकरण और सुदृढ़ीकरण के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे। इसके बावजूद बारिश के बाद इन सड़कों पर गड्ढे दिखाई देने लगे हैं। इससे निर्माण की गुणवत्ता और मानकों को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता हरदयाल अहिरवार ने बताया कि सड़कों पर गड्ढों की स्थिति का सर्वे कराया जा रहा है। शुरुआती सर्वे में करीब एक हजार किलोमीटर मार्ग प्रभावित मिला है। गड्ढों को समय रहते भरने के लिए शासन से बजट की मांग की गई है।

बरसात में जिले की सड़कों की हालत बदहाल, प्रांतीय खंड में 550 तो निर्माण खंड प्रथम में 450 किमी मार्ग प्रभावित

हर घर तिरंगा यात्रा में गूंजा राष्ट्रप्रेम

सुल्तानपुर। गनपत सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की पांचों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में 'हर घर तिरंगा' यात्रा निकाली गई। महिला परिसर से शुरू हुई यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सीताकुंड स्थित परिसर में समाप्त हुई। छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए। प्राचार्य प्रो. अंग्रेज सिंह राणा ने कहा कि तिरंगा देश की स्वतंत्रता, गौरव और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव मजबूत करने का आह्वान किया। यात्रा में शिक्षक, स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाएं और बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल रहे।

टायर फटने से बेकाबू स्कूल बस ई-रिक्शा से टकराई, चालक की मौत

देवरिया। जनपद के गौरीबाजार थाना क्षेत्र के हाटा-गौरीबाजार मार्ग पर देवगांव मोड़ के पास मंगलवार सुबह स्कूल बस का अगला टायर फटने से बड़ा हादसा हो गया। अनियंत्रित बस आगे चल रहे ई-रिक्शा से जा टकराई। हादसे में ई-रिक्शा चालक की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि बस में सवार नौ शिक्षक-शिक्षिकाओं और ई-रिक्शा में सवार चार बच्चों को सामान्य चोटें आईं। बताया गया कि एसबीटी पब्लिक स्कूल की बस संख्या यूपी 52 टी 7947 शिक्षकों को उनके निर्धारित स्थानों से लेकर विद्यालय जा रही थी। सुबह करीब 8:20 बजे देवगांव मोड़ के पास अचानक बस के आगे बाईं ओर का टायर फट गया। इससे चालक प्रवीण यादव निवासी सवना लक्ष्मण, गौरीबाजार बस पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस ई-रिक्शा से टकरा गई। हादसे में ई-रिक्शा चालक अकबर अली (निवासी बिशुनपुरा, गौरीबाजार) गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत सामान्य बताई गई है।

केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे- धीरेन्द्र वाल्मीकि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर बैठे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह बात प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) केंद्रीय सलाहकार समिति के सदस्य धीरेन्द्र वाल्मीकि ने मंगलवार को लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कही। बैठक में जनपद में संचालित केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न विकास और कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान धीरेन्द्र वाल्मीकि ने अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन, पात्र लाभार्थियों को मिल रहे लाभ तथा लंबित कार्यों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करें, ताकि गरीब, दलित, पिछड़े एवं वंचित वर्ग के लोगों को समयबद्ध तरीके से लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ गांव और शहर के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसके लिए अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, विद्युत सौभाग्य योजना, समाज कल्याण विभाग, नगरीय निकाय एवं जल निगम द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति का परीक्षण किया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अधूरे कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए तथा योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। धीरेन्द्र वाल्मीकि ने कहा कि स्वच्छता, बिजली, पेयजल, आवास एवं सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाना आवश्यक है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग गंभीरता से कार्य करें और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने में तेजी लाएं। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी रामनगीना यादव, खंड विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय के निर्माण कार्य का किया स्थलीय निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। विकासखण्ड झंझरी अन्तर्गत ग्राम दुल्लापुर खालसा में परियोजना के तहत निर्माणाधीन मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय (प्री-प्राइमरी से कक्षा-12 तक) का जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों से अब तक पूर्ण हुए कार्यों तथा शेष कार्यों की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्यालय का निर्माण कार्य शासन द्वारा निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा प्रत्येक कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार ही कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य की नियमित रूप से निगरानी करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर परियोजना को पूर्ण कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक एवं बेहतर शैक्षिक सुविधाओं से युक्त विद्यालय उपलब्ध कराया जा सके।जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय सरकार की महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल है। ऐसे विद्यालयों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक शैक्षिक संसाधन एवं बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का भी विशेष ध्यान रखने तथा परिसर को सुव्यवस्थित एवं उपयोगी स्वरूप प्रदान करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा मानकों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि कार्य की प्रगति में तेजी लाते हुए गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में निर्माण कार्य पूर्ण करें। निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, डीसी निर्माण विद्या भूषण तथा कार्यदायी संस्था के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा में आईबीईटी एक्सपो-2026 का भव्य शुभारंभ

बोले ए.के. शर्मा–कचरे को बनाएं ऊर्जा और रोजगार का साधन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग्रेटर नोएडा/लखनऊ। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में मंगलवार को इंडिया बायोएनर्जी-टेक एक्सपो (आईबीईटी एक्सपो)-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने एक्सपो का उद्घाटन करते हुए कहा कि कचरे को समस्या के रूप में देखने के बजाय इसे ऊर्जा, रोजगार और आर्थिक विकास के अवसर में बदलने की जरूरत है। उन्होंने देश-विदेश से आए निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों से उत्तर प्रदेश में निवेश करने का आह्वान किया। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, सीबीजी उत्पादन और रिकॉर्ड विद्युत आपूर्ति के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है और निवेश के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि वे उत्तर प्रदेश में कहीं भी अपने संयंत्र स्थापित कर सकते हैं। प्रदेश में निवेशकों को भयमुक्त और शांतिपूर्ण माहौल उपलब्ध कराया जा रहा है। ए.के. शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था, गन्ना उत्पादन, कृषि अवशेष, जैविक कचरा और नगरीय ठोस अपशिष्ट बायोएनर्जी उत्पादन के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराते हैं। इन संसाधनों का वैज्ञानिक और तकनीकी उपयोग कर स्वच्छ ऊर्जा के साथ किसानों, युवाओं और उद्योगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बायोगैस, सीबीजी, बायोमास और कचरे से ऊर्जा उत्पादन जैसी तकनीकें न केवल ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सहायक होंगी, बल्कि कचरा प्रबंधन और चक्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेंगी। कृषि अवशेषों के बेहतर उपयोग से किसानों की अतिरिक्त आय बढ़ाने और ग्रामीण रोजगार को गति देने में मदद मिलेगी। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वच्छ ऊर्जा, नई तकनीक, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। आईबीईटी एक्सपो जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन उत्तर प्रदेश की संभावनाओं को वैश्विक निवेशकों के सामने रखने का महत्वपूर्ण मंच हैं। सरकार का लक्ष्य ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ नई ऊर्जा तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी प्रदेश को अग्रणी बनाना है। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और अपर मुख्य सचिव ऊर्जा आशीष गोयल ने भी प्रदेश में बायोएनर्जी के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने निवेशकों और तकनीकी संस्थानों से उत्तर प्रदेश में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने की अपील की। आईबीईटी एक्सपो-2026 का आयोजन 11 से 13 अगस्त तक किया जा रहा है। इसमें 150 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने प्रदर्शनी स्टॉल लगाए हैं। मंत्री ए.के. शर्मा ने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और विभिन्न कंपनियों के बायोएनर्जी, स्वच्छ ऊर्जा, तकनीक और नवाचार से जुड़े उत्पादों एवं समाधानों की जानकारी ली। इस अवसर पर 'भारत बायो एनर्जी कंपास' वेबसाइट का भी शुभारंभ किया गया। यह मंच बायोएनर्जी क्षेत्र से जुड़े निवेशकों, उद्योगों, विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को जानकारी एवं निवेश के अवसर उपलब्ध कराने में सहायक होगा। सरकार को उम्मीद है कि एक्सपो के माध्यम से प्रदेश में बायोएनर्जी क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा तथा किसानों की अतिरिक्त आय, ग्रामीण रोजगार, उद्यमिता और स्वच्छ ऊर्जा को नई गति मिलेगी।

तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल

.........भागूखेड़ा गांव के पास हुआ हादसा, सीएचसी से ट्रॉमा सेंटर पीजीआई रेफर; डंपर चालक हिरासत में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के भागूखेड़ा गांव के पास मंगलवार शाम तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे ट्रॉमा सेंटर पीजीआई रेफर कर दिया। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार शाम भागूखेड़ा के पास डंपर संख्या यूपी32जेडएन3779 ने मोटरसाइकिल संख्या यूपी41बीएम0082 में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार बृजेश पुत्र बजरंगबली, निवासी इटवा, जनपद सिद्धार्थनगर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी मोहनलालगंज भेजा। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए ट्रॉमा सेंटर पीजीआई रेफर कर दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त डंपर और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

चोरी की बाइक के साथ शातिर आरोपी गिरफ्तार

केदारपुर तिराहे के पास चेकिंग के दौरान महमूदाबाद पुलिस ने दबोचा, पहले भी दर्ज हैं कई मुकदमे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। चोरी की मोटरसाइकिल के साथ महमूदाबाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ पहले से चोरी, अवैध शस्त्र रखने और गैंगस्टर एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बरामद मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर आरोपी का चालान न्यायालय भेजने की कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक सीतापुर अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर जनपद में चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद वेदप्रकाश श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में थाना महमूदाबाद पुलिस टीम मंगलवार को क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान केदारपुर तिराहा, पैतेपुर रोड के पास पुलिस ने संदिग्ध युवक को रोककर पूछताछ की। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान विशाल उर्फ विकास उर्फ छोटू पुत्र पुत्तीलाल, निवासी बिलासपुर कला, थाना महमूदाबाद, सीतापुर के रूप में हुई है। बरामद मोटरसाइकिल के संबंध में पुलिस ने बताया कि इसे 8 अगस्त 2026 को रामलीला स्कूल, मोहल्ला फीलखाना, पैतेपुर से चोरी किया गया था। आरोपी के खिलाफ थाना महमूदाबाद में मुकदमा संख्या 308/2026, धारा 303(2)/317(2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत है।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी है। उसके खिलाफ वर्ष 2021 में चोरी और चोरी का माल बरामद होने, आर्म्स एक्ट तथा गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना महमूदाबाद में 379/411 भादवि, 25(1-बी) आर्म्स एक्ट और 2/3(1) यूपी गैंगस्टर एक्ट समेत कई धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

इन पुलिसकर्मियों ने की कार्रवाई

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक संजय सिंह, कांस्टेबल हरिशंकर सिंह, कांस्टेबल अंकित गोस्वामी, कांस्टेबल मिथुन मिश्रा और कांस्टेबल अनुभव मिश्रा शामिल रहे। पुलिस ने बरामद मोटरसाइकिल को कब्जे में लेते हुए आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की है।

कुबहरा से माइनर तक 600 मीटर सड़क के डामरीकरण की मांग, किसानों ने सौंपा ज्ञापन

.......19 अगस्त को धरने की चेतावनी, डीएम और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से मिलकर रखेंगे समस्या; बरसात में कीचड़ व जलभराव से बढ़ती है परेशानी ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। कुबहरा गांव से कमलापुर-विचिलखा माइनर तक करीब 600 मीटर लंबे कच्चे मार्ग के डामरीकरण की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के पदाधिकारियों और किसानों ने मंगलवार को मोहनलालगंज तहसील पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने बताया कि वर्षों से कच्चा पड़ा यह मार्ग बरसात के दिनों में कीचड़ और जलभराव के कारण ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। किसान प्रतिनिधियों ने एसडीएम से मार्ग का डामरीकरण कराने की मांग की। एसडीएम ने आश्वासन दिया कि जल्द ही वन विभाग और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को बुलाकर मामले में वार्ता कराई जाएगी और सड़क निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि किसान तत्काल ठोस कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज, खंड विकास अधिकारी मोहनलालगंज, वन विभाग के अधिकारियों और पुलिस उपायुक्त दक्षिणी को भी मांग पत्र सौंपा। किसानों का कहना है कि करीब 600 मीटर सड़क का निर्माण होने से आसपास के कई गांवों के ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी। साथ ही किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने में भी सुविधा होगी।

19 अगस्त को धरने की चेतावनी

राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन ने चेतावनी दी कि यदि मार्ग के डामरीकरण की दिशा में जल्द ठोस कदम नहीं उठाया गया तो 19 अगस्त 2026 को कुबहरा गांव स्थित सामुदायिक मिलन केंद्र के पास कच्चे मार्ग पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन ने प्रशासन से संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर भेजकर मार्ग की स्थिति का निरीक्षण कराने की मांग की है।

डीएम और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से मिलेंगे

संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि बुधवार को किसानों का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी लखनऊ और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपेगा। प्रतिनिधिमंडल अधिकारियों से 19 अगस्त को मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की समस्या और मार्ग की स्थिति देखने तथा जनहित में सड़क का डामरीकरण कराने की कार्रवाई शुरू करने की मांग करेगा। इस दौरान राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह लखनऊ, जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार, जिला महामंत्री रामसिंह, जिला उपाध्यक्ष रामकुमार यादव, राकेश यादव, अरविंद कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश कुमार, राकेश कुमार, केशवराम, रामकुमार, प्रधान पति नन्हे राम सहित कई किसान और संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

ट्रैक्टर-बाइक की भिड़ंत में डिलीवरी बॉय की मौत

मोहनलालगंज, लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के वृंदावन सेक्टर-12 चौराहे पर सोमवार देर रात तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की भिड़ंत में 21 वर्षीय डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने अज्ञात चालक के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। निगोहां क्षेत्र के मीरक नगर कांटा गांव निवासी सरवन चौरसिया का बेटा नितिन चौरसिया (21) ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी जेमैटो में काम करता था। सोमवार रात करीब 11 बजे वह बाइक से डिलीवरी के लिए वृंदावन की ओर गया था। सेक्टर-12 चौराहे के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली से उसकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में नितिन गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना गांव स्थित घर पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पिता सरवन चौरसिया, मां पुष्पा और छोटे भाई जितेन्द्र चौरसिया समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। नितिन की मौत से गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों ने पीजीआई कोतवाली में तहरीर देकर अज्ञात ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि चालक की तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण हादसा हुआ।

परफेक्ट कंप्यूटर सॉल्यूशंस का भव्य शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। नगर में आधुनिक तकनीक से जुड़ी सुविधाओं को बढ़ावा देने की दिशा में परफेक्ट कंप्यूटर सॉल्यूशंस के नए प्रतिष्ठान का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतिष्ठान का उद्घाटन मीसम अम्मार रिज़्वी ने फीता काटकर किया। इस दौरान बड़ी संख्या में व्यापारी, गणमान्य नागरिक और स्थानीय लोग मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह में प्रतिष्ठान पर उपलब्ध कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर, सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य कंप्यूटर उपकरणों एवं तकनीकी सेवाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी गई। प्रतिष्ठान के संचालक इंजीनियर मो. दानिश हाशमी ने बताया कि ग्राहकों को आधुनिक तकनीक से जुड़ी बेहतर, विश्वसनीय और सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर संचालक इंजीनियर मो. दानिश हाशमी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि नगर में तकनीकी सेवाओं से जुड़ा नया प्रतिष्ठान शुरू होने से लोगों को कंप्यूटर एवं इलेक्ट्रॉनिक जरूरतों के लिए स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। उद्घाटन समारोह में व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय जायसवाल, प्रभात, जियाउर्रहमान, कफील, डॉ. हमजा, ताहिर एडवोकेट, आमिर चेयरमैन, इस्तियाक शाद, इरफान अहमद 'मुन्ना', सुलेमान, मो. इमरान, अफआन अंसारी, नोमान, मो. तालिब, आरिफ हाशमी, रईस सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं व्यापारी मौजूद रहे। अंत में प्रतिष्ठान के संचालक इंजीनियर मो. दानिश हाशमी ने उद्घाटन समारोह में शामिल हुए सभी अतिथियों, व्यापारिक साथियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोगों का स्नेह और सहयोग उन्हें बेहतर सेवाएं देने के लिए निरंतर प्रेरित करता रहेगा।

राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा महमूदाबाद, निकली भव्य तिरंगा यात्रा

सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हुआ शुभारंभ, नगर के प्रमुख मार्गों से होकर संकटा देवी मंदिर पहुंची यात्रा

भाजपा नगर अध्यक्ष कमलेश कुमार राजपूत ने की अध्यक्षता, बड़ी संया में लोगों ने लिया हिस्सा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद (सीतापुर)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महमूदाबाद नगर में भव्य एवं विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान पूरा नगर राष्ट्रभक्ति के रंग में नजर आया। हाथों में तिरंगा लिए लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष के साथ देशभक्ति का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ रामकुंड चौराहा स्थित लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं राष्ट्रध्वज को नमन कर किया गया। मुख्य अतिथि आशा मौर्य ने माल्यार्पण कर यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई मां संकटा देवी मंदिर पहुंची, जहां इसका भव्य समापन हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नगर अध्यक्ष कमलेश कुमार राजपूत ने की। यात्रा में विधानसभा प्रभारी कमलेश तिवारी एवं मंडल प्रभारी ललित मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

बड़ी संख्या में लोगों ने लिया हिस्सा

तिरंगा यात्रा में समाजसेवी मोहन प्रसाद बारी, वागीश दिनकर वाजपेयी, सीपी निगम, संजू प्रजापति, विद्यालय प्रबंधक राम प्रवेश प्रजापति, नगर उपाध्यक्ष राम जिया वन वर्मा, श्याम नारायण त्रिपाठी, विपिन वर्मा, नगर मंत्री किरण यादव, शिव राज रावत, नगर उपाध्यक्ष शिवपाल रावत, राजेंद्र राजपूत, नगर महामंत्री राकेश गुप्ता एवं राजेश जायसवाल सहित भाजपा कार्यकर्ता, विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चे और बड़ी संया में नगरवासी शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के दौरान लोगों में जबरदस्त उत्साह दिखाई दिया। हाथों में राष्ट्रध्वज लेकर लोगों ने देशभति के नारे लगाए और स्वतंत्रता दिवस के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया। कार्यक्रम के दौरान 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा ', 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातर' के नारों से नगर का वातावरण गूंज उठा।

ओवरटेक के चक्कर में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, तीन घायल

नगराम। समेसी कस्बे में मंगलवार को हीरो एजेंसी के सामने ओवरटेक करने के प्रयास में तेज रफ्तार दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दो महिलाओं समेत तीन बाइक सवार घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। वहीं, हादसे के बाद दूसरी बाइक का चालक मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नगराम की ओर से एक अपाचे बाइक तेज रफ्तार में निगोहां की तरफ जा रही थी। समेसी कस्बे में हीरो एजेंसी के सामने चालक ने आगे चल रही दूसरी बाइक को ओवरटेक करने का प्रयास किया।

इसी दौरान सामने से आ रही बाइक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में नगराम निवासी शालिनी और अमवा मुर्तजापुर निवासी नम्रता समेत तीन लोग घायल हुए। दुर्घटना के बाद आसपास के दुकानदार और राहगीर मौके पर जुट गए। लोगों ने घायलों को सड़क से उठाकर समेसी स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। शालिनी की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया।

नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

.....पुलिस ने किशोरी को सकुशल बरामद किया, आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा; नादरगंज से लौटते समय पुलिस ने दबोचा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के मामले में आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से किशोरी को भी सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ और आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, मोहनलालगंज थाना क्षेत्र निवासी महिला ने तहरीर देकर बताया था कि 26 जुलाई की रात उसकी 16 वर्षीय बेटी आभूषण और नकदी लेकर घर से चली गई थी। जानकारी करने पर पता चला कि फत्तेखेड़ा मजरा कनकहा निवासी सनी पुत्र स्वर्गीय अशोक कुमार भी घर पर नहीं था। इस पर परिजनों को आशंका हुई कि सनी उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि बेटी के बारे में जानकारी करने पर आरोपी पक्ष ने उसके साथ विवाद किया और जान से मारने की धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देश पर किशोरी की सकुशल बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को सूचना के आधार पर आरोपी सनी को गिरफ्तार कर लिया गया और किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह और किशोरी एक-दूसरे को कई वर्षों से जानते हैं। उसके मुताबिक, वह किशोरी को बहला-फुसलाकर नादरगंज ले गया था। बाद में मुकदमा दर्ज होने की जानकारी मिलने पर वह किशोरी को उसके घर छोड़ने के लिए वापस आया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी किशोरी के साथ ऑटो रिक्शा का इंतजार कर रहा था, तभी पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया। आरोपी ने पूछताछ में अपनी गलती स्वीकार की। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

एमआईएस सहायकों व लेखाकारों का दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं राज्य ग्रामीण विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मॉडल संकुल स्तरीय संघ के एमआईएस सहायकों एवं लेखाकारों का दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण सोमवार को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन मिशन निदेशक अरुण कुमार के निर्देशन में किया गया। समापन समारोह में संयुक्त मिशन निदेशक देवेंद्र कुमार ओझा ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य संकुल स्तरीय संघ के कैडर को तकनीकी, वित्तीय एवं प्रबंधन के क्षेत्र में दक्ष बनाना है, ताकि गांव स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी और पारदर्शी तरीके से हो सके। प्रशिक्षण में सिद्धार्थनगर, संत रविदास नगर, औरैया एवं प्रयागराज से आए लेखाकारों और एमआईएस सहायकों ने प्रतिभाग किया। दस दिनों के दौरान प्रतिभागियों को वित्तीय प्रबंधन, ऋण व्यवस्था, लेखांकन, पारदर्शी हिसाब-किताब, त्वरित निर्णय क्षमता और धन के उचित उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। तकनीकी सत्रों में मोबाइल एप और पोर्टल पर आंकड़ों की प्रविष्टि, मासिक प्रगति आख्या तैयार करना, स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघ के अभिलेखों का ऑनलाइन रखरखाव, कार्यसूची तैयार करना, सदस्यता पंजिका का संधारण तथा प्रस्ताव पारित करने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

संपादकीय

राजनीति में जनता के असली मुद्दे

लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि यहां सत्ता से सवाल पूछे जा सकते हैं, नीतियों की आलोचना की जा सकती है और विपक्ष सरकार के फैसलों पर अपना विरोध दर्ज करा सकता है। इसी तरह सरकार को भी अपने निर्णयों का पक्ष रखने और विपक्ष के आरोपों का जवाब देने का पूरा अधिकार है। लेकिन जब राजनीति का केंद्र जनहित के मुद्दों से हटकर केवल आरोप-प्रत्यारोप बन जाता है, तब लोकतंत्र की मूल भावना कमजोर पड़ने लगती है। आज भारतीय राजनीति के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या राजनीतिक दल जनता के वास्तविक सवालों को उतनी प्राथमिकता दे रहे हैं, जितनी प्राथमिकता वे एक-दूसरे पर आरोप लगाने को देते हैं? चुनावी राजनीति में आरोप लगना कोई नई बात नहीं है। सरकार और विपक्ष के बीच मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब राजनीतिक बहस का अधिकांश हिस्सा इस बात पर खर्च होने लगे कि किस नेता ने किस पर क्या आरोप लगाया, किसने किस बयान का जवाब दिया और किसने किसे कठघरे में खड़ा किया। ऐसे वातावरण में महंगाई, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की आय, छोटे कारोबार, कानून-व्यवस्था और न्याय में देरी जैसे मुद्दे अक्सर राजनीतिक शोर में दब जाते हैं। एक आम नागरिक के लिए राजनीति का महत्व संसद या विधानसभा की बहसों से कहीं अधिक उसके रोजमर्रा के जीवन में दिखाई देता है। परिवार का बजट बिगड़ता है तो उसे महंगाई की चिंता होती है। युवा नौकरी की तलाश करता है तो उसके लिए रोजगार सबसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन जाता है। किसान को फसल का उचित मूल्य, सिंचाई, मौसम और बाजार की चिंता रहती है। व्यापारी के लिए कारोबार की लागत और नियमों की सरलता महत्वपूर्ण होती है। गरीब परिवार के लिए बेहतर सरकारी अस्पताल और स्कूल किसी भी राजनीतिक भाषण से अधिक मायने रखते हैं। यही वह बिंदु है जहां राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना चाहिए। क्या उनकी राजनीतिक भाषा जनता की इन समस्याओं को पर्याप्त स्थान दे रही है? क्या चुनावी घोषणाओं के बाद भी उन वादों की लगातार समीक्षा होती है? क्या संसद और विधानसभाओं में उन विषयों पर उतनी गंभीर चर्चा होती है, जितनी राजनीतिक आरोपों पर? यदि जवाब संतोषजनक नहीं है तो यह केवल किसी एक दल की समस्या नहीं, बल्कि पूरी राजनीतिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। आरोप जरूरी हैं, लेकिन प्रमाण और समाधान उससे भी जरूरी विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना है। यदि किसी सरकारी योजना, नीति या निर्णय में खामी दिखाई देती है तो विपक्ष को उसे सामने लाना चाहिए। भ्रष्टाचार, प्रशासनिक लापरवाही या किसी गंभीर अनियमितता का संदेह हो तो जांच की मांग भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लेकिन आरोप और प्रमाण में अंतर होता है। राजनीति में किसी आरोप को बार-बार दोहराना उसे स्वत: सत्य नहीं बना देता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोपों की जांच संस्थाओं को करनी होती है और दोष या निर्दोष होने का फैसला निर्धारित कानूनी प्रक्रिया से होना चाहिए। इसी तरह सरकार को भी विपक्ष के हर सवाल को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज करने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए। लोकतंत्र में स्वस्थ व्यवस्था वही होगी जहां आरोप के साथ प्रमाण, विरोध के साथ वैकल्पिक नीति और आलोचना के साथ समाधान प्रस्तुत किया जाए। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च विधायी मंच है। वहां सरकार की नीतियों पर चर्चा होनी चाहिए, कानूनों की समीक्षा होनी चाहिए और जनता से जुड़े मुद्दों पर गंभीर बहस होनी चाहिए। संसद में राजनीतिक असहमति होना जरूरी है। लेकिन असहमति और गतिरोध में फर्क है। सरकार यदि विपक्ष की बात नहीं सुनती तो लोकतांत्रिक संवाद कमजोर होता है। दूसरी ओर विपक्ष यदि हर विषय को विरोध का अवसर बना दे और चर्चा की संभावना ही समाप्त कर दे तो उससे भी जनता का नुकसान होता है। जनता ने अपने प्रतिनिधियों को केवल नारे लगाने के लिए नहीं चुना है। उनसे अपेक्षा है कि वे कानून बनाएं, नीतियों की समीक्षा करें और जनता की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाएं। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि सदन में बिताया गया समय केवल सत्ता पक्ष या विपक्ष की जीत-हार तय नहीं करता; उसका सीधा संबंध देश के करोड़ों नागरिकों के भविष्य से होता है। भारत दुनिया की बड़ी युवा आबादी वाले देशों में है। ऐसे में रोजगार का सवाल केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता का भी विषय है। हर साल बड़ी संख्या में युवा शिक्षा पूरी करके नौकरी की तलाश में निकलते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले लाखों युवाओं के लिए परीक्षा की पारदर्शिता, समय पर परिणाम और नियुक्ति प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में राजनीतिक बहस केवल इस बात तक सीमित नहीं रहनी चाहिए कि किस सरकार ने कितनी नौकरियां देने का दावा किया। असली सवाल यह होना चाहिए कि स्थायी और गुणवत्तापूर्ण रोजगार कितने पैदा हुए, युवाओं की आय कितनी बढ़ी, निजी क्षेत्र में अवसर कैसे बढ़ेंगे और कौशल प्रशिक्षण को वास्तविक रोजगार से कैसे जोड़ा जाएगा। यदि राजनीतिक दल इस विषय पर ठोस और मापने योग्य योजनाएं सामने रखें तो यह लोकतांत्रिक बहस को एक नई दिशा दे सकता है।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

मेष-आज आत्मविश्वास के साथ नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी और वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में महत्वपूर्ण बातचीत आगे बढ़ सकती है। परिवार में शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। भावनात्मक जल्दबाजी से बचें और पर्याप्त आराम करें।

वृषभ-आर्थिक मामलों में आज सावधानी बरतें। पुराने भुगतान या आर्थिक चिंता परेशान कर सकती है, लेकिन धैर्य से स्थिति संभल जाएगी। काम का दबाव बढ़ सकता है। परिवार में पुराने मुद्दे को लेकर मतभेद संभव हैं। प्रेम संबंधों में संवाद बनाए रखें। गले से जुड़ी परेशानी हो सकती है।

मिथुन-नई सोच और रचनात्मकता के कारण कामकाज में सफलता मिलेगी। आपके सुझावों को महत्व मिलेगा और सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम जीवन में उत्साह बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। परिवार में सामंजस्य बना रहेगा। यात्रा के दौरान सावधानी बरतें।

कर्क-परिवार से जुड़ी किसी बात को लेकर मन परेशान हो सकता है, लेकिन बातचीत से स्थिति सुधरेगी। कार्यक्षेत्र में दबाव रहेगा, जबकि आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। बड़े लेन-देन से बचें। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। मानसिक थकान और नींद की कमी से बचें।

सिंह-आज आत्मविश्वास और उत्साह बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत और नेतृत्व क्षमता को पहचान मिलेगी। व्यापार में नए संपर्क लाभ का अवसर दे सकते हैं। परिवार में शुभ समाचार मिलने की संभावना है। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। अधिक भागदौड़ से थकान हो सकती है।

कन्या-आज अपनी योजनाओं की समीक्षा कर आगे की दिशा तय करने का समय है। कार्यक्षेत्र में अनुशासन और मेहनत की सराहना होगी। आर्थिक मामलों में अनावश्यक खर्च से बचें। परिवार के किसी सदस्य को लेकर चिंता हो सकती है। प्रेम संबंधों में संवाद की कमी से मनमुटाव संभव है। खान-पान का ध्यान रखें।

तुला-आर्थिक मामलों में राहत मिल सकती है। रुका हुआ धन प्राप्त होने की संभावना है। निवेश से भी लाभ मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके संतुलित व्यवहार की सराहना होगी। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। अविवाहित लोगों को रिश्ते से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। प्रेम जीवन सुखद रहेगा।

वृश्चिक-आज महत्वपूर्ण फैसले सोच-समझकर लें। कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप सफलतापूर्वक निभाएंगे। बड़े निवेश से फिलहाल बचना बेहतर होगा। परिवार में मतभेद हो सकते हैं। प्रेम संबंधों में अधिक अधिकार जताने से बचें। नियमित दिनचर्या बनाए रखें।

धनु-आज नई चीजें सीखने और आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में मेहनत की सराहना होगी और वरिष्ठों की सलाह उपयोगी साबित होगी। परिवार में शुभ आयोजन की योजना बन सकती है। प्रेम संबंधों में विश्वास बना रहेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है। अधिक यात्रा से थकान हो सकती है।

मकर-कामकाज और आर्थिक मामलों में दिन मजबूत रहेगा। नई जिम्मेदारी मिल सकती है और महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूरा होगा। व्यापार में लाभ के अवसर बनेंगे। परिवार में सुख-शांति रहेगी और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन कमर और जोड़ों पर अधिक दबाव न डालें।

कुंभ-नई सोच और रचनात्मकता आज आपकी ताकत बनेगी। कार्यक्षेत्र में आपके विचारों की सराहना होगी और नई योजना पर काम शुरू हो सकता है। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार में सौहार्द बना रहेगा। प्रेम जीवन में उत्साह रहेगा। आंखों पर अधिक दबाव और नींद की कमी से बचें।

मीन-आज आत्मचिंतन के साथ महत्वपूर्ण फैसले लेने का दिन है। कार्यक्षेत्र में आपकी कल्पनाशीलता उपयोगी साबित होगी। नौकरी और व्यापार में परिस्थितियां अनुकूल रह सकती हैं, लेकिन आर्थिक निर्णय सोच-समझकर लें।

भागवत की नजरों में जेन-जी आंदोलन का दृष्टिकोण

जंतर-मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया। भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा।भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार-बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है-क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे। विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं 'वादे वादे जायते तत्त्वबोध:' की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुन: प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है-विरोध संविधान की मर्यादा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी-दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है। यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है-ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय-समय पर धर्म, मर्यादा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति-पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है। फिर वही आंदोलन राजनीतिक दलों, अवसरवादी तत्वों और निहित स्वार्थों के लिए मैदान बन जाता है। परिणामत: मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और आंदोलन का चरित्र बदलने लगता है। यही वह स्थिति है जिससे लोकतंत्र को बचाना है। नीट और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने भी यही संदेश दिया है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार और संस्थाओं को असाधारण संवेदनशीलता दिखानी होगी। परीक्षा केवल एक प्रश्नपत्र नहीं होती, वह लाखों परिवारों के वर्षों के परिश्रम, सपनों और आर्थिक-सामाजिक आकांक्षाओं से जुड़ी होती है। यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि उसकी मेहनत निष्पक्ष व्यवस्था में नहीं आंकी गई, तो उसका आक्रोश स्वाभाविक है। हाल के छात्र आंदोलनों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है। इस संदर्भ में पुलिस की भूमिका भी पुनर्परिभाषित करने की जरूरत है। हर प्रदर्शनकारी अपराधी नहीं होता और हर नारा राष्ट्रविरोधी नहीं होता। पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए। राष्ट्रविरोधी गतिविधि और जायज नागरिक असहमति के बीच अंतर करना लोकतांत्रिक पुलिस व्यवस्था की पहली कसौटी है। इसलिए मोहन भागवत की बात को केवल जेन-जी आंदोलन के संदर्भ में देखने की बजाय उसे भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के व्यापक संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकारें आएंगी-जाएंगी, राजनीतिक दल बदलेंगे, आंदोलनों के स्वरूप बदलेंगे, लेकिन लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता नहीं बदलेगी, जनता को सुनना होगा।

ललित गर्ग

इटावा के सुमेर सिंह का किला बनेगा ईको टूरिज्म का नया केन्द्र

उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक धरोहरों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में अब पर्यटन केवल ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विकास का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। इसी सोच के साथ उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से विकसित करते हुए उन्हें विश्वस्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में स्थापित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार का पर्यटन विभाग जनपद इटावा स्थित ऐतिहासिक सुमेर सिंह किला क्षेत्र को आकर्षक ईको टूरिज्म केन्द्र के रूप में विकसित कर रहा है। लगभग 1.44 करोड़ रुपये की लागत वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 1.08 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। इस परियोजना का उद्देश्य किले की ऐतिहासिक गरिमा को सुरक्षित रखते हुए पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना तथा पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देना है। राजा सुमेर सिंह किला क्षेत्र के विकास कार्यों में प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक स्वरूप को विशेष महत्व दिया गया है। परियोजना के अंतर्गत लगभग 400 वर्गमीटर क्षेत्र में ग्रीन पेवर ब्लॉक लगाए जाएंगे, जिससे वर्षा जल का बेहतर संरक्षण होगा और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही बैठने के स्थानों के आसपास व्यापक पौधरोपण कर पूरे परिसर को हरित एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया जाएगा। पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए किले के अग्रभाग में मजबूत सुरक्षा दीवार तथा आकर्षक रेलिंग का निर्माण कराया जाएगा, जिससे ऐतिहासिक धरोहर सुरक्षित रहने के साथ-साथ आगंतुकों का भ्रमण भी अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित रहे। इस परियोजना के तहत पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं का भी विकास किया जा रहा है। परिसर में अत्याधुनिक फूड कोर्ट विकसित किए जाएंगे, जहाँ पर्यटक स्थानीय व्यंजनों का आनंद प्राकृतिक वातावरण के बीच ले सकेंगे। साथ ही स्टोन साइनेज, बीम आधारित बेंच तथा अन्य जनसुविधाएँ विकसित की जाएंगी, जिससे आगंतुकों को स्थल के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व की विस्तृत जानकारी सहज रूप से प्राप्त हो सके। स्थानीय कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आकर्षक श्री पेंटिंग वॉल तैयार की जाएगी तथा भव्य प्रवेश द्वार पूरे परिसर को नई पहचान प्रदान करेगा। इससे यह स्थल केवल पर्यटन केन्द्र ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत के प्रदर्शन का भी महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। परियोजना में पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। परिसर में एफआरपी बायो-डाइजेस्टर लगाए जाएंगे, जिससे अपशिष्ट प्रबंधन वैज्ञानिक एवं स्वच्छ तरीके से किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त सोलर लाइटों की स्थापना से ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और रात्रिकाल में भी पूरा परिसर सुरक्षित एवं प्रकाशमान रहेगा। यह पहल उत्तर प्रदेश सरकार की हरित विकास नीति का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों को समान महत्व दिया गया है। सुमेर सिंह किला सौन्दर्यीकरण परियोजना केवल पर्यटन सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्थानीय लोगों के लिए आर्थिक अवसरों का नया द्वार भी खोलेगी। पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि से होटल, रेस्तरां, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों तथा अन्य छोटे व्यवसायों को नई गति मिलेगी। इससे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसी क्षेत्र में विकसित किए जा रहे वेस्ट फेसिंग बैंक्वेट हॉल, अत्याधुनिक पाथवे तथा रेस्टोरेंट ब्लॉक-1 का निर्माण कार्य भी लगभग 50 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। इन सुविधाओं के शुरू होने के बाद पर्यटकों को एक ही परिसर में गुणवत्तापूर्ण आतिथ्य, बेहतर खानपान, सुगम आवागमन तथा आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का समग्र अनुभव प्राप्त होगा। उत्तर प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल पर्यटन स्थलों का सौंदर्यीकरण करना नहीं, बल्कि उन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं संरक्षित रखना भी है। सुमेर सिंह किला परियोजना इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का संतुलित समावेश किया जा रहा है। आने वाले समय में यह परियोजना इटावा को प्रदेश के प्रमुख ईको टूरिज्म गंतव्यों में स्थापित करने के साथ-साथ प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान देगी। इतिहास, प्रकृति और आधुनिक सुविधाओं का यह संगम न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेगा, बल्कि स्थानीय विकास, रोजगार और क्षेत्रीय समृद्धि का भी मजबूत आधार बनेगा। यह पहल उत्तर प्रदेश सरकार की पर्यटन विकास के प्रति प्रतिबद्धता तथा सतत एवं समावेशी विकास की सोच का सशक्त उदाहरण है।

> **परियोजना में पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। परिसर में एफआरपी बायो-डाइजेस्टर लगाए जाएंगे, जिससे अपशिष्ट प्रबंधन वैज्ञानिक एवं स्वच्छ तरीके से किया जा सकेगा। इसके अतिरित सोलर लाइटों की स्थापना से ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और रात्रिकाल में भी पूरा परिसर सुरक्षित एवं प्रकाशमान रहेगा। यह पहल उार प्रदेश सरकार की हरित विकास नीति का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों को समान महत्व दिया गया है।**

-केवल से0नि0 सूचना अधिकारी

गजराज की मौन पुकार को अनसुना कर रहा है लालची इंसान

लेखक सचिन बाजपेई

इस 12(विश्व हाथी दिवस)अगस्त को केवल स्मरण न करें। संकल्प लें—हाथीदांत या खाल से बने किसी भी सामान को न खरीदें, न बेचें; भ्रांतियों को दूर करें; नैतिक पर्यटन चुनें और बच्चों को प्रकृति से जोड़ें। प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को जब दुनिया विश्व हाथी दिवस मनाती है, तो यह केवल एक कैलेंडर की तिथि नहीं रह जाती। यह उस मौन विशालकाय प्राणी की आवाज़ बन जाती है, जो सदियों से हमारे जंगलों का वास्तुकार, बीजों का वाहक और पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर रहा है। 2012 में कनाडाई फिल्म निर्माता पेट्रीशिया सिम्स और थाईलैंड के एलिफेंट रीइंट्रोडक्शन फाउंडेशन द्वारा शुरू किया गया यह दिवस आज वैश्विक जागरूकता का प्रतीक बन चुका है। इसका उद्देश्य अफ्रीकी और एशियाई हाथियों की दुर्दशा को उजागर करना, अवैध शिकार रोकना, आवास संरक्षण सुनिश्चित करना और बंदी हाथियों के लिए गरिमापूर्ण जीवन की माँग करना है। हाथी केवल विशाल शरीर वाले जीव नहीं हैं। वे 'क्लाइमेट हीरो' और 'इकोसिस्टम इंजीनियर' कहलाते हैं। एक वन हाथी सैकड़ों एकड़ जंगल की कार्बन अवशोषण क्षमता बढ़ा सकता है। वे बीज बिखेरते हैं, जल स्रोत बनाते हैं और वनस्पति का संतुलन बनाए रखते हैं। फिर भी आज वे संकट में हैं। अफ्रीकी हाथियों की संख्या लगभग चार लाख के आसपास बताई जाती है, जिनमें सवाना हाथी संकटग्रस्त और वन हाथी गंभीर रूप से संकटग्रस्त श्रेणी में हैं। एशियाई हाथियों की आबादी मात्र 40 से 50 हजार के बीच अनुमानित है और वे संकटग्रस्त हैं। भारत में विश्व की लगभग 60 प्रतिशत जंगली एशियाई हाथी आबादी निवास करती है—यह गौरव भी है और जिम्मेदारी भी।

अवैध व्यापार की काली छाया

हाथियों की सबसे बड़ी त्रासदी उनके दांत और खाल का अवैध व्यापार है। हाथीदांत (आइवरी) की लालसा ने पिछले एक शताब्दी में अफ्रीकी हाथियों की आबादी को लगभग 70 प्रतिशत तक घटा दिया। 1989 में सीआईटीईएस ने अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक हाथीदांत व्यापार पर प्रतिबंध लगा दिया, फिर भी संगठित अपराध गिरोह आज भी सक्रिय हैं। अफ्रीका के जंगलों में शिकारी हाथियों को मारकर उनके दांत निकालते हैं। ये दांत स्थानीय बिचौलियों के हाथों से होते हुए नाइजीरिया, मोज़ाम्बीक, तंजानिया, ज़ाम्बिया जैसे देशों से एशिया के बाज़ारों—वियतनाम, लाओस, थाईलैंड, मलेशिया—तक पहुँचते हैं। हाथी की खाल का व्यापार भी उतना ही खतरनाक है। दक्षिण-पूर्व एशिया में एशियाई हाथियों की खाल, मांस और अन्य अंगों की माँग बढ़ी है। भारत में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत हाथी अनुसूची-1 में है। हाथीदांत, खाल या किसी भी अंग का व्यापार, रखना या परिवहन पूरी तरह अवैध है। फिर भी डीआरआई, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो और राज्य वन विभाग समय-समय पर किलो-किलो हाथीदांत जब्त करते हैं। यह व्यापार केवल शिकारियों का नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध का हिस्सा है।

हाथीदांत को लेकर फैली भ्रांतियाँ

अवैध व्यापार को बढ़ावा देने में कई गलत धारणाएँ भी जिम्मेदार हैं। आम लोगों में फैली कुछ प्रमुख भ्रांतियाँ इस प्रकार हैं: - सभी हाथियों के दांत होते हैं — सत्य यह है कि अफ्रीकी हाथियों में नर-मादा दोनों के आमतौर पर दांत होते हैं, लेकिन एशियाई हाथियों में केवल कुछ नरों के बड़े दांत होते हैं। मादाओं के अक्सर छोटे या बिल्कुल नहीं होते। भारत में बिना दांत वाले नर हाथियों को 'मखना' कहा जाता है। - हाथीदांत सींग हैं और दोबारा उग आते हैं — यह पूरी तरह गलत है। हाथीदांत संशोधित कृन्तक दांत हैं, सींग नहीं। एक बार टूटने या निकालने के बाद ये दोबारा नहीं उगते। - हाथी मरने पर दांत खुद गिर जाते हैं— दांत मजबूती से खोपड़ी में जड़े होते हैं। उन्हें निकालने के लिए हाथी को मारना पड़ता है। - हाथीदांत में औषधीय गुण होते हैं — वैज्ञानिक रूप से इसमें कोई विशेष औषधीय गुण नहीं हैं। यह सामान्य दंतधातु है। पुराने या विरासत में मिले हाथीदांत का व्यापार वैध है — भारत में किसी भी रूप में हाथीदांत रखना या बेचना अवैध है। ये भ्रांतियाँ माँग को जीवित रखती हैं। जब तक लोग सच नहीं जानेंगे, तब तक अवैध व्यापार की जड़ें नहीं कटेंगी। भारत ने प्रोजेक्ट एलीफेंट (1992) के तहत 33 हाथी रिजर्व और 150 से अधिक गलियारे चिह्नित किए हैं। यह प्रयास सराहनीय है, पर आवास विखंडन, मानव-हाथी संघर्ष और अवैध व्यापार लगातार दबाव बना रहे हैं। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि संरक्षण केवल कानून तक सीमित नहीं हो सकता। यह सह-अस्तित्व की संस्कृति माँगता है। गांवों की सुरक्षा, गलियारों का रखरखाव, सामुदायिक भागीदारी और नैतिक पर्यटन—ये वास्तविक समाधान हैं। संपादकीय दृष्टि से देखें तो विश्व हाथी दिवस हमें एक बड़ा प्रश्न पूछता है—क्या हम उन प्राणियों को बचाने के लिए तैयार हैं जो हमारे अस्तित्व की नींव मजबूत करते हैं? हाथियों का संरक्षण केवल वन्यजीवों का संरक्षण नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा है। इस 12 अगस्त को केवल स्मरण न करें। संकल्प लें—हाथीदांत या खाल से बने किसी भी सामान को न खरीदें, न बेचें; भ्रांतियों को दूर करें; नैतिक पर्यटन चुनें और बच्चों को प्रकृति से जोड़ें। गजराज की मौन पुकार को सुनने का समय आ गया है। क्योंकि जब अंतिम हाथी का पैर जंगल की मिट्टी पर नहीं पड़ेगा, तब हम महसूस करेंगे कि हमने न केवल एक प्रजाति खोई, बल्कि अपने अस्तित्व का एक अनिवार्य अध्याय भी। हाथी बचाओ, प्रकृति बचाओ, भविष्य बचाओ।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

हत्या के प्रयास के मामले में वांछित आरोपित गिरफ्तार

देवरिया। हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे 19 वर्षीय आरोपित को कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित को बजाजी रोड से मुखबिर की सूचना पर पकड़ा। उसके विरुद्ध वर्ष 2024 में कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित की पहचान आदित्य शर्मा उर्फ कान्हा पुत्र राजेश उर्फ पिंटू शर्मा, निवासी आर्य समाज गली, बजाजी रोड, थाना कोतवाली के रूप में हुई है। वह मुकदमे में वांछित चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक शशिभूषण राय, उपनिरीक्षक संजय कुमार पाल, हेड कांस्टेबल मोहम्मद मेराज खां और कांस्टेबल सत्यप्रकाश गुप्ता शामिल रहे।

तेज रफ्तार पर इंटरसेप्टर की नजर, 202 वाहनों के चालान

देवरिया। सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यातायात पुलिस ने मंगलवार को शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देश में चले अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 202 वाहनों के चालान किए गए, जबकि चार वाहन सीज किए गए। रोडवेज बस स्टैंड और चिरैयाढाला में बिना हेलमेट, तीन सवारी, दोषपूर्ण नंबर प्लेट और बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की गई। वहीं देवरिया-गोरखपुर मार्ग पर इंटरसेप्टर वाहन और स्पीड लेजर गन से तेज रफ्तार वाहनों की जांच की गई। शहर में जाम की समस्या रोकने के लिए भटवलिया चौराहा, न्यू कालोनी, साकेत नगर, जलकल मार्ग और कोतवाली मार्ग पर नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के चालान किए गए। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से निर्धारित पार्किंग में वाहन खड़ा करने, हेलमेट व सीट बेल्ट लगाने तथा गति सीमा का पालन करने की अपील की।

स्वतंत्रता दिवस पर होगी पांच किमी बालक और तीन किमी बालिका रेस

देवरिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला खेल कार्यालय की ओर से 15 अगस्त को देवरिया स्पोर्ट्स स्टेडियम में बालक-बालिका रेस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश और जिला प्रशासन के निर्देश पर होने वाली प्रतियोगिता में 05 किमी ओपेन बालक और 03 किमी ओपेन बालिका रेस कराई जाएगी। प्रतियोगिता सुबह सात बजे से स्टेडियम की चहारदीवारी के चारों तरफ निर्धारित मार्ग पर होगी। इसमें सभी आयु वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे। दोनों वर्गों में प्रथम छह स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को खेल विभाग की ओर से आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। जिला खेल कार्यालय ने जनपद के सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों से अपने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में समय से प्रतिभाग कराने का अनुरोध किया है। खिलाड़ियों का पंजीकरण प्रतियोगिता से पूर्व कराया जाएगा। आयोजन को लेकर जिला खेल कार्यालय की ओर से आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

पीएचसी खजनी की जर्जर सड़क बनी मुसीबत, मरीजों और तीमारदारों का आवागमन दुश्वार

बरसात में गड्ढों और कीचड़ से बढ़ी समस्या, जल्द शुरू होगा सड़क निर्माण कार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी/गोरखपुर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खजनी तक पहुंचने वाली मुख्य सड़क की जर्जर हालत इन दिनों मरीजों और तीमारदारों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। सड़क जगह-जगह टूटकर बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई है। बरसात के बाद इन गड्ढों में पानी और कीचड़ भर जाने से आवागमन और भी मुश्किल हो गया है। अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों के साथ एंबुलेंस और अन्य वाहनों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और गंभीर मरीज सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। सड़क खराब होने के कारण मरीजों को वाहन से अस्पताल के मुख्य परिसर तक पहुंचाने में परेशानी होती है। कई बार तीमारदारों को मरीजों को स्ट्रेचर या सहारे के साथ खराब

रास्ते से पैदल ले जाना पड़ता है। बरसात के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। कीचड़ और जलभराव के चलते वाहन फिसलने का खतरा बना रहता है। वहीं, गंभीर मरीजों को लेकर आने वाली एंबुलेंस को भी खराब सड़क के कारण धीमी गति से गुजरना पड़ता है। इससे अस्पताल पहुंचने में अतिरिक्त समय लगने की शिकायत सामने आती रही है।

निर्माण को मिली स्वीकृति

स्थानीय लोगों के मुताबिक सड़क की मरम्मत और निर्माण को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई है। अस्पताल प्रशासन की ओर से भी सड़क की समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग को पत्र भेजा गया है। इस संबंध में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खजनी के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. प्रदीप त्रिपाठी ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए सहजनवां विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप शुक्ला की विधायक निधि से स्वीकृति मिल चुकी है। निर्माण से संबंधित कागजी कार्रवाई पूरी कर ली गई है। जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू होने की उम्मीद है। क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराकर पूरा कराने की मांग की है, ताकि अस्पताल आने वाले मरीजों, एंबुलेंस और तीमारदारों को आवागमन में राहत मिल सके।

सर्पदंश से 22 वर्षीय युवक की मौत, समय पर इलाज न मिलने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर गीडा थाना क्षेत्र के भरवल गांव में सोमवार की देर रात सर्पदंश से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के स्वजन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सहजनवा में समय से उपचार और आवश्यक एंटी-स्नेक वेनम उपलब्ध नहीं होने का आरोप लगाया है। स्वजन का कहना है कि यदि अस्पताल में तत्काल उपचार मिल जाता तो युवक की जान बचाई जा सकती थी। घटना को लेकर ग्रामीणों में भी आक्रोश है। जानकारी के अनुसार भरवल गांव निवासी जय प्रकाश का 22 वर्षीय पुत्र शिवम सोमवार रात भोजन करने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था। बताया जा रहा है कि कमरे में पहले से ही एक सर्प बिस्तर में छिपा हुआ था। रात करीब 11 बजे सर्प ने शिवम को डस लिया। सर्पदंश के बाद युवक ने शोर मचाया तो परिवार के लोग तत्काल कमरे में पहुंचे। हालत बिगड़ती देख स्वजन उसे आनन-फानन में उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहजनवा लेकर पहुंचे।

स्वजन का आरोप है कि सीएचसी पहुंचने के बाद काफी समय तक उपचार को लेकर इंतजार करना पड़ा। इसके बाद स्वास्थ्य कर्मियों की ओर से कथित तौर पर बताया गया कि अस्पताल में सर्पदंश की

वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। युवक की हालत गंभीर होती देख परिवार के लोग उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाने के लिए रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। स्वजन ने स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था और उपचार में कथित देरी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि सर्पदंश जैसे आपातकालीन मामले में समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। यदि अस्पताल में तत्काल आवश्यक उपचार और दवा उपलब्ध होती तो शिवम की जान बचने की उम्मीद थी। स्वजन ने मामले की जांच कराने और जिम्मेदार स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। बताया गया कि शिवम अपने परिवार का इकलौता संतान था। उसकी मौत से माता-पिता और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सऊदी अरब से 12 दिन बाद उन्नाव पहुंचा शिवम पाल का शव

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के सुपासी गांव निवासी 30 वर्षीय शिवम पाल का पार्थिव शरीर मंगलवार को सऊदी अरब से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उनके पैतृक गांव लाया गया। शव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय लोग गांव पहुंच गए। शिवम पाल रोजगार के सिलसिले में करीब सात महीने पहले सऊदी अरब गए थे। परिजनों के मुताबिक, वहां बीमारी के चलते 30 जुलाई को अस्पताल में उनका निधन हो गया था। इसके बाद से परिवार शव के भारत आने का इंतजार कर रहा था। शव को भारत लाने के लिए परिजनों ने प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और भारतीय दूतावास से मदद की गुहार लगाई थी। मंगलवार को शिवम का पार्थिव शरीर लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पहुंचा, जहां से उसे सुपासी गांव लाया गया। जैसे ही शव गांव पहुंचा, बड़ी संख्या में ग्रामीण अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। ग्रामीणों ने बताया कि शिवम परिवार के बेहतर भविष्य के लिए विदेश में मेहनत-मजदूरी कर रहे थे। उनकी असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन के दौरान माहौल बेहद गमगीन रहा और परिजनों की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। बाद में ग्रामीणों और परिजनों की मौजूदगी में शिवम पाल का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

झाड़फूंक का झांसा देकर महिला से सोने की बाली ठगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा। गोरखपुर के हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के जबरैला विश्खोहर गांव में रविवार को झाड़फूंक के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। भीख मांगने के बहाने घर पहुंची एक महिला ने गृहस्वामिनी को उसके परिवार पर संकट आने का भय दिखाकर अपने झांसे में ले लिया। इसके बाद कथित तौर पर झाड़फूंक करने के नाम पर महिला से सोने की कान की बाली उतरवा ली और मौका मिलते ही जेवर लेकर फरार हो गई। घटना के बाद पीड़िता ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के जबरैला विश्खोहर निवासी जयराम यादव की पत्नी प्रमिला देवी रविवार की सुबह करीब 10 बजे अपने घर पर अकेली थीं। इसी दौरान एक अज्ञात महिला भीख मांगने के बहाने उनके घर पहुंची। बातचीत के दौरान महिला ने प्रमिला देवी से कहा कि उनके घर पर किसी तरह का संकट मंडरा रहा है और यदि समय रहते इसका उपाय नहीं किया गया तो परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कथित महिला ने अपनी बातों में उलझाकर प्रमिला देवी को भरोसा दिलाया कि वह झाड़फूंक कर इस संकट को दूर कर सकती है। इसके बाद उसने पूजा-पाठ और झाड़फूंक के नाम पर प्रमिला देवी से उनके कान की सोने की बाली मांग ली। महिला के झांसे में आकर प्रमिला देवी ने अपनी सोने की बाली उसे दे दी। जेवर हाथ लगते ही जालसाज महिला ने पीड़िता को यह भी हिदायत दी कि वह इस बात की जानकारी किसी अन्य व्यक्ति को न दे। इसके बाद किसी बहाने से महिला को घर के अंदर जाने को कहा। प्रमिला देवी जैसे ही घर के अंदर गई, कथित जालसाज महिला जेवर लेकर मौके से फरार हो गई। कुछ देर बाद जब पीड़िता को महिला के गायब होने का पता चला तो उन्होंने आसपास के लोगों को जानकारी दी।

ग्रामीणों के साथ काफी देर तक महिला की तलाश की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पीड़िता ने हरपुर बुदहट थाने पहुंचकर पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देते हुए तहरीर दी। पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही महिला की पहचान और तलाश में जुटी है। घटना के बाद ग्रामीणों में भी तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि झाड़फूंक, तंत्र-मंत्र या किसी प्रकार के भय का झांसा देने वाले अजनबियों के बहकावे में न आएं और संदिग्ध गतिविधि की तत्काल पुलिस को सूचना दें।

विधायक प्रभात वर्मा के नेतृत्व में तिरंगा पदयात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर गोण्डा: देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आजादी के पावन महापर्व स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे हरढ्ढघरढ्ढतिरंगा अभियान के अंतर्गत मंगलवार को गौरा विधानसभा क्षेत्र के मसकनवां मंडल में भव्य तिरंगा पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा में विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने सम्मिलित होकर क्षेत्रवासियों, युवाओं, विद्यार्थियों एवं कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। भव्य तिरंगा पदयात्रा डा0 सी0बी0 शुक्ला इंटर कॉलेज, भिखारीपुर से प्रारंभ होकर मसकनवां बाजार (फॉर्म हाउस) तक पहुंची। इसके पश्चात पदयात्रा पुनः डा0 सी0बी0 शुक्ला इंटर कॉलेज, भिखारीपुर पहुंची, जहां कार्यक्रम का समापन हुआ।

पदयात्रा के दौरान हाथों में राष्ट्रध्वज और हृदय में भारत माता के प्रति अटूट श्रद्धा लिए बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, युवा, विद्यार्थी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। देशभक्ति के नारों और भारत माता के जयघोष से पूरा क्षेत्र राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत हो गया। तिरंगे की आन, बान और शान के साथ निकली इस पदयात्रा ने क्षेत्र में एकता, देशभक्ति और राष्ट्रगौरव का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, त्याग, बलिदान और स्वाभिमान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर चल रहा हर- घर- तिरंगा अभियान देशवासियों में राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत करने का जन-अभियान बन चुका है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आह्वान किया कि स्वतंत्रता दिवस के इस पावन अवसर पर प्रत्येक घर में तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान प्रकट करें। उन्होंने कहा कि आज का युवा और विद्यार्थी वर्ग राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। तिरंगा पदयात्रा में बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों की भारी भागीदारी यह दर्शाती है कि प्रधानमंत्री जी के राष्ट्रप्रेम और विकसित भारत के संकल्प से समाज का प्रत्येक वर्ग जुड़ रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला महामंत्री राकेश तिवारी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख बाबू यादव, अभिमन्यु पटेल, राधिका देवी, जितेंद्र पांडेय, लाल बाबू वर्मा, प्रशांत पटेल, कमलेश पांडेय, इरशाद अहमद, विनय वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, क्षेत्रवासी एवं बच्चे उपस्थित रहे।

संगठन सृजन अभियान से बूथ स्तर पर मजबूत होगा कांग्रेस संगठन

देवरिया। जिले के टाउनहाल स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर मंगलवार को संगठन सृजन अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल ने की। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नामित जिला पर्यवेक्षक भईया जी पवार रहे। भईया जी पवार ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर देशभर में संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य बूथ से जिला स्तर तक संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाना है। देवरिया में बूथ, न्याय पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। कार्यकर्ताओं की सक्रियता, निष्ठा, जनसरोकारों से जुड़ाव और संगठन के प्रति समर्पण के आधार पर जिम्मेदारियां तय होंगी। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता का सम्मान संगठन की प्राथमिकता है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक इंजीनियर शैलेन्द्र यादव ने कहा कि अभियान केवल पद वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की पहल है। निर्मला पासवान ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

अंतर-मंडलीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में देवरिया के छह खिलाड़ी चयनित

देवरिया। कुशीनगर में आयोजित मंडलीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करने वाले देवरिया के छह खिलाड़ियों का चयन अंतर-मंडलीय तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए हुआ है। प्रतियोगिता 12 और 13 अगस्त को रायबरेली में आयोजित होगी। अंडर-14 वर्ग में इंडियन राउंड के लिए रुखसाना तथा रिकर्व वर्ग में रमजान, मन्नत, इज्जत, सविता और रुकसार चयनित हुए हैं। कंपाउंड वर्ग में कंपोजिट विद्यालय सुरौली के आर्य प्रताप सिंह प्रतिभाग करेंगे। खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षक शमीमा शाहीन और सिकंदर तथा प्रबंधक एलके सिंह व जवाहर सिंह रहेंगे। सभी खिलाड़ियों ने श्रीनेट ग्लोबल स्कूल स्थित संजीव कुमार सिंह आर्चरी इंस्टीट्यूट (एसएसएआईटी) के तत्वावधान में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। जिला शिक्षा विभाग ने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

सिकरीगंज हत्याकांड में पुलिस का बड़ा एक्शन, 8 आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर/सिकरीगंज थाना क्षेत्र में 8 अगस्त 2026 को हुई शिवकुमार त्रिपाठी की हत्या के मामले में एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने बड़ा एक्शन लेते हुए पुलिस को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, हत्याकांड के पीछे वर्ष 2024 में हुई आदेश चौधरी की हत्या की रंजिश सामने आई है। घटना के संबंध में थाना सिकरीगंज में मु0अ0सं0-217/2026 दर्ज किया गया है।

पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए 7 नामजद आरोपियों में से 6 को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, विवेचना के दौरान प्रकाश में आए 2 अन्य अभियुक्तों को भी गिरफ्तार किया गया है। इस तरह अब तक कुल 8 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मामले की गंभीरता

2024 की हत्या की रंजिश में शिवकुमार त्रिपाठी की हत्या NSA की तैयारी

को देखते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के अंतर्गत निरोधात्मक कार्रवाई भी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।हत्याकांड के बाद एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने बड़ा प्रशासनिक एक्शन लेते हुए थाना प्रभारी सिकरीगंज अंजुल चतुर्वेदी को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है।

मन्नीपुर में दिखा उदबिलाव, वन विभाग ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

बिल्लियों के शोर के बीच घने पेड़ों में दिखा जंगली जीव, ग्रामीणों में मचा कौतूहल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला/गोरखपुर। नगर पंचायत गोला के वार्ड नंबर 14 मन्नीपुर में सोमवार दोपहर घने पेड़ों के बीच एक जंगली जानवर दिखाई देने से ग्रामीणों में कौतूहल मच गया। बिल्लियों के शोर के बीच ग्रामीणों की नजर जब छोटे कद और लंबी पूंछ वाले इस जीव पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने जांच के बाद उसे उदविलाव बताया और सुरक्षित रेस्क्यू कर अपने साथ ले गई। जानकारी के अनुसार, सोमवार अपराह्न मन्नीपुर में घने पेड़ों के बीच अचानक बिल्लियों के शोर की आवाज सुनाई दी। ग्रामीणों ने आसपास जाकर देखा तो पेड़ों के बीच एक जंगली जीव दिखाई दिया। इस दौरान मन्नीपुर निवासी युवा उत्कर्ष शेखर तिवारी, जो वन्यजीवों में रुचि रखते हैं, लाइब्रेरी से लौट रहे थे। उन्होंने भी जीव को देखा और उसे बिल्लियों से सुरक्षित रखने के साथ तत्काल वन क्षेत्राधिकारी शिवजीत सिंह को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में वन दरोगा

मुन्नीलाल और वन विभाग के सिपाही कौशल मौके पर पहुंचे। टीम ने जंगली जीव की पहचान और स्थिति का निरीक्षण किया। जांच के बाद वनकर्मियों ने उसे उदविलाव बताया। इसके बाद टीम ने सावधानीपूर्वक उदविलाव को रेस्क्यू किया और उसे सुरक्षित अपने साथ ले गई। इस दौरान हर्षित तिवारी, अंकित गौड़, मोहित गौड़, विराट मिश्रा, मनीष तिवारी और अमरनाथ तिवारी सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

जलस्तर बढ़ने पर ऊंचे स्थानों की ओर आते हैं वन्यजीव

वन क्षेत्राधिकारी शिवजीत सिंह ने बताया कि मन्नीपुर क्षेत्र नदी के तटवर्ती इलाके में आता है। जलस्तर बढ़ने के दौरान कई बार जंगली जीव सुरक्षित और ऊंचे स्थानों की तलाश में आबादी के आसपास पहुंच जाते हैं। उन्होंने बताया कि उदविलाव इस क्षेत्र में कभी-कभार दिखाई देता है और इसे असामान्य घटना नहीं माना जा सकता।

पिछले वर्ष लकड़बग्घे की मौजूदगी से मचा था हड़कंप

मन्नीपुर और आसपास के गांवों में पिछले वर्ष लकड़बग्घा दिखाई देने के बाद काफी दहशत फैल गई थी। बताया गया कि लकड़बग्घे के हमले में कुछ ग्रामीण घायल भी हुए थे। इसके बाद वन विभाग ने इलाके में व्यापक सर्च अभियान चलाया था, हालांकि लकड़बग्घा पकड़ में नहीं आया था। ग्रामीणों का कहना है कि सरयू तट के आसपास अक्सर विभिन्न प्रकार के जंगली जीव दिखाई देते हैं।

पानी के आसपास रहता है उदविलाव

उदविलाव जलस्रोतों के आसपास रहने वाला स्तनधारी वन्यजीव है। इसका शरीर लंबा, पैर छोटे और पूंछ लंबी होती है। यह पानी में तैरने में दक्ष होता है और मुख्य रूप से मछली तथा छोटे जलीय जीवों को भोजन बनाता है। सामान्यतः उदविलाव मनुष्यों से दूरी बनाए रखता है।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने निकाली तिरंगा यात्रा, गूंजा देशभक्ति का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर गोंडा: आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने के लिए ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज पटेल के नेतृत्व में ब्लाक कर्मियों की पैदल तिरंगा यात्रा निकाली गई।तिरंगा यात्रा ब्लॉक परिसर बभनजोत से शुरू होकर बाजार के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी। हाथों में तिरंगा लेकर ब्लॉक कर्मियों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए।

इस दौरान ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज पटेल ने कहा- '15 अगस्त तक हर घर पर तिरंगा लहराना है। यह अभियान देशभक्ति और एकता का प्रतीक है। सभी से अपील है कि अपने घर, दुकान और प्रतिष्ठान पर गर्व से तिरंगा फहराएं। तिरंगे का सम्मान करें और 13 से 15 अगस्त तक इसे शान से लगाएं। 'उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार के निर्देश पर पूरे ब्लॉक क्षेत्र में घर-घर तिरंगा पहुंचाने का काम किया जा रहा है। ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सेवक और अन्य कर्मी गांव-गांव जाकर लोगों को तिरंगा वितरित करेंगे। प्रभात फेरी में मनरेगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू हेमंत राव, उदल प्रसाद, वीरेंद्र कुमार वर्मा, देवनारायण वर्मा, कृषि बीज गोदाम प्रभारी विजय कुमार वर्मा, ग्राम विकास अधिकारी, रोजगार सेवक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहित बड़ी संख्या में ब्लॉक कर्मी और क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान में महिलाओं को हेल्पलाइन की दी जानकारी

देवरिया। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत मंगलवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीमों ने जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महिलाओं, छात्राओं और बालिकाओं को पंपलेट वितरित कर सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। खामपार पुलिस ने भिंगारी बाजार, बनकटा पुलिस ने रामपुर बुजुर्ग व सोहनपुर बाजार तथा मईल पुलिस ने भागलपुर चौकी क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। पुलिस टीमों ने सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों पर भी अभियान चलाया। महिलाओं को डायल-112, महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और साइबर हेल्पलाइन 1930 सहित अन्य सेवाओं की जानकारी दी गई। पुलिस ने किसी भी समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में तत्काल संबंधित हेल्पलाइन पर सूचना देने की अपील की।

आईजीआरएस में खराब प्रगति पर बीडीओ को फटकार, दो दिन में सुधार नहीं तो होगी बड़ी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आईजीआरएस, सीएम डैशबोर्ड, राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों, फैमिली आईडी, स्वामित्व योजना और कृषक दुर्घटना योजना सहित विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा की। आईजीआरएस में शिकायतों के निस्तारण की खराब स्थिति और फरियादियों के कम संतुष्टि स्तर पर जिलाधिकारी ने कई खंड विकास अधिकारियों के प्रति कड़ी नाराजगी जताते हुए फटकार लगाई। गंजमुरादाबाद, सिकंदरपुर कर्ण, सिकंदरपुर सरोसी, सफीपुर, नवाबगंज और फतेहपुर चौरासी के खंड विकास अधिकारियों को चेतावनी देते हुए डीएम ने कहा कि दो दिन के अंदर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो बड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को

निर्देश दिए कि आईजीआरएस शिकायतों का महज कागजी निस्तारण न किया जाए, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता देते हुए गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों से तहसीलवार धारा 34, 24 और 116 से संबंधित लंबित वादों की जानकारी ली। उन्होंने अभियान चलाकर लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही फैमिली आईडी में अंश निर्धारण, स्वामित्व योजना और कृषक दुर्घटना योजना के लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराने को कहा। सीएम डैशबोर्ड में जनपद की रैंकिंग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में जिले की रैंकिंग नीचे नहीं जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी बिंदुओं पर गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। इसके अलावा राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान आबकारी, परिवहन, वन, मंडी और सिंचाई सहित राजस्व वसूली में पिछड़े विभागों के अधिकारियों पर भी नाराजगी जताई गई। डीएम ने लक्ष्य के अनुरूप प्राथमिकता से राजस्व वसूली सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में उपजिलाधिकारी अजेंद्र सिंह समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

रसमलाई खाने को लेकर खूनी विवाद, भाई ने बड़े भाई और भाभी पर कैंची से किया हमला

उन्नाव। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में रविवार देर रात फ्रिज में रखी रसमलाई खाने को लेकर परिवार में ऐसा विवाद बढ़ा कि मामला मारपीट और लोहे की कैंची से हमले तक पहुंच गया। घटना में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें परिजनों की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल शानू के मुताबिक, रविवार रात करीब एक बजे फ्रिज में रखी रसमलाई खाने को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और गाली-गलौज के बाद मारपीट होने लगी। आरोप है कि इसी दौरान छोटे भाई नूर और उसकी पत्नी फातमा ने शानू और उसकी पत्नी साबरीन पर लोहे की कैंची से हमला कर दिया। हमले में शानू और साबरीन घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दोनों पक्षों से पूछताछ के बाद विवाद और हमले की वास्तविक वजह स्पष्ट होने की बात कही जा रही है। फिलहाल दोनों घायलों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

संक्षिप्त खबरें

भूतेश्वर मंदिर पर आज किया जाएगा भोलेनाथ का जलाभिषेक

कोंच(जालौन)- सावन के पावन अवसर पर बुधवार को होने वाले जलाभिषेक को लेकर शिवभक्तों में उत्साह देखने को मिला। सोमवार को सैकड़ों की संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर सेवड़ा के लिए रवाना हुए। इस दौरान पूरा माहौल बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। शिवभक्त सेवड़ा सनकुआ से कांवड़ में पवित्र जल लेकर 55 किलोमीटर पैदल चलकर बुधवार को कोंच वापस लौटेंगे। इसके बाद चंदकुआ स्थित प्राचीन भूतेश्वर महादेव मंदिर में शाम को भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक किया जाएगा। जलाभिषेक को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां की जा रही हैं। कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्तों के शामिल होने से क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। बुधवार शाम को हर-हर महादेव के जयकारों के बीच भूतेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा।

तिरंगा यात्रा पर 12 को रहेगा रुट डायवर्सन

कानपुर। हर घर तिरंगा अभियान' के अन्तर्गत सरसैया घाट चौराहा से ग्रीन पार्क चौराहा तक तिरंगा यात्रा कार्यक्रम दिनांक 12.08.2026 को प्रस्तावित है उक्त कार्यक्रम के दृष्टिगत समय प्रातः 8 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक यातायात डायवर्सन रहेगा। कंपनी बाग चौराहा की ओर से आने वाले समस्त प्रकार के वाहन मर्चेंट चैम्बर तिराहा से आगे नहीं जा सकेंगे। ऐसे वाहन मर्चेंट चैम्बर तिराहा से दाहिने मुड़कर सिलवर्टन तिराहा से बाएं मुड़कर एम.जी. कॉलेज चौराहा होते हुए अथवा सिलवर्टन तिराहा से लाल इमली चौराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। फूलबाग की ओर से आने वाले समस्त प्रकार के वाहन मेघदूत तिराहा से वीआईपी रोड/सरसैया घाट की ओर नहीं जा सकेंगे। ऐसे वाहन मेघदूत तिराहा से बड़ा चौराहा, परेड चौराहा एवं लाल इमली चौराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। बड़ा चौराहा की ओर से आने वाले कोई भी वाहन चेतना चौराहा एवं सरसैया घाट चौराहा की ओर नहीं जा सकेंगे। गुप्तार घाट की ओर से आने वाले समस्त प्रकार के वाहन वीआईपी रोड / सरसैया घाट चौराहा की ओर नहीं जा सकेंगे। ऐसे वाहन गुप्तार घाट से बाएं मुड़कर मेघदूत तिराहा होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

सावन शिवरात्रि पर पीएन दीवान पब्लिक स्कूल में हुआ रुद्राभिषेक, यजमानों ने की पूजा-अर्चना

बरेली/रिठौरा। सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर मंगलवार को नगर के पीएन दीवान पब्लिक स्कूल में भक्तिभाव के साथ रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग का जल, दूध, दही, शहद और गंगाजल से अभिषेक किया गया। पूजा का शुभारंभ पंडित रजत मिश्रा और प्रशांत पाठक द्वारा मंत्रोच्चार के साथ कराया गया। यजमान के रूप में सिद्धार्थ महाजन, वशिष्ठ प्रदीप, प्रदीप कुमार गुप्ता, वर्षा गुप्ता, राजो देवी, रामौतार, शिखा गुप्ता, अरविंद गुप्ता, सूर्याश गुप्ता और दिव्यांश गुप्ता , रंजीत यादव,सरोज कुमार गुप्ता,ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना में भाग लिया। इस धार्मिक अनुष्ठान में रेखा गुप्ता, विमला शर्मा, गीता गुप्ता, रामासरे गुप्ता, सैजल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। सभी ने शिव परिवार की आराधना कर सुख-समृद्धि और देश की खुशहाली की कामना की। स्कूल परिसर को फूलों और दीपों से सजाया गया था। 'नमः शिवाय' के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो उठा। आयोजन के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

महिला उप निरीक्षक ने पेश की मानवता की मिशाल पेश

गोला गोकर्णनाथ खीरी- गोला छोटी मे स्थित शिव मंदिर पर सावन माह के चलते लाखो कांवडिये दूर दराज चलकर से कांवड लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर रहे है। इस दौरान उसमे विकलांग व द्रस्टि बाधित व बृद्ध कांवडियो व महिलाओ को वहां तैनात महिला उप निरिक्षक सर्वेश मौर्य ने मानवता की मिशाल पेश करते हुए इन लोगो को भारी भीड भाड मे सुगमता से उनको पकड कर दर्शन व जलाभिषेक करा रही है। इस कार्य को देखकर जिले की पुलिस कप्तान ख्याति गर्ग के सहित पुलिस क्षेत्राधिकारी महेक शर्मा व गोला कोतवाली निरीक्षक अंबर सिंह के सहित वहां हजारो की संख्या मे तैनात पुलिस कर्मियो व मंदिर कमेटी के पदाअधिकारियो के सहित महिला उप निरीक्षक सर्वेश मौर्य की भूरि भूरि प्रशंसा की है। लेकिन महिल उपनिरीक्षक कहती है यह तो हमारा फर्ज है।

जिम पर बुलाया फिर ट्रांसजेंडरों को पीटा, जिम के संचालक समेत 2 गिरफ्तार

घटना का वीडियो प्रसारित होने के बाद प्राथमिकी दर्ज हुई, आरोपी गिरफ्तार किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। ट्रांसजेडरों को पीटने और अभद्रता करने वाले हीलियस जिम संचालक समेत दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को दोनों को चालान कर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जमानत दे दी गई। प्रेमनगर थाना क्षेत्र निवासी ट्रांसजेंडर ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात उनके पास उनके मुंह बोले भाई विशाल का फोन आया। विशाल ने कहा कि उसकी गाड़ी रामपुर गार्डन स्थित हीलियस जिम के बाहर तोड़ दी गई है। इसके बाद वह अपने साथियों के साथ पहुंची और जिम संचालक से बातचीत की। बातचीत में जिम मालिक अश्वनी शर्मा ने आश्वासन दिया कि वह कार तोड़ने वाले की तलाश कर लेंगे। आरोप है कि उसी रात करीब 10 बजे जिम मालिक अश्वनी का फोन आया कि जिम पर आ जाओ गाड़ी तोड़ने वाले का पता चल गया है। जब वह वहां अपने साथियों के संग पहुंची तो जिम संचालक अश्वनी व उसके साथियों सुशील, अंकित, अजय व चार अज्ञात लोगों ने उनके साथ अभद्रता शुरू कर दी मारपीट और छेड़छाड़ की। आरोप है कि गला दबाकर हत्या का भी प्रयास किया। मामले में कोतवाली पुलिस ने शिकायती पत्र के आधार पर आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी लिखी और सोमवार को जिम संचालक अश्वनी शर्मा व उसके साथी सुशील को गिरफ्तार कर चालान कर दिया।

गल्ला मंडी परिसर में मूंग खरीद के लिए सरकारी केंद्र हुए चालू

कोंच(जालौन)- किसानों की मांग पर लंबे समय के बाद कोंच में मूंग की फसल खरीदे जाने के लिए चार खरीद केंद्र खोल दिए गए हैं, जिसमें से एक केंद्र चालू भी हो गया हैं। इस बार शासन द्वारा मूंग का 8768 रुपए समर्थन मूल्य नियत किया गया है। नवीन गल्ला मंडी कोंच में बी-पैक्स लिमिटेड तीतरा खलीलपुर, बी-पैक्स लिमिटेड दिरावटी, बी-पैक्स लिमिटेड जुझारपुरा और बी-पैक्स लिमिटेड किशुनपुरा द्वारा कुल चार सरकारी मूंग खरीद केंद्र खोले गए है, जिनमें से मंगलवार को बी-पैक्स लिमिटेड तीतरा खलीलपुर का केंद्र चालू कर दिया गया है। पहले दिन 6 किसान केंद्र पर अपनी मूंग की फसल बेचने पहुंचे। केंद्र प्रभारी बृजकिशोर ने बताया कि अभी तक 50 किसानों ने नम्बर लगाए हैं जिनमें से 23 किसानों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। वहीं बाकी के तीन केंद्र भी अगले तीन-चार दिन में चालू होने की संभावना है। एसडीएम अभिनव कुमार ने बताया कि कोंच गल्ला मंडी में चार मूंग खरीद केंद्र खोले गए हैं जिनमें से एक केंद्र चालू हो गया है, आईडी में तकनीकी समस्या आने से बाकी तीन केंद्र अभी चालू नहीं हो पाए हैं, जल्द से जल्द इन तीनों केंद्रों को चालू करने के लिए केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं।

सनशाइन हॉस्पिटल कांवड़ियों को दे रहा निःशुल्क चिकित्सा सेवा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी- पवित्र सावन माह में छोटी काशी गोला में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने पहुंच रहे लाखों कांवड़ियों और शिवभक्तों का सनशाइन हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर की तरफ से निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रदेश के कई जिलों से कांवड़ लेकर लाखों श्रद्धालु सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर छोटी पहुच रहे हैं। ऐसे में पैदल चलने के कारण श्रद्धालुओं को पैरों में सूजन,घाव,मांस पेशियों में खिंचाव एवं थकान की दिक्कत से उनको सामना करना पड़ता है। जिसके मद्देनजर सनशाइन हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर के संचालक एवं भाजपा नेता डॉक्टर कौशल वर्मा के द्वारा मेले की शुरुआत में एक चिकित्सा सेवा रथ एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था।जिस पर दवाइयों एवं संसाधन के साथ मौजूद स्टाफ कांवड़ियों की सेवा में लगा हुआ है। निःशुल्क सेवा का कांवड़िए फायदा उठा रहे हैं। सेवा रथ गोला क्षेत्र की खुटार,मोहम्मदी लखीमपुर रोड पर घूम कर चिकित्सीय सुविधा देने का काम कर रहा है। डॉ.ने कहा कि 'सावन का महीना सनातन संस्कृति की अगाध श्रद्धा,आस्था और समर्पण का प्रतीक है। दूर-दूर से अपनी मनोकामनाएं और बाबा भोलेनाथ के प्रति अटूट भक्ति लेकर आ रहे कांवड़िए हमारे पूज्य मेहमान हैं। इन शिवभक्तों की सेवा करना मेरे लिए किसी सौभाग्य से कम नहीं है।

भाजपा सुंदरी मंडल की तिरंगा यात्रा का आयोजन हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ विकासखंड भदपुरा मैं आज ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार विधायक डॉक्टर एमपी आर्य के साथ भक्ति तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया इस तिरंगा यात्रा में एस एस टी पब्लिक इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया इसमें कई झांकियां प्रस्तुत की गई इस कार्यक्रम में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह तिरंगा यात्रा का आयोजन भदपुरा प्रांगण से प्रारंभ की गई इस कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग एकत्रित हुए तिरंगा यात्रा के साथ क्यों लड़िया के प्रभारी निरीक्षक देव सिंह इंस्पेक्टर क्रीम श्रवण कुमार उप निरीक्षक सौरभ कुमार एवं भारी पुलिस बल मौजूद रहा शान और शौकत के साथ यह तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया इसका नेतृत्व यहां के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार के साथ विधायक डॉक्टर आर्य। डॉक्टर मीनाक्षी नंदकिशोर एस एस टी पब्लिक इंटर कालेज के प्रबंधक सुरेंद्र वीर गंगवार यहां पर उपस्थित भदपुरा ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार विधायक डॉक्टर एमपी आर्य भदपुरा मंडल के प्रभारी अंकित शुक्ला सुंदरी मंडल अध्यक्ष खेमकरण गंगवार प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार मीरा गगवार। आशा वर्को की जिला अध्यक्ष राम नंदकिशोर हिंदू जागरण मंच के जिला उपाध्यक्ष हरिपाल गंगवार मुकेश दिवाकर महेंद्र पाल इंद्रपाल यज्ञदेव राकेश कुमार टी आर गंगवार भानु पताप अजय पाल सिंह ठाकुर विनयसिंह महेश पाली समेत भारी संख्या में उपस्थित थे।

कच्चे रास्ते से परेशान लोगों ने एसडीएम से लगाई गुहार

कोंच(जालौन)- पूरी तरह से मिट्टी युक्त कच्चे रास्ते पर, खासकर बारिश के दिनों में, आवागमन में हो रही परेशानी को लेकर शंभूशाह मंदिर के पीछे स्थित कॉलोनी के लोगों ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर उक्त स्थान पर पक्की सड़क बनवाए जाने की गुहार लगाई है। मोहल्ला गोखलेनगर में शंभूशाह मंदिर के पीछे कॉलोनी में रहने वाले दर्जनों लोगों ने मंगलवार को एसडीएम अभिनव कुमार को दिए अपने शिकायती पत्र में बताया कि बारिश के मौसम में कच्चा रास्ता पूरी तरह से दलदल में तब्दील हो गया है जिस पर पैदल भी नहीं चला जा सकता है। आवागमन में स्कूली बच्चों सहित महिलाओं और बूढ़ों को सर्वाधिक परेशानी उठानी पड़ रही है और आए दिन वाहन फंस रहे हैं, गिर रहे हैं। शिकायतकर्ताओं ने उक्त रास्ते को जनहित में पक्का बनवाए जाने की मांग एसडीएम से की है। शिकायतकर्ताओं में मोहन सिंह, श्याम नरेश, बालकिशुन, पवन कुशवाहा, रमाकांत, खेमचंद्र, चंद्रमोहिनी, प्रदीप, खुशी, महादेवी, बृजनन्दन, नवल किशोर, रामबाबू आदि शामिल रहे।

कैलिया में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव दिवस का संदेश जन जन तक पहुंचाए जाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय सांगठनिक नेतृत्व के आह्वान पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंडल स्तर पर निकाली जा रही तिरंगा यात्रा यहां कैलिया में पूरे उल्लास के साथ निकाली गई। माधोगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कोंच ग्रामीण मंडल द्वारा मंगलवार को कैलिया में निकाली गई तिरंगा यात्रा की शुरुआत पंचायत भवन से विधायक मूलचंद्र निरंजन, एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन, भाजपा मंडल अध्यक्ष सोनू पटेल बोहरा ने तिरंगा ध्वज लहराकर की। तिरंगा यात्रा समूचे कैलिया का भ्रमण कर पुनः पंचायत भवन पहुंची जहां स्वतंत्रता की लड़ाई में सर्वस्व न्यौछावर करने वाले माँ भारती के वीर अमर सपूतों को नमन किया गया। तिरंगा यात्रा में शामिल भाजपा नेता, कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और बच्चे अपने हांथों में तिरंगा ध्वज लहराते हुए 'वंदे मातरम' और भारत माता की जय का उद्घोष कर आगे बढ़ रहे थे जबकि युवा डीजे पर बज रहे देशभक्ति गीतों पर झूमते नाचते साथ चल रहे थे। भारत माता एवं महारानी लक्ष्मीबाई के स्वरूप में सजकर बग्घी पर सवार बालिकाएँ आकर्षण के केंद्र में रही। वहीं यात्रा के समापन अवसर पर विधायक ने कहा कि राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर तिरंगा यात्रा का आयोजन राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे पूर्व मंडल के भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अतिथि नेताओं का माल्यार्पण और बैज अलंकरण कर स्वागत किया। तिरंगा यात्रा में सुरक्षात्मक दृष्टि से थानाध्यक्ष अवनीश कुमार पटेल की अगुवाई में पुलिस बल मुस्तैद रहा। इस मौके पर मंडल प्रभारी नीरज दुबे,

अमित निरंजन, मनोज पालीवाल, शीतल सेंगर, बलराम तिवारी, रमेश मिश्रा, उदयवीर गुर्जर, सुनील शर्मा, अवधेश पटेल पचीपुरी, विकास पटेल, गौरी चबोर, रामलला पटेल, अवधेश पटेल, नारायण सिंह सहित तमाम गांवों के प्रधान, बीडीसी सदस्य मौजूद रहे।

पति की मारपीट से परेशान विवाहिता ने किया सुसाइड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना बिधनू क्षेत्र में पति की आए दिन की मारपीट से परेशान होकर विवाहिता ने पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी आत्महत्या से पहले विवाहिता ने तीन पेज का सुसाइड नोट लिखा,सब लोगों ने मिलकर हमें बहुत परेशान कर लिया था,,रोज मारपीट करते थ फ़ोन से गाली देते थें हमारा सारा पैसा और ज़ेवर उठा ले गए और हमें हमारे बच्चों को मरने के लिए छोड़ दिया, घटना की जानकारी पर मौके पर पहुंचे म्रतका के परिजनों ने हत्या कर शव फंदे से लटकाने का आरोप लगाया,, घटना के बाद पति समेत ससुराली जन फरार हो गए,, आपको बताते चलें कि कानपुर देहात शिवली के रैपालपुर गांव निवासी मजदूर नवाब सिंह ने बताया कि उनके छह बच्चे, शिव सिंह, राधा, सुमन 29 बाबू,बिट्टो,व आदर्श है, सुमन की शादी 09 साल पहले थाना बिधनू क्षेत्र के गुरु का पुरवा, गांव निवासी बस चालक इंद्रजीत सिंह से की थी,, उनके दो बच्चे श्याम 07 वर्ष भूमि 04 वर्ष है,नवाब के मुताबिक शादी के बाद से पति समेत ससुरालीजन बेटी से प्लांट खरीदने के लिए दहेज़ में 10 लाख रुपए की मांग करते थें मना करने पर आए दिन मारपीट करते थे शादी के दो साल बाद दहेज़ की मांग पूरी न करने पर पति ने मारपीट कर बेटी को नहर में फेंक दिया था,,जिस पर रिश्तेदारों ने दोनों पक्षों के बीच में समझौता करा दिया, बताया कि चार साल से इंद्रजीत और पत्नी बच्चों के साथ मामा की दी हुई जमीन पर घर बना कर रहने लगा,, इसके बाद 19 मई को इंद्रजीत ने बेटी के साथ दोबारा मारपीट की थी, जानकारी पर वह बेटी व बच्चों को को अपने साथ घर ले आए थे,पति के दोबारा मारपीट न करने के आश्वासन पर 28 जुलाई को बेटी को मायके से भेजा था , पड़ोसियों ने बेटी के फंदे पर लटके होने की जानकारी दी, पिता नवाब ने बताया कि मौके पर पहुंचे तो बच्चे श्याम व भूमि ने बताया कि सुबह स्कूल जाने के दौरान पापा ने मम्मी के साथ मारपीट की थी,जब वह स्कूल से लौटे तो मम्मी फंदे से लटकी हुई थी,, म्रतका के कपड़े फटे हुए मिलने पर परिजनों ने हत्या कर शव फंदे में लटकाने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बिधनू पुलिस, जांच के दौरान पुलिस को तीन पेज का सुसाइड नोट मिला,जो कि फटा हुआ था,, पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गुजैनी में धमकी देने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। घर पर ईट-पत्थर से हमला, गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित एक अभियुक्त को गुजैनी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कमिश्नरेट कानपुर पुलिस के अनुसार वादी मुकदमा निखिल तिवारी पुत्र सुधीर तिवारी, निवासी ग्राम मर्दनपुर, थाना गुजैनी, कानपुर नगर द्वारा दी गई लिखित तहरीर के आधार पर दिनांक 9.08.2026 को थाना गुजैनी पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। वादी निखिल तिवारी ने बताया कि दिनांक 6.08.2026 को प्रातः करीब 3:00 बजे अभियुक्त पंकज ठाकुर पुत्र प्रमोद सिंह, निवासी मकान नं0 13, कालिका नगर, गोपालपुर, थाना पनकी, कानपुर नगर, सनी गुप्ता पुत्र अज्ञात तथा 2 अन्य अज्ञात व्यक्तियों द्वारा वादी के घर के दरवाजे पर ईट-पत्थर से हमला किया गया तथा गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। उक्त प्रकरण की विवेचना के क्रम में थाना गुजैनी पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त पंकज ठाकुर उपरोक्त को आज दिनांक 11.08.2026 को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त थाना पनकी का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके विरुद्ध पूर्व में कुल 16 अभियोग पंजीकृत होना प्रकाश में आया है। प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

मईपुर में युवाओं ने घायल गो वंश की मदद की

कानपुर ग्रामीण। कानपुर नगर के बिधनू ब्लांक के रमईपुर क़स्बे में युवाओं का एक समूह घायल और बीमार गो बशो की मदद के लिए आगे आए,ये युवा सड़क पर पड़े बेजुबान पशुओं की सेवा में तुरंत जुट जाते हैं,, साथ ही रमईपुर चौराहे के पास सड़क किनारे एक गाय गंभीर हालत में मिली,,यह खेतों में लगे कंटीले तारों में उलझनें से बुरी तरह घायल हो गई, और दर्द से तड़प रही थी ,,,गाय की हालत देख कर सोनू यादव, जिला पंचायत प्रत्याशी सूर्या सिंह और शीलू ठाकुर, सहित आधा दर्जन लोग तुरंत पहुंचे,, उन्होंने पहले पानी से घाव साफ किए, फिर दवा लगाकर पट्टी की,, युवाओं की समय से मदद से गाय को काफ़ी राहत मिली अब उसकी हालत में सुधार हैं युवा नेता सूर्या सिंह ने बताया कि उनकी टीम इसी तरह बेजुबानों की सेवा करतीं रहेंगी।

तिरंगे के रंग में रंगेगा शहर, तिरंगा यात्रा से लेकर तिरंगा मेले और तिरंगा कंसर्ट का होंगा आयोजन

कानपुर। स्वतंत्रता दिवस से पहले शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आएगा। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत 12 और 13 अगस्त को तिरंगा यात्रा, तिरंगा मेला और तिरंगा कंसर्ट सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें शहीद परिवारों और स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करने के साथ देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। परियोजना निदेशक डीआरडीए आलोक कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार को सुबह नौ बजे सरसैयाघाट से ग्रीनपार्क तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर माननीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी, युवा, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और आमजन यात्रा में शामिल होंगे मोतीझील के लॉन नंबर एक में 12 से 15 अगस्त तक चार दिवसीय तिरंगा मेला सजेगा। मेले का उद्घाटन बुधवार सुबह 11 बजे होगा। तिरंगा थीम पर आयोजित मेले में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाली विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। वहीं, 13 अगस्त को दोपहर तीन बजे नानाराव पार्क के फूलबाग गेट नंबर एक पर तिरंगा कंसर्ट होगा। इसमें शहीद परिवारों और स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया जाएगा। दिव्यांगजन एवं नन्हे कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति का संदेश देंगे।

डामरीकरण, इंटरलॉकिंग और नाली निर्माण कार्यों का विधायक ने किया भूमि पूजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- विधायक मूलचंद्र निरंजन ने मंगलवार को माधोगढ़ विधानसभा/कोंच ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम फुलैला और कूंडा में डामरीकरण सड़क सहित इंटरलाकिंग एवं पक्की नाली निर्माण हेतु भूमि पूजन किया। ग्राम फुलैला में बुंदेलखंड विकास निधि योजना के अंतर्गत फुलैला से जिला झांसी बॉर्डर स्थित गांव इमिलिया तक 1.100 किमी लंबी दूरी की जर्जर पड़ी सड़क का 85 लाख रुपए की लागत से नए सिरे से निर्माण कार्य कराए जाने के साथ ही फुलैला गांव में 500 मीटर लंबी दूरी के रास्ते पर इंटरलॉकिंग और पक्की नाली का 43 लाख रुपए की लागत से निर्माण कार्य कराए जाने के लिए विधायक ने उच्चारित मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन किया। इसी के साथ ग्राम कूंडा में भी त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय से पंचायत घर तक 40 लाख रुपए की लागत से इंटरलॉकिंग और नाली निर्माण कार्य हेतु विधायक ने भूमि पूजन कर कार्य का शुभारंभ कराया। इस मौके पर मौजूद ग्रामीणों के बीच विधायक ने कहा कि उनका लक्ष्य है, एक भी गांव में जर्जर सड़क न रहने पाए। मुख्य सड़कों के साथ ही गांवों के संपर्क मार्गों की सभी सड़कें दुरुस्त बनाने के लिए वह लगातार काम कर रहे हैं। पानी निकासी कि भी समुचित व्यवस्था कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीणों की मांग पर सभी विकास कार्य प्राथमिकता से कराए जाएंगे। इससे पहले ग्राम प्रधान की अगुवाई में ग्रामीणों ने विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया। इस मौके पर भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ताओं सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बेहजम में मंडल अध्यक्ष छोटू शुक्ला ने निकली भव्य तिरंगा यात्रा, गूंजे भारत माता के जयकारे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेहजम खीरी खीरी। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व मंगलवार को कस्ता विधानसभा के बेहजम मंडल में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय शुक्ला (केके) छोटू भैया के तत्वावधान में आयोजित यह यात्रा बेहजम स्थित गौरी शंकर मंदिर से शुरू होकर करीब चार किलोमीटर दूर लखनापुर स्थित बालाजी मंदिर तक पहुंची। तिरंगा यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं, छात्रों, युवाओं, महिलाओं, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्र के प्रबुद्धजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर लोगों ने भारत माता के जयकारों और देशभक्ति के नारों से पूरे क्षेत्र को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया।यात्रा में भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार मिश्रा, मंडल प्रभारी रामनरेश सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष राकेश गिरि, योगेश कुमार शुक्ला, मंडल महामंत्री अभिषेक पाण्डेय, राकेश वर्मा, मंडल मंत्री गौरव दीक्षित, रामपाल मौर्य, कोषाध्यक्ष रोशन लाल यादव, आईटी विभाग से अजीत प्रताप सिंह, सुरजीत शर्मा, अतुल शुक्ला, मयंकेश्वर दत्त सिंह सहित सभी शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिव्यांग आजाद गाजी ने बढ़ाया हौसला

तिरंगा यात्रा का सबसे भावुक और प्रेरणादायक दृश्य उस समय देखने को मिला, जब दोनों हाथों और पैरों से दिव्यांग आजाद गाजी उर्फ अज्जा तिरंगा लेकर यात्रा में सबसे आगे चलते नजर आए। शारीरिक चुनौतियों के बावजूद देश के प्रति उनका जज्बा और भारत माता के प्रति सम्मान देखते ही बन रहा था। तिरंगा लेकर आगे बढ़ते आजाद गाजी ने यात्रा में शामिल लोगों में भी उत्साह और देशभक्ति का संचार किया। उनका जज्बा सभी के लिए प्रेरणा का केंद्र बना रहा। राष्ट्रप्रेम और एकता का दिया संदेश भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार मिश्रा ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान तथा करोड़ों देशवासियों की एकता और गौरव का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से नई पीढ़ी को राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' जैसे अभियानों से देशभर में राष्ट्रभक्ति की भावना और मजबूत हुई है। मंडल अध्यक्ष अजय शुक्ला (केके) छोटू ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना मजबूत होती है और लोगों को देश की एकता एवं अखंडता के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा मिलती है।

सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहा पुलिस प्रशासन

तिरंगा यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बेहजम पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आई। पुलिस चौकी प्रभारी संदीप यादव अपने पुलिस बल के साथ पूरी यात्रा में मौजूद रहे और यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को संभालते हुए नजर आए।

पुलिस टीम ने यात्रा के दौरान मार्ग पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार मशक्कत की, जिससे तिरंगा यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई। यात्रा के समापन पर सभी लोगों ने राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने तथा देशहित में सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया। भव्य तिरंगा यात्रा ने पूरे क्षेत्र में देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

संक्षिप्त खबरें

शराब के नशे में युवकों ने किया होटल में हंगामा

चुनार, मीरजापुर। कोतवाली क्षेत्र के चेचरी मोड़ स्थित सूरज होटल में कुछ युवकों द्वारा कथित तौर पर हंगामा और तोड़फोड़ किए जाने के मामले में होटल मालिक ने चुनार कोतवाली में मंगलवार को लिखित तहरीर देकर अवगत कराया गया है। तहरीर के अनुसार शराब के नशे में धुत्त कुछ युवकों ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए तोड़फोड़ की जिससे मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया था। बताया जा रहा है कि है कि आरोपी सरैया सिकंदरपुर के मड़ई गांव के निवासी हैं।घटना का सीसी कैमरे में कैद विडियो चुनार कोतवाली में दे दिया गया है। जिसमें होटल के अन्दर हंगामे और तोड़फोड़ जैसे दृश्य दिखाई दे रहे हैं। होटल मालिक सूरज देव पंडित ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। इस मामले में पुलिस की ओर से अभी तक कोई अधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत हुआ कि नहीं।

सुल्तानगंज के लिए कांवड़ियों का जत्था रवाना

ज्ञानपुर। नगर स्थित सिद्धपीठ बाबा हरिहरनाथ मंदिर से मंगलवार को जय बाबा बर्फानी ग्रुप के कांवड़ियों का जत्था सुल्तानगंज से गंगाजल लेने के लिए रवाना हुआ। रवाना होने से पूर्व कांवड़ियों ने बाबा हरिहरनाथ का दर्शन-पूजन कर यात्रा की मंगलकामना की। ग्रुप के अध्यक्ष ब्रह्मा मोदनवाल ने बताया कि जत्थे के सदस्य सुल्तानगंज पहुंचकर गंगा से जल भरेंगे और वहां से बाबा बैजनाथ धाम के लिए पैदल यात्रा करेंगे। कांवड़िये बाबा बैजनाथ का गंगाजल से जलाभिषेक करेंगे। कांवड़ियों का जत्था गोपीगंज स्थित ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा सुल्तानगंज के लिए रवाना हुआ। यात्रा को लेकर कांवड़ियों में उत्साह रहा और उन्होंने हर-हर महादेव के जयकारे लगाए। इस दौरान आकाश, शेरू, भैरव, विक्की, राज, अमन, बाबा, विशाल आदि मौजूद रहे।

एसपी ने जनसुनवाई में सुनी फरियादियों की समस्याएं

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई कर विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में जनपद के सभी थानों पर भी जनसुनवाई आयोजित कर फरियादियों की समस्याएं सुनी गई। एसपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक फरियादी को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के साथ शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर नियमानुसार निस्तारण किया जाए।

मारपीट व जातिगत उत्पीड़न के चार दोषियों को ढाई साल की सजा

भदोही।ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी के चलते विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी) एक्ट की अदालत ने औराई थाना क्षेत्र के नटवां गांव में वर्ष 2020 में हुए मारपीट, गाली-गलौज, धमकी और जातिगत उत्पीड़न के मामले में चार दोषियों को दो वर्ष छह माह के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 12 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। दोषियों में रामनाथ यादव, राजकुमार यादव, राजनाथ यादव और केशव यादव शामिल हैं। पुलिस के अनुसार स्थानीय पुलिस, मॉनिटरिंग सेल और विशेष लोक अभियोजक अनिल शुक्ला की प्रभावी पैरवी से दोषियों को सजा दिलाई गई।

हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा जेल

महराजगंज। थाना बृजमनगंज पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस के अनुसार, 10 अगस्त को ग्राम हरैया, थाना पुरंदरपुर निवासी रामकुमार ने अपने बेटे की हत्या के संबंध में तहरीर दी थी। इसके आधार पर थाना बृजमनगंज में मुकदमा संख्या 196/2026, धारा 103(1), 3(5) बीएनएस के तहत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में नामजद एक बाल अपचारी को पुलिस पहले ही हिरासत में लेकर बाल कल्याण अधिकारी के माध्यम से विधिक कार्रवाई के बाद बाल सुधार गृह, गोरखपुर भेज चुकी है। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने वांछित अभियुक्त रामकरन उर्फ जरलाहे (51) निवासी ग्राम खड़खोड़ा, थाना बृजमनगंज को गिरफ्तार कर लिया।

युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी, स्वजनों ने हत्या का लगाया आरोप

पुलिस को करना पड़ा विरोध का सामना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक युवक का शव खेत में मिला। मृतक के सिर में चोट के निशान और कान से खून बह रहा था। स्वजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को शव सौंपने से इनकार कर दिया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर जांच कर रही है। शव की पहचान दुबार कला गांव के वैसान बस्ती निवासी स्वर्गीय राम गोविंद कोरी के 37 वर्षीय पुत्र कमलेश उर्फ छोटे कोरी के रूप में हुई है। कमलेश मुंबई में गाड़ी चलाता था और अपने बेटे के मुंडन संस्कार में शामिल होने के लिए छह दिन पहले घर आया था। मुंडन शुक्रवार को होना था। सोमवार शाम कमलेश अपने पट्टीदार राम सजीवन को मुंडन का निमंत्रण देने गया था। वह रात में घर वापस नहीं लौटा। मंगलवार सुबह उसका शव गांव के पास खेत में मिला।घटनास्थल पर अपर पुलिस अधीक्षक

राजकुमार मीणा, सीओ अमर बहादुर, इंस्पेक्टर वेद प्रकाश पांडेय और चौकी प्रभारी कुंवर मनोज सिंह पुलिस बल के साथ मौजूद हैं। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड भी जांच पड़ताल में जुटी है। एसडीएम अजीत कुमार सीओ अमर बहादुर व एसएचओ वेदप्रकाश पांडेय ने स्वजनों को समझाने का प्रयास करते रहे।

स्वजन आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं। कमलेश तीन भाइयों में सबसे छोटा था। करीब एक साल पहले उसके 5 वर्षीय पुत्र शिवम का शव भी गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था, लेकिन तब पोस्टमार्टम नहीं कराया गया था।यह घटना दुबार कला की वैसान बस्ती के पास हुई है, जहां आईएएस पुष्पराज सिंह और एक सैन्य अधिकारी का भी घर है। गांव के लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, इस घटना से गांव में तनाव का माहौल है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश पांडे ने बताया कि युवक का शव मिला है जिसकी जांच की जा रही है मौत का स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा। सीओ अमर बहादुर ने बताया कि स्वजन द्वारा युवक की हत्या का आरोप लगाया गया है जिसकी जांच कराई जा रही है पीएम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट पता चल पाएगा। स्वजन द्वारा तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

आठ अगस्त से लापता युवक का शव मिलने से सनसनी, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

भदोही। दुर्गागंज थाना क्षेत्र के वीरापुर गांव में आठ अगस्त से लापता 18 वर्षीय रजनीश उर्फ लाला का शव मंगलवार को घर के समीप तालाब के पास पेड़ से लटका मिला। शव मिलने की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार रजनीश आठ अगस्त से लापता था। काफी तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चला तो पुलिस को तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे उसकी बहन अर्चना तालाब की ओर गई थी, जहां उसने रजनेश का शव देखा। इसके बाद उसने परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने युवक की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। मृतक के पिता विजय भान गौतम ने बेटे के एक लड़की से पुराने विवाद का जिक्र करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिवार ने गांव में पुरानी रंजिश की बात भी पुलिस के सामने रखी है। हालांकि इन आरोपों की पुलिस स्तर से अभी पुष्टि नहीं हुई है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि युवक की गुमशुदगी दर्ज की गई थी। मंगलवार को उसका शव बरामद हुआ है।

अश्लील हरकतों की शिकायत लेकर थाने पहुंची कंटेंट क्रिएटर से दुर्व्यवहार, दारोगा निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। अश्लील हरकतों की शिकायत लेकर थाने पहुंची एक कंटेंट क्रिएटर को कथित तौर पर अपमानित कर थाने से भगा देने के मामले में पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने कड़ी कार्रवाई की है। मामले से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एसपी ने प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए वरिष्ठ उपनिरीक्षक श्याम नारायण यादव को निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 9 अगस्त 2026 को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के प्रकरण का संज्ञान लेते हुए वादिनी की तहरीर पर थाना ज्ञानपुर में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। बताया जा रहा है कि कंटेंट क्रिएटर अश्लील हरकतों की शिकायत लेकर थाने पहुंची थी। आरोप है कि वहां मौजूद दारोगा ने उसके साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और उसे अपमानित कर थाने से भगा दिया। घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला पुलिस के उच्चाधिकारियों तक पहुंचा। पुलिस द्वारा वायरल वीडियो में सामने आए तथ्यों को संज्ञान में लेते हुए वरिष्ठ उपनिरीक्षक श्याम नारायण यादव को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक भदोही को मामले की विभागीय जांच सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है। विभागीय जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वीडियो वायरल होने के बाद एसपी अभिनव त्यागी ने की कार्रवाई, विभागीय जांच के आदेश

अरैल घाट पर श्रावण मास में रुद्राभिषेक का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। प्रयागराज के पावन श्रावण मास के अवसर पर नैनी अरैल घाट स्थित संगम तट पर भगवान भोलेनाथ की विशेष कृपा प्राप्ति एवं जनकल्याण की भावना से प्रतिदिन नित्य रुद्राभिषेक एवं शिव आराधना का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक अनुष्ठान प्रतिदिन सायं 5 बजे से श्रावण पूर्णिमा तक लगातार एक माह संचालित होगा। आयोजन स्थल बाढ़ नियंत्रण कक्ष के नीचे, परमार्थ निकेतन के समीप संगम तट पर स्थित है, जहां प्रतिदिन मां गंगा की आरती भी संपन्न होती है। आयोजन के माध्यम से श्रद्धालु भगवान आशुतोष का अभिषेक कर अपने परिवार की सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगल की कामना कर सकेंगे। आयोजकों द्वारा समस्त श्रद्धालुजनों से आग्रह किया गया है कि वे अपने परिवार, इष्ट-मित्रों एवं संबंधियों सहित इस पावन धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें। कार्यक्रम के आमंत्रक एस्ट्रोलॉजर ब्रह्मऋषि, ज्योतिषाचार्य एवं यज्ञ-अनुष्ठान विशेषज्ञ ने बताया कि संगम की पवित्र धरती पर मां गंगा की साक्षी में होने वाला यह रुद्राभिषेक आध्यात्मिक ऊर्जा एवं लोककल्याण का अद्भुत संगम है। उन्होंने सभी शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भगवान शिव की आराधना में सहभागी बनने की अपील की है। नित्य रुद्राभिषेक एवं शिव आराधना कार्यक्रम का आमंत्रण देते एस्ट्रोलॉजर ब्रह्मऋषि आलोकपुरी जी महाराज।

उर्जा राजधानी को उर्जावान अधिकारी मिलना किसानो के हित में- योगेन्द्रपाल सिंह

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सोनभद्र संजय कुमार वर्मा ने मंगलवार को संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक विन्ध्याचल मंडल योगेन्द्रपाल सिंह से शिष्टाचार भेंट की और पुष्प गुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। संयुक्त आयुक्त ने सहायक आयुक्त का स्वागत करते हुए कहा कि उर्जा की राजधानी सोनभद्र मे संजय वर्मा जैसे उर्जावान अधिकारी की नियुक्ति एक शुभ संकेत है तथा मुझे विश्वास है कि विभाग और किसानों के हित मे इसके सकारात्मक परिणाम होंगे।सहायक आयुक्त ने जनपद सोनभद्र मे चल रही योजनाओ की अद्यतन प्रगति से संयुक्त आयुक्त को अवगत कराया। इस अवसर पर आलोक, दिव्यांशु सिंह, दीपक सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति! गदहिया नदी पुलिया के पास फिर धंसी सड़क

धसड़ा राजा-बरौंधा मार्ग पर आवागमन में संकट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज मीरजापुर। लालगंज धसड़ा राजा से बरौंधा बाजार को जोड़ने वाली एकमात्र मुख्य सड़क एक बार फिर बदहाल हो गई है। गदहिया नदी के पास स्थित पुलिया के समीप सड़क का हिस्सा धंस जाने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ समय पूर्व भारी बारिश के कारण पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके बाद मरम्मत कार्य कराया गया, लेकिन ठेकेदार ने सड़क को पूरी तरह दुरुस्त करने के बजाय केवल खानापूर्ति कर काम छोड़ दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया के पास लगभग एक मीटर हिस्सा अधूरा छोड़ दिया गया था। कई बार शिकायत और अनुरोध के बावजूद ठेकेदार ने सड़क को मानक के

अनुसार नहीं बनाया और कार्य अधूरा छोड़कर चला गया। परिणामस्वरूप हाल की बारिश में वही हिस्सा फिर से कट गया और सड़क के किनारे गहरी दरारें व गड्ढे बन गए हैं। तस्वीरों में भी स्पष्ट देखा जा सकता है कि पुलिया के एप्रोच मार्ग का हिस्सा उखड़ चुका है तथा किनारे से मिट्टी का कटाव होने लगा है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

यह सड़क धसड़ा राजा, बरौंधा सहित कई गांवों के लोगों के लिए बाजार, विद्यालय, अस्पताल और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने का प्रमुख मार्ग है। सड़क खराब होने से किसानों, विद्यार्थियों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की जांच कर दोषी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि समय रहते सड़क की गुणवत्ता पूर्ण मरम्मत नहीं कराई गई तो क्षेत्र के लोग आंदोलन करने को मजबूर होंगे। लोगों ने प्रशासन से तत्काल संज्ञान लेकर मार्ग को सुरक्षित एवं स्थायी रूप से दुरुस्त कराने की मांग की है।

हर घर तिरंगा अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने का सीडीओ ने किया आह्वान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। विकास भवन सभागार में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर संबंधित विभागों एवं बैंकिंग संस्थाओं के अधिकारियों की बैठक हुई। अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने की। बैठक में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। 40 प्रतिशत से कम प्रगति वाली बैंक शाखाओं पर सीडीओ ने नाराजगी जताते हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से अधिक से अधिक जोड़ने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर किसानों को पात्रता, प्रीमियम, बीमा कवरेज और दावा प्रक्रिया की सरल जानकारी उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। सीडीओ ने कहा कि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए विभागों और बैंकिंग संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।

बैठक में 'हर घर तिरंगा' अभियान पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हाथ में तिरंगा लेकर राष्ट्रभक्ति और जनभागीदारी का संदेश दिया। सीडीओ ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आमजन, युवाओं, स्वयं सहायता समूहों, किसानों, उद्यमियों और विभिन्न संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार गुप्ता, सभी बैंकों के जिला समन्वयक, सहायक उपायुक्त उद्योग अभिषेक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, बैंकिंग संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, मंदिरों और कांवड़ मार्गों पर तैनात रहेगा पुलिस बल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। श्रावण मास की महाशिवरात्रि के मद्देनजर कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भदोही पुलिस ने व्यापक तैयारियां की हैं। प्रमुख शिव मंदिरों, गंगा घाटों और कांवड़ यात्रा मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के साथ यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रखने के इंतजाम किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में मंगलवार को अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल और क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर चमन सिंह चावड़ा ने संयुक्त रूप से सेमराधनाथ मंदिर, कोईरौना क्षेत्र एवं गंगा घाट का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने मौके पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को भी चेक किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, सतर्कता और यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही कांवड़ यात्रियों के आवागमन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न होने देने के निर्देश दिए गए। पुलिस के अनुसार जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में प्रमुख शिव मंदिरों, गंगा घाटों और कांवड़ यात्रा मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम आवागमन के लिए यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित किया गया है। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की जा रही है।

चोरी का खुलासा, शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चोरी की घटनाओं के सफल अनावरण एवं अपराध तथा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक चोपन के कुशल नेतृत्व में थाना चोपन पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। (थाना चोपन पुलिस द्वारा दिनांक 10.08.2026 को मुखबिर की सूचना पर डाला चढ़ाई के पास मेन रोड से अभियुक्त संतलाल पुत्र स्व0 गनेश, निवासी बरवसपुर, थाना प्रतापपुर, जनपद सूरजपुर, छत्तीसगढ़, उम्र करीब 30 वर्ष को समय करीब 18:22 बजे गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से थाना चोपन पर पंजीकृत मु0अ0सं0-305/ 2026, धारा 303(2) बीएनएस से संबंधित चोरी की 01 अदद मोटरसाइकिल सुपर स्प्लेंडर संख्या UP64AJ 9611 बरामद की गई। पूछताछ में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि उसने उक्त मोटरसाइकिल को बारी, डाला, चोपन में एक घर के सामने से दिनांक 08.08.2026 की रात्रि में चोरी किया था। अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं चोरी की मोटरसाइकिल की बरामदगी के आधार पर अग्रेतर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 घनश्याम तिवारी, चौकी प्रभारी डाला।

आदिवासी बाहुल्य सोनभद्र के लिए वरदान बनी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- आदिवासी बाहुल्य जनपद सोनभद्र में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सहारा बन रही है। योजना के माध्यम से ऐसे परिवारों की बेटियों का विवाह सरकार की मदद से संपन्न कराया जा रहा है, जिनके सामने आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण विवाह का खर्च उठाना चुनौती बना हुआ था। योजना के तहत अब तक जनपद में 9827 बेटियों का विवाह कराया जा चुका है। सरकार ने इन बेटियों के विवाह पर लगभग 55 करोड़ 22 लाख रुपए खर्च किए हैं। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना है। योजना के तहत पात्र परिवारों की बेटियों का सामूहिक रूप से विवाह कराया जाता है। इससे परिवारों पर विवाह के खर्च का आर्थिक बोझ कम होता है और जरूरतमंद परिवार सम्मानपूर्वक अपनी बेटियों का विवाह कर पाते हैं। उन्होंने बताया कि सोनभद्र जैसे आदिवासी एवं ग्रामीण बहुल जनपद में इस योजना का विशेष महत्व है। दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवार योजना का लाभ लेकर अपनी बेटियों का विवाह संपन्न करा रहे हैं। योजना के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को शासन की निर्धारित व्यवस्था के अनुसार आर्थिक सहायता एवं विवाह से संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 में 250 बेटियों का विवाह संपन्न कराया जा चुका है, जबकि लक्ष्य 740 है। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिल रही है। योजना न केवल बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग दे रही है, बल्कि जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सम्मान के साथ अपनी बेटियों का घर बसाने का अवसर भी प्रदान कर रही है।

आदिवासी बाहुल्य सोनभद्र के लिए वरदान बनी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- मंगलवार दिनांक 11.08.2026 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। पुलिस अधीक्षक महोदय ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हर घर तिरंगा अभियान में रॉबर्ट्सगंज में निकली तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत मंगलवार को जनपद सोनभद्र में देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना से ओत-प्रोत भव्य तिरंगा यात्रा रैली का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, जनपद स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनमानस ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा तहसील परिसर रॉबर्ट्सगंज से प्रारंभ होकर बढ़ौली चौराहा तक निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए। भारत माता की जय, वंदे मातरम् सहित देशभक्ति के नारों से पूरा मार्ग गूंजता रहा। देशभक्ति गीतों और राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत नारों ने पूरे वातावरण को जोश एवं उत्साह से भर दिया।

तिरंगा यात्रा में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी सहित जनपद स्तरीय अधिकारियों ने सहभागिता की। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश कुमार, जिला विकास अधिकारी हेमंत कुमार सिंह,

जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, डीसी मनरेगा रविंद्र सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पांडेय तथा अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं एवं आमजन के साथ हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में प्रतिभाग किया और नागरिकों को राष्ट्रध्वज के सम्मान तथा राष्ट्रप्रेम की भावना से जुड़ने का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही। विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं उमंग देखने को मिली। तिरंगा यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् तथा देशभक्ति के अन्य नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। देशभक्ति गीतों से वातावरण पूरी तरह राष्ट्रप्रेम की भावना से सराबोर रहा। मार्ग में आम नागरिकों ने भी तिरंगा यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया और अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। हर घर तिरंगा अभियान-2026 का उद्देश्य जन-जन में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को मजबूत करना तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय एकता के भाव से जोड़ना है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों को अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र को भी तिरंगे के रंग में सजाया गया, जिससे पूरा नगर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा सजावट और यात्रा में लहराते राष्ट्रीय ध्वज ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया। तिरंगा यात्रा ने जनपद में स्वतंत्रता दिवस के उत्सव के माहौल को और अधिक उत्साहपूर्ण बना दिया। चारों ओर लहराते तिरंगे, देशभक्ति के गीत और भारत माता के जयघोष से रॉबर्ट्सगंज नगर राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।

संक्षिप्त खबरें

15 अगस्त को जिले में शराब व मादक पदार्थों की बिक्री रहेगी पूर्णतया बंद

प्रतापगढ़। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोकशान्ति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट अभिषेक पाण्डेय ने जनपद में संचालित सभी आबकारी अनुज्ञापनों से मदिरा एवं मादक पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। उन्होंने बताया है कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनपद प्रतापगढ़ में सभी आबकारी अनुज्ञापन पूर्णतया बंद रहेंगे। इस दौरान देशी शराब, कम्पोजिट शॉप (विदेशी मदिरा एवं बीयर), मॉडल शॉप, भांग, बार, एफएल-17, सीएल-2, एफएल-2 तथा एफएल-2बी आदि अनुज्ञापनों से मदिरा एवं मादक पदार्थों की बिक्री अनुज्ञापन शर्तों के अधीन पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगी। उक्त बंदी के लिए संबंधित अनुज्ञापियों को कोई प्रतिफल शुल्क देय नहीं होगा।

सांप के काटने पर समय पर अस्पताल पहुंचना ही बचाव का सबसे सही उपाय-एडीएम

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी (वि0/रा0)/मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आदित्य प्रजापति ने सर्पदंश की स्थिति में सावधानी संबंधी एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में कहा गया है कि सर्पदंश होने पर पीड़ित को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं।एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी0) ही सर्पदंश का प्रभावी उपचार है। काटे गए अंग को कम से कम हिलाएं और संभव हो तो स्थिर रखें।एडवाइजरी में बताया गया है कि काटे गए अंग को साफ पानी और साबुन से धोया जा सकता है। पीड़ित को सीधे अस्पताल ले जाएं और यदि संभव हो तो सांप का रंग अथवा आकार याद रखें, लेकिन सांप को पकड़ने की कोशिश बिल्कुल न करें। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सर्पदंश की स्थिति में जहर चूसने, चीरा लगाने, कसकर रस्सी या पट्टी बांधने तथा झाड़-फूंक या देसी इलाज में समय गंवाने से बचें। आपात स्थिति में एम्बुलेंस के लिए 108/102, आपातकालीन सहायता के लिए 112 तथा अन्य आवश्यक सहायता के लिए 1077 पर संपर्क किया जा सकता है।

21 से 23 अगस्त तक आयोजित होगी विशेष लोक अदालत

अम्बेडकरनगर। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार दिनांक 21, 22, 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। सर्वोच्च न्यायालय में लंबित ऐसे वाद जिनका सौहार्दपूर्ण निस्तारण सम्भव है के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत के क्रम में सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा प्रत्येक जनपद में कुछ ऐसे वाद जिन्हे सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारित करवाया जा सकता है को मध्यस्थता प्रक्रिया हेतु प्रेषित किया गया है। यह उल्लेखनीय है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बेडकरनगर को सर्वोच्च न्यायालय से लम्बित 06 वाद मध्यस्थता प्रक्रिया के माध्यम से सुलह समझौता निस्तारित करवाने हेतु प्राप्त हुये जिनमें से 01 वाद में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बेडकरनगर द्वारा सफल निस्तारण करवा लिया गया है तथा अन्य में सुलह वार्ता जारी है। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर के निर्देशानुसार जनपद के समस्त आमजन से अपील की जा रही है कि आप अपने ऐसे वाद जो सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं और सुलह समझौता के माध्यम से निस्तारित होने योग्य है।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने जिला समन्वयक के कार्यों से नाराज होकर विधायक को ज्ञापन सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ स्थित विधायक आवास पर मंगलवार को पहुंचे राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारियों व शिक्षकों ने जिला समन्वयक द्वारा विद्यालय निरीक्षण के समय शिक्षकों के साथ किये गये दुर्व्यवहार को लेकर संगठन के जिला कोषाध्यक्ष अभय कुमार सिंह व ब्लॉक शोहरतगढ़ अध्यक्ष संजीव कुमार के अगुवाई में विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा को ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ब्लॉक कार्यकारिणी शोहरतगढ़ ने आवाज उठाते हुये कहा कि संविदा कर्मी जिला समन्वयक संदीप कुमार द्वारा पिछले दिनों ब्लॉक शोहरतगढ़ के विद्यालयों में निरीक्षण के समय शिक्षकों से दुर्व्यवहार करने, अमर्यादित भाषा बोलने, मूल कार्य से हटकर धन उगाही का आरोप लगाया।

महासंघ ने मामले को लेकर विधानसभा क्षेत्र के विधायक को ज्ञापन पत्र सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। विधायक ने बीएसए से दूरभाष पर वार्ता कर संविदा कर्मी जिला समन्वयक के कार्यों की जांचकर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस दौरान जिला कोषाध्यक्ष अभय कुमार सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष संजीव कुमार, राकेश राज, यशवंत चौहान, दधीचि कुमार, राजीवधर द्विवेदी, पृथ्वी पाल भारती, अंचल द्विवेदी, नेतराम, राजेन्द्र, मनोज कुमार, देवेश पाठक, मानसिंह, राम अभिलाष सिंह, आनन्द प्रसाद, रामानंद पाण्डेय, समेत संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं शिक्षक मौजूद रहे।

संविदा कर्मियों के द्वारा विद्यालय निरीक्षण के दौरान दुर्व्यवहार पर संघ ने जताया नाराजगी, न्याय के लिये महासंघ ने उठाई आवाज

घर का ताला तोड़कर लाखों के जेवर चोरी, अज्ञात चोरों के खिलाफ दी गई तहरीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। कोतवाली महराजगंज क्षेत्र के नरायनपुर मजरे मोन गांव में चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर बक्से का ताला तोड़ दिया और उसमें रखे सोने-चांदी के लाखों रुपये कीमत के जेवरात चोरी कर लिए। पीड़ित ने घटना की सूचना डायल 112 पर देने के साथ ही कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। नरायनपुर मजरे मोन निवासी रामसागर पुत्र रामप्रसाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 10 अगस्त की रात करीब 10 बजे परिवार के साथ भोजन करने के बाद घर के प्रथम तल पर सो गए थे। 11 अगस्त की सुबह परिवार के लोग गांव के अंदर स्थित दूसरे मकान पर चले गए। दोपहर करीब 12 बजे जब वह वापस अपने घर पहुंचे तो दूसरे तल पर रखे बक्से का ताला टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था।

पीड़ित के मुताबिक बक्से में रखे सोने की एक जोड़ी झुमकी, मंगलसूत्र तथा चांदी की हाफ पेटी, पायजेब और पायल समेत लाखों रुपये कीमत के जेवरात गायब थे। पीड़ित ने घटना की सूचना तत्काल डायल 112 को दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी महराजगंज जगदीश यादव ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली है। तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और चोरी की घटना का जल्द खुलासा करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

कृषि विज्ञान केन्द्र पांती में कृषकों दिया जाएगा एक दिवसीय प्रशिक्षण

अम्बेडकरनगर। जिला उद्यान अधिकारी अम्बेडकरनगर द्वारा अवगत कराया गया कि उद्यान विभाग द्वारा संचालित 'पर ड्राप मोर क्रॉप' माइक्रोइरीगेशन योजना वर्ष 2026-27 अन्तर्गत दिनांक 14.08.2026 को पूर्वाहन 11:00 बजे कृषि विज्ञान केन्द्र,' पांती पर 01 दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिसमें औद्यानिकी एवं योजना में रूचि रखने वाले इच्छुक कृषकों को वैज्ञानिक सिंचाई पद्धतियों यथा-ड्रिप सिंचाई, मिनी स्प्रिंकलर, पोर्टेबल स्प्रिंकलर से संबंधित सिंचाई संयंत्रो/विषयों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिसमें वैज्ञानिकों / विशेषज्ञों द्वारा दक्ष किए जायेगें। जिला उद्यान अधिकारी के ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंच कर प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने हेतु कृषकों से अपील किया है।

बढ़नी में विधायक की अगुवाई में तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी में मंगलवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत पीडब्ल्यूडी डाक बंगला बढ़नी से नेपाल सीमा तक तिरंगा पदयात्रा निकाली गई।शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा के नेतृत्व में डाक बंगले से शुरू हुई तिरंगा यात्रा में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, शोहरतगढ़ एसडीएम राजेश कुमार,शोहरतगढ़ बीडीओ संजय कुमार समेत कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल हुए।पदयात्रा में बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, स्कूली बच्चे और समाजसेवी हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए। यात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान बच्चों ने देशभक्ति के नारे लगाए, जिससे पूरा माहौल राष्ट्रभक्ति से सराबोर नजर आया।बढ़नी क्षेत्र के बरसाती यादव इंटर कालेज, आर्यकन्या उमा विद्यालय आदि स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ पदयात्रा में हिस्सा लिया। तिरंगा हाथों में लिए बच्चों का कारवां शहर की सड़कों से गुजरा तो लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। तिरंगा यात्रा नगर पंचायत के विभिन्न मोहल्लों से होते हुए नेपाल सीमा तक पहुंची। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। समाजसेवियों और आम नागरिकों ने भी इसमें शामिल होकर देश के प्रति एकजुटता और सम्मान का संदेश दिया। पदयात्रा के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर हर नागरिक अपने घर पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराए और राष्ट्रीय पर्व को उत्साह के साथ मनाए।

इस दौरान इस दौरान तिंरगा पदयात्रा में विधायक विनय वर्मा, डीएम शिवशरणप्पा जीएन,डीआईओएस अरुण कुमार एसडीएम राजेश कुमार, तहसीलदार प्रकाश सिंह, बीडीओ बढ़नी अनिशि मणि पाण्डेय, बीईओ शोहरतगढ़ संजय कुमार व अरुण कुमार, सीडीपीओ रविन्द्र यादव, ढेबरुआ थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद व उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला महामंत्री योगेंद्र पाण्डेय, जिला प्रचार मंत्री मुस्तन शेरुल्लाह, ब्लाक अध्यक्ष लालजी यादव, राकेश राज, अवधेश सिंह,डां आशुतोष सिंह, रामानंद पाण्डेय, अमरेश कुमार, ब्रहमप्रकाश, मनमोहन, राकेश, अविनाश गौड़, हाजरा खातून, अंजलि वर्मा, विनीता मिश्रा, अम्ब्रेश श्रीवास्तव, अभिषेक मिश्रा, आशुतोष मिश्रा, निसार अहमद, सुशील कुमार, रामाश्रय लाल, उ0प्र0 प्रा0 शि0संघ जिलाध्यक्ष देवेन्द्र यादव,हरिनारायण शुक्ला, अरविन्द वर्मा, दिवाकर कान्त मिश्रा, गणेश मिश्रा, नीरज सोनकर, अजय गौड़ सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं और क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

एक जनपद एक व्यंजन' योजना को लेकर कार्यशाला आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग एवं खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा एक जनपद एक व्यंजन (ODOC) योजना के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जनपद में चिन्हित पारंपरिक एवं स्थानीय व्यंजनों के समग्र विकास, उत्पादन को बढ़ावा देने, उद्यमियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने तथा इनके विपणन एवं ब्रांडिंग को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यशाला में उपायुक्त उद्योग द्वारा बताया गया कि एक जनपद एक व्यंजन (ODC) योजना के अंतर्गत जनपद अम्बेडकरनगर के लिए बालूशाही, चाट, खजला एवं लाल गन्ने की गोटी को चिन्हित किया गया है। योजना के तहत उत्पादन, सेवा एवं व्यापार श्रेणी के पात्र उद्यमियों/इकाइयों को नियमानुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

वित्तीय सहायता का प्राविधान—

25 लाख रुपये तक की कुल परियोजना लागत पर अधिकतम 25 प्रतिशत अनुदान देय होगा।

25 लाख रुपये से अधिक एवं 50 लाख रुपये तक की परियोजना लागत पर अधिकतम 20 प्रतिशत अनुदान देय होगा।

50 लाख रुपये से अधिक एवं 5 करोड़ रुपये तक की परियोजना लागत वाली इकाइयों को 10 प्रतिशत अथवा 50 लाख रुपये, जो भी कम हो, अनुदान के रूप में दिए जाने का प्राविधान है। इसके अतिरिक्त योजना के अंतर्गत उद्यमियों को उत्पादों के विपणन एवं प्रचार-प्रसार के लिए प्रदेश में आयोजित स्थानीय मेलों, राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों एवं प्रदर्शनियों तथा प्रदेश के बाहर एवं विदेशों में आयोजित व्यापार मेलों में नियमानुसार अनुदान/विपणन सहायता उपलब्ध कराने का प्राविधान किया गया है। कार्यशाला में एक्सपर्ट द्वारा उद्यमियों को पैकेजिंग, GMP, GHP, पंजीकरण प्रक्रिया एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता एवं सुरक्षित पैकेजिंग के साथ-साथ आवश्यक पंजीकरण एवं मानकों के अनुपालन के महत्व पर प्रकाश डाला। जिलाधिकारी ने उद्यमियों को एक जनपद एक उत्पाद (ODOP) योजना की तर्ज पर संचालित एक जनपद एक व्यंजन (ODOC) योजना की विशेषताओं एवं प्राविधानों की जानकारी देते हुए पात्र उद्यमियों से योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय व्यंजनों को प्रोत्साहन मिलने से न केवल पारंपरिक उत्पादों को नई पहचान मिलेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

डिंडई में भाजपाइयों ने निकाली तिरंगा यात्रा: देशभक्ति गीतों और नारों से गूंजा बाजार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांसी (सिद्धार्थनगर)। भारतीय जनता पार्टी मिठवल मंडल के तत्वावधान में मंगलवार को डिंडई चौराहे पर स्थित भाजपा कार्यालय से डिंडई बाजार तक मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डुमरियागंज राघवेन्द्र प्रताप सिंह की अगुवाई में हर घर तिरंगा पदयात्रा निकाली गई। मिठवल मंडल अध्यक्ष श्रवण चौधरी की अध्यक्षता में निकली तिरंगा यात्रा में हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने देशभक्ति के नारों के साथ पदयात्रा में सहभागिता की। तिरंगा यात्रा में पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश धर द्विवेदी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि भनवापुर लवकुश ओझा, नगर पंचायत भारतभारी के चेयरमैन चंद्र प्रकाश चौधरी, सुशील मिश्रा, वीरेंद्र राव, राजेंद्र त्रिपाठी, गिरधारी सैनी, दिलीप चौरसिया, शशिकांत मिश्रा, रिंकू पाठक, सूरज शुक्ला और सुनील अग्रहरि, राम आसरे गुप्ता, हीरालाल गौड़, दिनेश चौधरी, परमात्मा चौधरी, गुल्ली गौंड घमालु चौधरी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

पदयात्रा के बाद पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। हर भारतीय के मन में राष्ट्र के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना होनी चाहिए। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करना तथा युवाओं को देश के प्रति अपने कर्तव्यों के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ता भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयकारे लगाते रहे।

पुनीत आईटीआई सलेम भदारी में 13 अगस्त को रोजगार मेला

प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय प्रतापगढ़ द्वारा जनपद के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार 13 अगस्त को पूर्वान्ह 10 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला पुनीत प्राइवेट आईटीआई सलेम भदारी लालगंज अझारा परिसर में आयोजित होगा। उन्होने बताया है कि रोजगार मेले में विभिन्न निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा अलग-अलग पदों पर बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए गए पदों में ऑपरेटर, मशीन ऑपरेटर, हेल्थकेयर, ट्रेनी, आपरेटर असिस्टेन्ट, बेलनेस एडवाइजर एवं वेयरहाउस एसोसिएट आदि शामिल हैं। शैक्षिक योग्यता के अनुसार हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई, डिप्लोमा एवं स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को रोजगार का अवसर मिलेगा। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनियों की नियम एवं शर्तो के अनुसार रहना, खाना, मेडिकल, परिवहन, बोनस तथा पीएफ जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जाएगी। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in./ncs.gov.in पर ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। अभ्यर्थी मेले में अपने साथ शैक्षिक प्रमाण-पत्र, सीवी एवं पासपोर्ट साइज फोटो सहित आवश्यक दस्तावेज लेकर उपस्थित हो सकते हैं।

पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप, एसडीएम चंद्रप्रकाश गौतम से लगाई न्याय की गुहार

महराजगंज/रायबरेली। कस्बे के गांधी नगर अटरेहटा निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र शिवदत्त ने अपनी पुश्तैनी भूमि पर कथित अवैध हस्तक्षेप और कब्जे के प्रयास का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी चंद्रप्रकाश गौतम को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। शिकायती पत्र में राजेंद्र कुमार ने बताया कि गांधी नगर टाउन एरिया के वार्ड में स्थित पुश्तैनी भूमि पर वह लंबे समय से काबिज हैं। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले अनिल कुमार पुत्र मानिक चंद्र द्वारा उक्त भूमि पर जबरन अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। पीड़ित का आरोप है कि उसकी भूमि में जानवरों का गोबर और कूड़ा-कचरा भी फेंका जा रहा है, जिससे उसे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राजेंद्र कुमार ने बताया कि वह अपनी पुश्तैनी भूमि पर हनुमान जी की मूर्ति स्थापित करना चाहते हैं। पीड़ित ने एसडीएम चंद्रप्रकाश गौतम से मामले की जांच कराकर पुश्तैनी भूमि में किए जा रहे कथित अवैध हस्तक्षेप पर रोक लगाने तथा गोबर-कचरा फेंकने से रोकने की कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सुल्तानपुर में 48 आंगनवाड़ी केंद्रों पर बर्तन नहीं 37 भवन अधूरे, DM ने दिए सुधार के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर में जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। मंगलवार शाम कलेक्ट्रेट के नवीन सभागार में हुई इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित संबंधित विभागीय अधिकारी और बाल विकास परियोजना अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान 48 आंगनवाड़ी केंद्रों पर बर्तन उपलब्ध न होने का मामला सामने आया। इस पर जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी को एक समिति बनाकर अगली बैठक से पहले बर्तनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, 37 आंगनवाड़ी केंद्रों के भवन निर्माण अपूर्ण पाए गए। जिलाधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अगली बैठक में सभी भवनों को पूर्ण कराकर फोटो सहित अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

जल जीवन मिशन के तहत 845 आंगनवाड़ी केंद्रों पर पानी की आपूर्ति न होने पर भी जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने इसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही, 252 आंगनवाड़ी केंद्रों पर विद्युत कनेक्शन नहीं होने का मुद्दा भी उठा। विद्युत विभाग द्वारा 41 केंद्रों का आगणन उपलब्ध कराया गया है, जबकि शेष केंद्रों का आगणन एक सप्ताह में पूरा करने को कहा गया है।

जनपद में जुलाई 2026 से सितंबर 2026 तक चलने वाले 'संभव 6.0' अभियान की भी समीक्षा की गई। इसमें पाया गया कि प्रदेश रैंकिंग में जनपद 10वें स्थान पर है। सैम (गंभीर तीव्र कुपोषण) बच्चों के फॉलोअप, गर्भवती महिलाओं की चौथी जांच और वजन, सैम बच्चों के ई-कवच पोर्टल पर फॉलोअप तथा 6 दवाओं के वितरण जैसे लक्ष्यों को पूरा नहीं किया जा सका है। जिलाधिकारी ने इन लक्ष्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

डीएम की अध्यक्षता में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर बैठक

रायबरेली- जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में संचालित विभिन्न विद्यालयों के संचालकों के साथ स्कूली बच्चों की सुरक्षा एवं सुरक्षित परिवहन व्यवस्था के दृष्टिगत महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विद्यालयों में संचालित स्कूली वाहनों की स्थिति, वाहनों की फिटनेस, अभिलेखों की उपलब्धता तथा चालक-परिचालकों के सत्यापन एवं स्वास्थ्य परीक्षण सहित बच्चों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बिना फिटनेस तथा पूर्ण अभिलेखों के किसी भी स्कूली वाहन का संचालन न होने दिया जाए। विद्यालय प्रबंधन यह सुनिश्चित करें कि उनके विद्यालय में बच्चों के परिवहन के लिए संचालित प्रत्येक वाहन निर्धारित मानकों एवं नियमों का पालन करता हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ाई से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि स्कूली वाहनों के चालक एवं परिचालक का पुलिस विभाग से चरित्र सत्यापन कराया जाए तथा उनका स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से कराया जाए। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान विशेष रूप से नेत्र परीक्षण (आई चेकअप) पर ध्यान दिया जाए, ताकि बच्चों को विद्यालय तक लाने-ले जाने वाले चालक पूर्ण रूप से स्वस्थ एवं वाहन संचालन के लिए सक्षम हों। जिलाधिकारी ने विद्यालय संचालकों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षित आवाजाही को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। अभिभावकों को भी जागरूक किया जाए कि वे बच्चों को अनाधिकृत अथवा असुरक्षित निजी वाहनों से विद्यालय न भेजें। इसके लिए विद्यालय संचालकों एवं अभिभावकों के बीच जागरूकता कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए गए, जिसमें स्कूली बच्चों की सुरक्षित परिवहन व्यवस्था, यातायात नियमों तथा अभिभावकों की जिम्मेदारियों के संबंध में जानकारी दी जाए। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बिना पंजीकरण अथवा अनधिकृत प्राइवेट वाहन से बच्चों को विद्यालय न भेजें। साथ ही, नाबालिग बच्चों को किसी भी दशा में वाहन चलाकर विद्यालय जाने की अनुमति न दें। जिलाधिकारी ने विद्यालय संचालकों को निर्देशित किया कि यदि कोई नाबालिग बच्चा स्वयं वाहन चलाकर विद्यालय आता है तो विद्यालय परिसर में उस वाहन को पार्क न कराया जाए तथा संबंधित अभिभावक को इसकी जानकारी देते हुए आवश्यक रूप से जागरूक किया जाए। बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन द्वारा ई-रिक्शा से बच्चों को विद्यालय ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। विद्यालय प्रबंधन यह सुनिश्चित करें कि बच्चों के आवागमन के लिए असुरक्षित एवं नियमविरुद्ध साधनों का प्रयोग न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा केवल प्रशासन या विद्यालय की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों एवं समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी संबंधित पक्ष निर्धारित सुरक्षा मानकों एवं यातायात नियमों का पूरी गंभीरता से पालन करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्कूली वाहनों की नियमित जांच एवं प्रवर्तन कार्रवाई के साथ-साथ विद्यालयों और अभिभावकों के मध्य निरंतर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएं। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) सहदेव मिश्र, एआरटीओ (प्रशासन) अरविंद कुमार, एआरटीओ (प्रवर्तन) उमेश चन्द्र कटियार, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह सहित विभिन्न विद्यालयों के संचालक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पाटीदारों के विवाद के बाद घायल अधेड़ की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांसी (सिद्धार्थनगर)। खेसरहा थाना क्षेत्र के धमौरा गांव में पाटीदारों के बीच हुए विवाद में घायल अधेड़ की करीब एक सप्ताह बाद सोमवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने से इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि करीब एक सप्ताह पूर्व जगमोहन उर्फ पुल्ली (50) पुत्र राम गुलाम का अपने पट्टीदारों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के दौरान जगमोहन, उनकी पत्नी और बेटी को चोटें आई थीं। तीनों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा में कराया गया था। बाद में ग्रामीणों के हस्तक्षेप से दोनों पक्षों के बीच सुलह-समझौता हो गया था। परिजनों के मुताबिक, 3 अगस्त 2026 को भी किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। सोमवार देर रात करीब 12 बजे जगमोहन की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुधौली, बस्ती लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जगमोहन की मौत को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मृतक की दो बेटियां उर्मिला और निर्मला विवाहित हैं, जबकि दो बेटे सचिन और श्रवण घर पर रहते हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में खेसरहा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व हुई मारपीट के संबंध में थाने पर कोई सूचना नहीं है और न ही मृतक की मौत की जानकारी पुलिस को दी गई है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शारदा सहायक खंड-51 प्रतापगढ़ में निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी

प्रतापगढ़। अधिशासी अभियन्ता शारदा सहायक खण्ड-51 आशुतोष सारस्वत ने शारदा सहायक संगठन के अंतर्गत शारदा सहायक खंड-51 प्रतापगढ़ में पीआईएम एक्ट के तहत जल उपभोक्ता समितियों/कुलाबा समितियों के निर्वाचन के लिए निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण का कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। निर्वाचन नामावलियों का आलेख (अनन्तिम) प्रकाशन एवं निरीक्षण कल 11 अगस्त को कार्यालय शारदा सहायक खंड-51 प्रतापगढ़ तथा पिम प्रकोष्ठ में कर दिया गया है। उन्होने बताया है कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावली में दावे एवं आपत्तियां 11 अगस्त से 22 अगस्त तक दाखिल की जा सकेंगी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 24 अगस्त से 29 अगस्त तक किया जाएगा। इसके बाद निर्वाचक नामावली की पूरक सूचियों की तैयारी एवं छपाई 31 अगस्त से 01 सितंबर तक की जाएगी। निर्वाचन नामावली का जन-सामान्य के लिए अंतिम प्रकाशन 05 सितंबर को किया जाएगा।

हत्या के चार दोषियों को उम्रकैद

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पुलिस की प्रभावी पैरवी से मिली सजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांसी (सिद्धार्थनगर)। अपराधियों को सजा दिलाने के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के तहत खेसरहा पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते हत्या के मामले में चार दोषियों को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने चारों दोषियों पर 22- 22 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। मामला थाना खेसरहा में दर्ज मु0अ0सं0 97/2023, धारा 302, 307, 323, 325, 504, 506 व 34 भादवि से संबंधित था। मंगलवार को वाद संख्या 549/2023 में सुनवाई के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार श्रीवास्तव ने उपलब्ध साक्ष्यों और प्रभावी पैरवी के आधार पर फूलचन्द यादव पुत्र रामअधारे, अमरजीत पुत्र फूलचन्द, सर्वजीत पुत्र फूलचन्द तथा सूरज उर्फ गोलू पुत्र मथुरा, निवासी दनियापार थाना खेसरहा, को आजीवन कारावास एवं प्रत्येक पर रुपए 22 हजार के अर्थदंड से दंडित किया।

प्रभावी पैरवी से अपराधियों तक पहुंची सजा

'ऑपरेशन कन्विक्शन' के तहत पुलिस द्वारा मुकदमों की लगातार मॉनिटरिंग, साक्ष्यों को न्यायालय के समक्ष मजबूती से प्रस्तुत कराने तथा अभियोजन पक्ष से समन्वय के परिणामस्वरूप यह सजा सुनिश्चित हुई। जिला मॉनिटरिंग सेल, अभियोजक राजेश त्रिपाठी तथा थाना खेसरहा के न्यायालय पैरोकार मुख्य आरक्षी राजेश्वर चन्द्र की प्रभावी पैरवी को इस मामले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा का कहना है कि अपराधियों को कानून के तहत सजा दिलाना और पीड़ित को न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत गंभीर अपराधों में प्रभावी पैरवी का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

आईजीआरएस की समीक्षा में लापरवाही पर डीएम सख्त, अधिकारियों का वेतन रोकने के निर्देश

मुख्यमंत्री संदर्भ की शिकायतें डिफाल्टर होने पर कार्रवाई की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान उद्योग विभाग और नमामि गंगे विभाग से संबंधित शिकायतें डिफाल्टर श्रेणी में पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि मुख्यमंत्री संदर्भ से जुड़ी कोई भी शिकायत डिफाल्टर श्रेणी में नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी प्रतिदिन आईजीआरएस पोर्टल की जांच करें और निर्धारित समय सीमा के भीतर शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करें।

लंबित शिकायतों को समय सीमा में निस्तारित करने के निर्देश

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री संदर्भ पोर्टल पर चकबंदी विभाग, जिला चिकित्सालय, पंचायती राज विभाग, विद्युत विभाग, समाज कल्याण विभाग और अपर जिलाधिकारी कार्यालय से संबंधित शिकायतें लंबित मिलीं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी संदर्भ के तहत विभिन्न विभागों की 186 शिकायतें लंबित पाई गईं। उन्होंने सभी शिकायतों को 15 दिन के भीतर निस्तारित करने का आदेश दिया। वहीं ऑनलाइन शिकायतों की 21 शिकायतें लंबित मिलने पर उन्हें तत्काल निस्तारित करने के निर्देश दिए गए।

गलत आख्या अपलोड करने पर अधिशासी अभियंता का वेतन रोका

ऑनलाइन शिकायतों की समीक्षा के दौरान उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद, बलिया के अधिशासी अभियंता द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर गलत शिकायत आख्या अपलोड किए जाने का मामला सामने आया। इसे गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता को कड़ी फटकार लगाई और उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, गलत आख्या अपलोड करने अथवा शिकायतों को डिफाल्टर श्रेणी में पहुंचाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पीजी पोर्टल पर 137 शिकायतें लंबित

समीक्षा में पीजी पोर्टल पर विभिन्न विभागों से संबंधित 137 शिकायतें लंबित मिलीं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिकायतों के फीडबैक की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली। आठ विभागों द्वारा फीडबैक लेने में लापरवाही सामने आने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए व्यवस्था में तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

75 प्रतिशत से कम फीडबैक पर चेतावनी

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि शिकायतों के फीडबैक का प्रतिशत 75 प्रतिशत से कम नहीं होना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तीन दिन के भीतर फीडबैक प्रतिशत में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं से सीधे संपर्क कर यह भी सुनिश्चित किया जाए कि उनकी शिकायत का वास्तव में निस्तारण हुआ है या नहीं। केवल पोर्टल पर आख्या अपलोड कर देना गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नहीं माना जाएगा।

आईजीआरएस शासन की प्राथमिकता वाली व्यवस्था : जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस शासन की प्राथमिकता वाली व्यवस्था है। इसके माध्यम से आम जनता की समस्याओं और शिकायतों का समाधान सुनिश्चित किया जाता है। इसलिए अधिकारी प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, गलत आख्या अपलोड करने अथवा शिकायत को डिफाल्टर श्रेणी में पहुंचाने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी अनिल कुमार, नगर मजिस्ट्रेट आसाराम वर्मा, मुख्य राजस्व अधिकारी गुलशन जी सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

चंदवारा डिग्री कॉलेज में शिक्षकों की कमी का मुद्दा विधानसभा में उठा, विधायक ने मांगा जवाब

सरकार ने 21 शिक्षक, एक प्राचार्य और 15 गैर-शैक्षणिक पदों के पुनर्गठन की दी जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने विधानसभा के चल रहे सत्र के दौरान कोडरमा जिले के चंदवारा डिग्री कॉलेज में शिक्षकों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की कमी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। विधायक ने सरकार से पूछा कि कॉलेज में पिछले तीन वर्षों से विभिन्न संकायों में विद्यार्थियों का नामांकन लिया जा रहा है और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, इसके बावजूद स्थायी शिक्षकों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति क्यों नहीं की गई है। विधायक के तारांकित प्रश्न के जवाब में झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने बताया कि चंदवारा डिग्री कॉलेज में कला एवं वाणिज्य संकाय में पिछले तीन वर्षों में कुल 751 छात्र-छात्राओं का नामांकन हुआ है। सरकार ने बताया कि कॉलेज में कला संकाय के हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र तथा वाणिज्य संकाय में विगत तीन वर्षों से नामांकन लिया जा रहा है। वहीं कॉलेज में शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों की कमी को लेकर सरकार ने जानकारी दी कि राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालयों एवं उनके अंतर्गत आने वाले अंगीभूत महाविद्यालयों में शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मियों के पदों का पुनर्गठन किया गया है। इसी क्रम में चंदवारा डिग्री कॉलेज के लिए 21 शिक्षकों के पदों का पुनर्सृजन एवं पुनर्गठन विभागीय संकल्प संख्या-1637, दिनांक 04 अगस्त 2026 के माध्यम से किया गया है। इसके अलावा विभागीय संकल्प संख्या-903, दिनांक 29 अप्रैल 2026 के माध्यम से कॉलेज में एक प्राचार्य एवं 15 गैर-शैक्षणिक कर्मियों के पदों का भी पुनर्गठन किया गया है। सरकार ने बताया कि इन पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मियों के रोस्टर क्लीयरेंस की कार्रवाई की जा रही है। रोस्टर क्लीयरेंस के बाद संबंधित पदों पर नियुक्ति की कार्रवाई की जाएगी। विधायक मनोज यादव ने सरकार से यह भी जानना चाहा कि स्वीकृत पदों का सृजन करते हुए नियमित प्राध्यापकों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की पदस्थापना कब तक की जाएगी। सरकार ने अपने जवाब में कहा कि इस संबंध में कार्रवाई उपरोक्त कंडिकाओं में निहित है। विधानसभा में विधायक मनोज यादव द्वारा इस महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाए जाने के बाद चंदवारा डिग्री कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों और क्षेत्र के लोगों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति को लेकर उम्मीद जगी है। लंबे समय से शिक्षकों की कमी का सामना कर रहे कॉलेज में 21 शिक्षक, एक प्राचार्य और 15 गैर-शैक्षणिक पदों के पुनर्गठन के बाद अब रोस्टर क्लीयरेंस पूरा होने और नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार है।

झामुमो मे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का 51 वां जन्म दिवस सोल्लास मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्डः- प्रखण्ड मुख्यालय पाकुड़िया स्थित झामुमो कार्यालय में 10अगस्त को झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री,सह झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष आदरणीय हेमंत सोरेन का दस अगस्त को 51 वां, जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पार्टी के प्रखंड कार्यालय पाकुड़िया में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, हेमंत सोरेन के चित्र पर तिलक लगाकर केक काटा गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं के बीच लडडू वितरण किये गए। कार्यक्रम का नेतृत्व झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा ने किया।जन्म दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर, कार्यकर्ताओं ने फल वितरण किया और मुख्यमंत्री की दीर्घायु होने की कामना की। प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा ने कहा-मुख्यमंत्री का 51 वां जन्मदिन है,इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष ने आगे कहा है झारखंड राज्य के निर्माता, पद्म भूषण से सम्मानित आदरणीय, दिशोम गुरु बाबा शिबू सोरेन जी आज भले ही हमारे बीच सशरीर मौजूद नहीं हैं लेकिन,उनके संघर्ष, विचार, आदर्श और आशीर्वाद की छाप आपके व्यक्तित्व एवं आपके कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। बाबा के दिखाए मार्ग पर चलते हुए आपने झारखंड की जल, जंगल और जमीन, आदिवासी-मूलवासी, दलित, पिछड़े एवं अल्पसंख्यक समाज के अधिकारों,और सम्मान की लड़ाई को मजबूती प्रदान की है। आपके नेतृत्व में झारखंड का विकास, सामाजिक न्याय और समावेशी प्रगति की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। झामुमो प्रखंड कमेटी पाकुड़िया कामना करती है कि मुख्यमंत्री, हेमंत सोरेन स्वस्थ रहे और दीर्घायु हों तथा वे झारखंड के लोगों की सेवा करते रहे। कार्यक्रम मे जिला संगठन सचिव मुनीराम मरांडी, जिला कोषाध्यक्ष छोटू भगत, प्रखंड युवा सचिव नेगार अंसारी, मंटू भगत, बाबूरली मरांडी, खुदू भगत, मोईन अंसारी, मंजूर अंसारी, सिकंदर अली आदि मौजूद थे।

बरही में ट्रैफिक जाम को लेकर देवचंदा मोड़ से गौरियाकरमा होते हुए बाईपास की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही चौक पर लगातार उत्पन्न होने वाली ट्रैफिक जाम की समस्या को लेकर बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने झारखंड विधानसभा में सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया है। विधायक ने बरही चौक पर बढ़ते यातायात दबाव और इससे आम लोगों को होने वाली परेशानियों को देखते हुए देवचंदा मोड़, बरही से गौरियाकर्मा होते हुए बाईपास सड़क निर्माण की मांग रखी है। विधायक द्वारा विधानसभा के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में कहा है कि हजारीबाग जिले का बरही चौक प्रायः ट्रैफिक जाम से व्यस्त रहता है, जिसके कारण आम लोगों एवं वाहन चालकों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बरही चौक क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे वाहनों के दबाव को देखते हुए वैकल्पिक मार्ग का निर्माण जरूरी है। विधायक मनोज यादव ने सरकार से मांग की है कि बरही-हजारीबाग फोरलेन मार्ग को बरही-चौपारण मार्ग से जोड़ने के लिए देवचंदा मोड़, बरही से गौरियाकर्मा होते हुए बाईपास सड़क का निर्माण कराया जाए। इससे बरही चौक पर आने वाले वाहनों का दबाव कम किया जा सकेगा और लोगों को जाम से राहत मिल सकेगी। विधायक के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर सरकार की ओर से दिए गए जवाब में बताया गया है कि बरही-चौपारण पथांश राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-19 का हिस्सा है, जो सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार की संपत्ति है। सरकार ने अपने वक्तव्य में बताया कि वर्तमान में एनएच-19 के चोरदाहा-गोरहर पथखंड को छह लेन में निर्माण/उन्नयन का कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा कराया जा रहा है। इस परियोजना में बरही बाईपास का कार्य भी शामिल है। सरकार के अनुसार, छह लेन परियोजना के पूर्ण होने के बाद बरही चौक पर वाहनों का यातायात दबाव अनुपातिक रूप से कम होने की संभावना है। इससे वर्तमान में बरही चौक पर लगने वाले जाम की समस्या में काफी कमी आने की उम्मीद है। सरकार के जवाब में यह भी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि विधायक मनोज कुमार यादव की भावना को ध्यान में रखते हुए पथ निर्माण विभाग के विभागीय पत्रांक-3468(स), दिनांक 10 अगस्त 2026 के माध्यम से बरही के देवचंदा मोड़ से गौरियाकर्मा होते हुए बाईपास निर्माण की मांग पर कार्रवाई के लिए एनएचएआई के क्षेत्रीय पदाधिकारी से अनुरोध किया गया है। पत्र में स्थानीय परिस्थितियों एवं तकनीकी व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित बाईपास के निर्माण की संभावना पर आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। विधायक की इस पहल से बरही क्षेत्र के लोगों में बाईपास निर्माण की उम्मीद जगी है। यदि देवचंदा मोड़ से गौरियाकर्मा होते हुए प्रस्तावित बाईपास का निर्माण होता है, तो बरही चौक से गुजरने वाले वाहनों का एक बड़ा हिस्सा वैकल्पिक मार्ग से निकल सकेगा। इससे बरही बाजार, चौक और आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुगम होने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को जाम से राहत मिलने की संभावना है। वहीं, एनएच-19 के छह लेन निर्माण और बरही बाईपास परियोजना के पूरा होने के बाद बरही क्षेत्र की यातायात व्यवस्था में व्यापक सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। विधायक मनोज यादव द्वारा विधानसभा में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद अब निगाहें एनएचएआई की तकनीकी एवं स्थानीय व्यवहार्यता जांच तथा आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं।

आपसी मतभेद दूर कर टूटते परिवार को फिर जोड़ा, दंपत्ति साथ रहने को हुए राजी

पाकुड़, झारखंडः- पाकुड़ व्यवहार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय में लंबित ओरिजिनल सूट वाद संख्या 83/2026 में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक के अथक प्रयास से पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी मतभेद को दूर कर परिवार को फिर से जोड़ने में सफलता मिली। प्रधान न्यायाधीश के प्रयास एवं समझाइश के बाद दोनों पति-पत्नी आपसी मनमुटाव को समाप्त कर एक-दूसरे को समझते हुए साथ-साथ रहने के लिए राजी हो गए। इस दौरान डालसा के मध्यस्थता केंद्र में मध्यस्थ समीर कुमार मिश्रा की भी सराहनीय भूमिका रही। प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय ने दंपती को भविष्य में आपसी समझ और विश्वास बनाए रखने तथा छोटी-छोटी बातों को लेकर मनमुटाव से बचने की सलाह दी। इसके बाद दोनों पति-पत्नी को खुशी-खुशी साथ रहने के लिए न्यायालय से विदा किया गया। इस अवसर पर न्यायालय के कर्मियों के साथ दोनों पक्षों के परिजन भी उपस्थित रहे।

भाजपा के 'झारखंड बंद' का नहीं दिखा असर, दुकानें खुलीं और वाहनों का परिचालन रहा सामान्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चैनपुर, झारखंडः- जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में कथित धांधली और प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में भारतीय जनता पार्टी द्वारा मंगलवार को आहूत 'झारखंड बंद' का चैनपुर क्षेत्र में कोई खास असर देखने को नहीं मिला। बंद के आह्वान के बावजूद अनुमंडल एवं प्रखंड क्षेत्र में जनजीवन सामान्य रहा। सुबह से ही चैनपुर मुख्य बाजार समेत आसपास के अधिकांश दुकानें एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुले रहे। सड़कों पर यात्री वाहनों और निजी वाहनों का परिचालन भी सामान्य रूप से जारी रहा। बंद को सफल बनाने के लिए स्थानीय स्तर पर भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से प्रदर्शन या दुकानों को बंद कराने की कोई प्रमुख गतिविधि नजर नहीं आई। बंद का असर नहीं दिखने के बाद स्थानीय राजनीतिक गलियारों में संगठन की सक्रियता को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा रही कि राज्य स्तर पर बंद का आह्वान किए जाने के बावजूद चैनपुर क्षेत्र में इसका प्रभाव नजर नहीं आना पार्टी की स्थानीय संगठनात्मक सक्रियता पर सवाल खड़े करता है। कुछ स्थानीय लोगों ने संगठन में नेतृत्व की सक्रियता और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर भी चर्चा की। हालांकि, इन चर्चाओं पर भाजपा के स्थानीय नेतृत्व की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए राज्य स्तरीय आह्वान को स्थानीय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने में संगठन की सक्रियता और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर हुई अहम बैठक

पाकुड़, झारखंडः- झालसा, रांची के निर्देशानुसार आज 12 सितंबर को आयोजित होने वाली वर्ष की तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) पाकुड़ की ओर से अहम बैठक आयोजित की गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडेय के निर्देश पर डालसा सचिव रूपा बंदना किरो की अध्यक्षता में सचिव प्रकोष्ठ में बैठक हुई। बैठक में स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष अशोक कुमार शुक्ला, स्थायी लोक अदालत के सदस्य मो. अबरारुल हक एवं राजीव कुमार झा, विभिन्न बैंकों के अधिकारी सहित संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक बैंक संबंधी मामलों का सुलह एवं समझौते के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित पक्षकारों को समय पर नोटिस भेजने तथा मामलों के निष्पादन की प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। डालसा सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य पक्षकारों को त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों और संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। बैठक में मामलों के त्वरित निष्पादन से जुड़े विभिन्न कानूनी पहलुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया, ताकि लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का सरल एवं प्रभावी तरीके से निपटारा हो सके और पक्षकारों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में संबंधित बैंकों के अधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बीडीओ ने की अधिकारियों की समीक्षात्मक बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- मंगलवार को नारायणपुर प्रखंड सभागार में बीडीओ कमलेश कुमार दास की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में बीडीओ ने विभिन्न विभागों की योजना की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार के लाभकारी योजनाओं का लाभ उपयुक्त लाभुकों तक पहुंचे यह सभी अधिकारियों कर्मियों का कर्तव्य होना चाहिए। इसके लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता है?। बैठक में उन्होंने कहा कि अद्यतन रिपोर्ट समय पर दे, टास्क पूरा करें, मनरेगा बीवी जी रामजी में ई-केवाईसी में बहुत से पंचायत पीछे हैं। इसमें सुधार की आवश्यकता है। अब ट्रेज़री के माध्यम से भुगतान होना है, रोजगार सेवक आपरेटर से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज भेजे। इसके कारण बिल पास नहीं हो पा रहा है। समय बर्बाद ना करें, पेमेंट नहीं हुआ तो मैसेज गलत जाएगा। कल से बीवी जी रामजी का ट्रेनिंग होगा। बारी बारी से संबंधित विंग को ट्रेनिंग दिया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य कार्यों को अच्छी से पारदर्शी तरीके से करना है। बैठक में आवास योजना, जन वितरण प्रणाली, कल्याण विभाग, समैत अन्य विभागों के योजनाओं की समीक्षा हुई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधान सहायक वैद्यनाथ हांसदा, कनिय अभियंता सुशांत कुमार, वकील मरांडी, महेंद्र नाथ हांसदा, राहुल सिंहा, कैलाश मंडल, रोजगार सेवक मो सुल्तान, मो मजहर, अनिल चौधरी, राधेश्याम पंडित, सुनील सिंहा, पुरुषोत्तम ओझा आदि उपस्थित थे।

चैथी पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में 25 विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरित

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- चौपारण प्रखंड अंतर्गत चैथी पंचायत के ग्राम चैथी स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, चैथी में मंगलवार को झारखंड सरकार की अबुआ सरकार योजना के तहत 25 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया। साइकिल वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ चौपारण कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सह चैथी पंचायत के मुखिया उपेन्द्र यादव उर्फ गुलाबी यादव ने किया। इस अवसर पर मुखिया ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान मुखिया ने विद्यालय के रख-रखाव, स्वच्छता तथा मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) की गुणवत्ता का भी जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए विद्यालय की सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने पर जोर दिया। इस अवसर पर वार्ड सदस्य प्रतिनिधि विजय कुमार, सीएससी ऑपरेटर लवकुमार सिंह, राजेश सिंह, प्रकाश राणा, विद्यालय के शिक्षकगण एवं अन्य गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरण की सराहना की।

खरीफ 2026 फसल बीमा योजना को लेकर नारायणपुर में हुई बैठक

31,838 किसानों के लक्ष्य प्राप्ति पर दिया गया जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- खरीफ फसल के लिए बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सफल संचालन को लेकर मंगलवार को नारायणपुर प्रखंड सभागार में बैठक हुई। बैठक जिला सहकारिता पदाधिकारी के कार्यालय आदेश के आलोक में आयोजित हुई। बैठक में बीडीओ कमलेश कुमार दास मुख्यरूप से उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि खरीफ फसल के लिए बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत नारायणपुर प्रखंड में कुल 31,838 कृषकों का फसल बीमा कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने कृषक मित्रों,जनसेवकों एवं संबंधित कर्मियों को किसानों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया।बैठक में किसानों को फसल बीमा योजना के उद्देश्य, लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। कर्मियों से अधिक से अधिक किसानों को योजना से जोड़ने और निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा करने की अपील की गई। बैठक में बीटीएम सीमावती सिंह, कर्मी व कृषक मित्र उपस्थित थे।

उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय दनुवा में विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनाव संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- चौपारण प्रखंड अंतर्गत चोरदाहा पंचायत स्थित उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय दनुवा में मंगलवार को विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनाव शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुआ। चुनाव पर्यवेक्षक विश्वनाथ कुमार साहू की देखरेख में पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई गई। चुनाव के दौरान पंचायत की मुखिया कसिया देवी एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक रतन कुमार वर्मा की मौजूदगी रही। चुनाव में कपिल यादव को अध्यक्ष तथा कांति देवी को उपाध्यक्ष चुना गया। चुनाव संपन्न होने के बाद विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। साइकिल मिलने से विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणों ने कहा कि साइकिल मिलने से विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी तथा उनकी पढ़ाई में भी सहूलियत मिलेगी। इस अवसर पर शिक्षक विश्वजीत कुमार कुशवाहा, उपेंद्र कुमार यादव, नरेश कुमार यादव, प्रदीप कुमार सिंह, प्रेम कुमार, हीरालाल मरांडी, रोहित कुमार, आलोक कुमार, चांदनी कुमारी, सुनीता कुमारी एवं रौनक सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

ब्रह्मपुत्र नहीं, नागालैंड की असामान्य बारिश बनी असम की जुलाई बाढ़ की बड़ी वजह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः असम में जुलाई में आई भयावह बाढ़ का प्रमुख कारण ब्रह्मपुत्र नदी का उफान नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्य नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में हुई असामान्य बारिश थी। पहाड़ियों से अचानक भारी मात्रा में पानी दक्षिणी तट की सहायक नदियों में पहुंचा, जिससे दिकहौ, दिसांग, जांजी और धनसिरी जैसी नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा। यह निष्कर्ष असम विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में तैयार एक अध्ययन में सामने आया है। असम विश्वविद्यालय में मंगलवार को जारी 'असम की बाढ़-2026 : व्यापक स्थिति मूल्यांकन और लचीले पुनरुद्धार की दिशा' रिपोर्ट में बाढ़ प्रबंधन के मौजूदा तौर-तरीकों में व्यापक बदलाव की जरूरत बताई गई है। अध्ययन में सैटेलाइट तस्वीरों और भौगोलिक सूचना प्रणाली (त्ढ्ढ्स) के इस्तेमाल से क्षेत्र-विशिष्ट पूर्व चेतावनी व्यवस्था विकसित करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 1 जून से 29 जुलाई के बीच असम में सामान्य 839.6 मिलीमीटर के मुकाबले केवल 594.4 मिलीमीटर बारिश हुई, यानी करीब 29 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई। इसके बावजूद 19 जुलाई को नागालैंड में सामान्य से 181 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। मोकोकचुंग जिले में यह आंकड़ा सामान्य से 493 प्रतिशत अधिक रहा। पहाड़ी क्षेत्रों से तेजी से बहकर आया पानी असम की दक्षिणी तटवर्ती सहायक नदियों में पहुंचा और कई स्थानों पर जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया। अध्ययन में कहा गया है कि कई इलाकों में सहायक नदियों में बाढ़ की स्थिति ब्रह्मपुत्र के मुख्य प्रवाह के अपने उच्चतम जलस्तर तक पहुंचने से पहले ही गंभीर हो गई थी। नागालैंड के डोयांग जलाशय से पानी छोड़े जाने की घटना ने धनसिरी नदी घाटी की स्थिति को और जटिल बनाया। शोधकर्ताओं के मुताबिक, बाढ़ को विकराल बनाने में सिर्फ असामान्य बारिश ही जिम्मेदार नहीं थी। मिट्टी की पानी सोखने की क्षमता में कमी, भूस्खलन, जलाशयों की भंडारण क्षमता पूरी होने पर अतिरिक्त पानी छोड़ा जाना, नदियों में गाद का जमाव, कमजोर और पुराने बांध तथा आर्द्रभूमियों एवं जलाशयों का लगातार सिकुड़ना– इन सभी कारकों ने मिलकर आपदा की गंभीरता बढ़ाई। रिपोर्ट के अनुसार, हाल के दशकों में ऊपरी असम में आई सबसे गंभीर बाढ़ की घटनाओं में से एक में 100 से अधिक लोगों की मौत हुई, करीब 2.12 लाख लोग विस्थापित हुए और लगभग 21 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि प्रभावित हुई। नदी का जलस्तर नहीं, संभावित नुकसान की चेतावनी. अध्ययन में मौजूदा बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया है। शोधकर्ताओं ने कहा कि सिर्फ यह बताना पर्याप्त नहीं है कि किसी नदी का जलस्तर कितना बढ़ेगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को यह भी बताना चाहिए कि कौन-से इलाके जलमग्न हो सकते हैं, कितने लोग प्रभावित होंगे और किन बुनियादी सुविधाओं को नुकसान पहुंचने की आशंका है। इसके लिए सैटेलाइट इमेजरी, GIS और स्थानीय स्तर के आंकड़ों को जोड़कर क्षेत्र-विशिष्ट बाढ़ जोखिम मानचित्र तथा चेतावनी प्रणाली विकसित करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में असम के पांच भौगोलिक क्षेत्रों के लिए अलग-अलग बाढ़ प्रबंधन रणनीति अपनाने, नदी कटाव को आधिकारिक रूप से आपदा की श्रेणी में शामिल करने और चार क्षेत्रों में रहने वाले प्रभावित लोगों के लिए मुआवजा एवं राहत की व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया है।

इसके साथ ही आर्द्रभूमियों के पुनरुद्धार, बांधों के आधुनिकीकरण और हर मानसून के बाद सैटेलाइट तस्वीरों की मदद से बाढ़ से हुए नुकसान का व्यवस्थित आकलन करने की सिफारिश की गई है। अध्ययन को असम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुणज्योति नाथ, अदिति नाथ, अर्णब पाल और अनिमेष हाजरिका ने तैयार किया है। इसमें इंटरनेशनल वाटर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और आदमास यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने भी योगदान दिया है।

नीमगांव में 8 महीने में अपराध पर कड़ी लगामः 5 मुठभेड़, 1 दर्जन से अधिक घटनाओं का खुलासा

नीमगांव, लखीमपुर खीरी। लखीमपुर के नीमगांव में थाना प्रभारी प्रवीर कुमार गौतम के 8 महीने के कार्यकाल में अपराध नियंत्रण को लेकर सख्त रुख देखने को मिला है। इस दौरान पुलिस ने 5 मुठभेड़ों को अंजाम देते हुए कई वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। 26 नवंबर 2025 को कार्यभार संभालने के बाद से थाना प्रभारी के नेतृत्व में डकैती, लूट और चोरी की लगभग एक दर्जन घटनाओं का खुलासा किया गया है। इस दौरान दो दर्जन से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। थाना क्षेत्र में चर्चित सिकंदराबाद डकैती कांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद बेहजम पुलिस चौकी के पीछे हुई चोरी की घटना में भी पुलिस ने शातिर आरोपी 'सेठ' को मुठभेड़ के दौरान पकड़ा। बताया जाता है कि 'सेठ' पर खीरी सहित कई जनपदों में तीन दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार आशा बहू से लूट के मामले में भी पुलिस ने कार्रवाई की। इस दौरान सरगना मौजीराम के पैर में गोली लगी। एस पी लखीमपुर ने थाना प्रभारी प्रवीर गौतम व टीम की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

टिब्बा इलाके में लाश मिलने के मामले में एक गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना– लुधियाना के टिब्बा बाना इलाके की एक गली में कपड़े में लिपटी मिली एक अनजान व्यक्ति की लाश के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान लुधियाना के पिंड नगर निवासी हरमन कुमार के रूप में हुई है। 6 अगस्त को न्यू शक्ति नगर इलाके में एक व्यक्ति ने अपने घर के बाहर गली में कपड़े में लिपटी एक लाश देखी। लाश के सिर और चेहरे पर खून के निशान थे। सूचना मिलने के बाद टिब्बा पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा दर्ज मामले में अनजान लोगों के खिलाफ हत्या और सबूत छिपाने से जुड़ी धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मृतक की अभी पहचान नहीं हो पाई है और उसकी पहचान के लिए आगे की जानकारी और दूसरे ज़रूरी कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस ने 8 अगस्त को हरमन कुमार को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया, जिसे 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया।

आरोपी ने शुरुआती पूछताछ में सच बताया पुलिस के मुताबिक, शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मृतक के साथ शराब पी रहा था और इसी दौरान दोनों के बीच झगड़ा हो गया। आरोपी ने कथित तौर पर कबूल किया है कि मृतक की मौत ज़्यादा शराब पीने की वजह से हुई।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर एसडीएम ने की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बटाला। हर वर्ष की तरह इस बार भी 15 अगस्त को राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज बटाला के राजीव गांधी खेल स्टेडियम में पूरे उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। समारोह की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एसडीएम बटाला सारंगप्रीत सिंह ने राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में अधिकारियों के साथ बैठक की और तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर तहसीलदार बटाला अर्जन सिंह ग्रेवाल और कॉलेज के प्रधानाचार्य दविंदर सिंह भट्टी भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान एसडीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समारोह में आने वाले लोगों के बैठने की उचित व्यवस्था, मैदान की तैयारी, स्वच्छ पेयजल और वाहनों की पार्किंग के पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को समारोह स्थल सहित शहर में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को समारोह स्थल पर स्वास्थ्य टीमों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। एसडीएम ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद पुलिस जवान, पंजाब होमगार्ड और एनसीसी कैडेट शानदार मार्च पास्ट करेंगे। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी भी बैंड के साथ मार्च पास्ट में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति एवं पंजाबी संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

ग्लाडा की संपत्तियों की ई-नीलामी को लेकर बैठक, तैयारियों पर हुई चर्चा

लुधियाना। ग्लाडा कार्यालय में ग्लाडा की विभिन्न संपत्तियों की आगामी ई-नीलामी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में ई-नीलामी की तैयारियों और रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में क्रेडाई के प्रतिनिधियों, संपत्ति संघों के प्रतिनिधियों तथा ग्लाडा के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। क्रेडाई और संपत्ति संघों के प्रतिनिधियों ने आगामी ई-नीलामी को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव लिखित रूप में अधिकारियों को सौंपे। ग्लाडा के मुख्य प्रशासक ने बताया कि ग्लाडा की विभिन्न संपत्तियों, जिनमें वाणिज्यिक चंक साइट, एससीओ बूथ, दुकानें और आवासीय भूखंड शामिल हैं, की बिक्री के लिए जल्द ही ई-नीलामी शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न की जाएगी, जिससे आम लोगों और निवेशकों को संपत्तियां खरीदने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से शहरी विकास को गति मिलने के साथ ही लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

महिला लक्ष्मी योजना के विरोध करने पर आप विधायक अजय दत्त के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

महिलाओं के सम्मान, अधिकार और आर्थिक सशक्तिकरण की मांग को लेकर आवाज़ की बुलंद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। अंबेडकर नगर विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं के सम्मान, अधिकार एवं आर्थिक सशक्तिकरण के मुद्दे को लेकर क्षेत्र की महिला जनसमूह द्वारा विरोध-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली सरकार की प्रस्तावित 'लक्ष्मी योजना' के तहत महिलाओं को ?2,500 की आर्थिक सहायता दिए जाने के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी के विधायकों द्वारा विधानसभा में वॉकआउट किये जाने को लेकर नाराजगी व्यक्त की। सैंकड़ों महिलाओं ने इस दौरान विधायक अजय दत्त के कार्यालय के बाहर पहुंचकर अपना विरोध दर्ज कराया और सरकार से महिलाओं के हित में ठोस कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने वाली योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकती है। ऐसे में यदि किसी स्तर पर इस योजना का विरोध किया गया है। तो महिलाओं के बीच इसको लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि महिलाओं को सम्मान, अधिकार और आर्थिक आत्मनिर्भरता देने के मुद्दे पर राजनीति से ऊपर उठकर निर्णय लिया जाना चाहिए।इस अवसर पर महिलाओं ने अपनी मांगों को मजबूती से रखते हुए कहा कि दिल्ली की मातृशक्ति अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है और जनहित से जुड़े विषयों पर अपनी आवाज आगे भी मजबूती से उठाती रहेगी। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं में काफी उत्साह और आक्रोश देखने को मिला।कार्यक्रम में भाजपा मेहरौली जिला महामंत्री मनीषा शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सतेंद्र चौधरी, एमसीडी साउथ जोन डिप्टी चेयरमैन ममता यादव, विधानसभा प्रत्याशी खुशीराम चुनार, पुष्प विहार की पूर्व निगम पार्षद रेखा सांखला, मदनगीर की पूर्व प्रत्याशी मनीषा बैरवा, मदनगीर मंडल अध्यक्ष दिलीप देवतवाल, पुष्प विहार मंडल अध्यक्ष नरेश सांखला, खानपुर मंडल अध्यक्ष विशाल, अनुसूचित जाति मोर्चा मेहरौली जिला अध्यक्ष चंद्रपाल बैरवा, बीएलए -1 प्रेम शंकर शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं ने स्पष्ट संदेश दिया कि महिलाओं के सम्मान, अधिकार और आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर उनकी आवाज को अनदेखा नहीं किया जा सकता। प्रदर्शनकारियों ने महिला हितों से जुड़े विषयों पर निरंतर जनजागरण और संघर्ष जारी रखने की बात कही।

एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (रूरल डेवलपमेंट) ने फेरुमना गांव में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट का किया दौरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर। गांवों को स्वच्छ एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अमृतसर के अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास) सुरिंदर सिंह ने ब्लॉक रईया के अंतर्गत फेरुमना गांव में संचालित ठोस कचरा प्रबंधन परियोजना का दौरा किया। उन्होंने मौके पर परियोजना की प्रगति और चल रहे कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त ने ग्राम पंचायत, ग्रामीणों और संबंधित विभागों के अधिकारियों से बातचीत करते हुए कहा कि ठोस कचरे के उचित प्रबंधन के लिए सबसे पहले घर के स्तर पर कचरे को अलग-अलग करना सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे गीला, सूखा, सैनिटरी तथा खतरनाक कचरा अलग-अलग रखें, ताकि उसका वैज्ञानिक और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से निपटान किया जा सके। उन्होंने कहा कि घरों से एकत्रित गीले कचरे को गांव में स्थापित ठोस कचरा प्रबंधन परियोजना के गड्ढों में डाला जाए, जहां इसकी प्रक्रिया के बाद जैविक खाद तैयार की जा सकेगी। इससे कचरे की मात्रा कम करने के साथ ही उसे उपयोगी संसाधन में बदलने को बढ़ावा मिलेगा। सुरिंदर सिंह ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी तथा पंचायत सचिव को ठोस कचरा प्रबंधन परियोजना की चारदीवारी और कचरा पृथक्करण शेड का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे गीले और सूखे कचरे को अलग करने तथा आगे की प्रक्रिया के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के क्षेत्रीय कर्मचारियों और गांव में सक्रिय स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को भी स्वच्छता एवं ठोस कचरा प्रबंधन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह गांव स्तर पर जागरूकता फैलाने और लोगों को कचरा अलग-अलग रखने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर राउंड ग्लास फाउंडेशन के समन्वयक रेशम सिंह ने बताया कि फाउंडेशन की ओर से गांव के प्रत्येक घर में कूड़ेदान उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि घर के स्तर पर गीले और सूखे कचरे को अलग रखा जा सके। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण के लिए प्रोत्साहित करना और उचित कचरा प्रबंधन की आदत विकसित करना है। अतिरिक्त उपायुक्त ने गांव में कार्यरत कचरा संग्रहकर्ता को निर्देश दिया कि घरों से कचरा एकत्र करते समय गीला, सूखा, सैनिटरी और खतरनाक कचरा अलग-अलग एकत्र किया जाए। उन्होंने कहा कि स्रोत स्तर पर कचरे को अलग करने से ही आगे की प्रक्रिया और निपटान व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने गांव के सरपंच करमजीत सिंह को ठोस कचरा प्रबंधन से संबंधित गतिविधियों की निगरानी के लिए गांव स्तर पर एक अलग समिति गठित करने के निर्देश दिए। समिति गांव में कचरा संग्रहण, पृथक्करण, प्रसंस्करण और स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियों की नियमित निगरानी करेगी तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विभागों के साथ समन्वय करेगी। ग्रामीणों और पंचायत को संबोधित करते हुए सुरिंदर सिंह ने कहा कि गांव को स्वच्छ रखना केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसके लिए ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग भी जरूरी है। यदि प्रत्येक परिवार अपने घर से ही कचरे को अलग रखने और निर्धारित व्यवस्था के अनुसार कचरा देने की जिम्मेदारी निभाए, तो गांव की स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकता है।

उन्होंने ग्रामीणों से खुले में कचरा नहीं फेंकने, घरों में कचरे का पृथक्करण करने और गांव को स्वच्छ रखने के लिए पंचायत एवं प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ गांव बेहतर पर्यावरण का प्रतीक होने के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता से भी सीधे जुड़ा है। इस अवसर पर रईया के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी सरबजीत सिंह, पंचायत सचिव सुखपाल सिंह, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग की सीडीएस विभूति शर्मा, कनिष्ठ अभियंता मुकेश कुमार, राधिका, पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के क्षेत्रीय कर्मचारी सरवन सिंह मान सहित ग्रामीण, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

80वें स्वतंत्रता दिवस पर कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर। पंजाब के जेल एवं प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह 15 अगस्त को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्थानीय पुलिस लाइन में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। उपायुक्त आशिका जैन ने मंगलवार को पुलिस लाइन में नागरिक एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं, ताकि जिला स्तरीय समारोह देशभक्ति के जोश और उत्साह के साथ आयोजित किया जा सके। उन्होंने बताया कि समारोह के दौरान विभिन्न टुकड़ियां परेड और मार्च पास्ट में हिस्सा लेंगी, जबकि विभिन्न विभागों की झांकियां अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करेंगी। उपायुक्त ने पुलिस अधिकारियों को यातायात एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने तथा नगर निगम अधिकारियों को शहर में सजावट और सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 13 अगस्त को पूर्ण वेशभूषा परेड का पूर्वाभ्यास होगा, जिसके लिए सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं। समारोह के दौरान विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी देशभक्ति गीतों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी देंगे। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त राकेश कुमार मीणा सहित नागरिक एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्राचीन शिव मंदिर में कथा सुन भक्त हुए भाव विभोर

मैलानी-खीरी। श्रावण मास के चलते देश के विभिन्न क्षेत्रों में कथा का आयोजन किया जा रहा है और भक्त जन कथा सुन अपने को धन्य कर रहे हैं। जिसके चलते मैलानी और आस पास के मंदिरों,गांवों और क्षेत्रों में कथा का आयोजन किया जा रहा है। प्राचीन शिव मंदिर में भी आए व्यास जी अरविंद दीक्षित और उनकी टीम के द्वारा संगीतमय कथा को सुनकर भक्त जन भाव विभोर हुए।व्यास जी ने शिव पार्वती विवाह और मां सती की कथा सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।पूरा मंदिर प्रांगण हर हर महादेव और पार्वती पतये नमः के जयकारों से गूंज उठा।उसके बाद पत्रकार,भक्त तथा कथा व्यवस्थापक गोपाल सिंघल ने अति सुन्दर भजन सुनाया।कथा व्यवस्थापक उनके भाई ने भी आरती वंदन के बाद प्रसाद वितरण किया।वायस जी ने सभी भक्तों को बताया कि इस कथा का आयोजन 19 अगस्त 2026 तक होगा और दिन में प्रतिदिन 3 बजे से कथा का प्रारम्भ किया जाएगा।अतः सभी भक्त जन समय से उपस्थित हो कर कथा का श्रवण करें और अपने को धन्य करें।

जिला चुनाव अधिकारी हिमांशु जैन ने राजनीतिक पार्टियों के साथ की मीटिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना– डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी हिमांशु जैन ने आज अपने ऑफिस में स्पेशल इन-डेप्थ रिवीजन (SIR)-2026 के बारे में मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग की। मीटिंग के दौरान, डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर लुधियाना ने मान्यता प्राप्त पॉलिटिकल पार्टियों के प्रतिनिधियों को बताया कि वोटर लिस्ट के स्पेशल इन-डेप्थ रिवीजन का पहला फेज़ पूरा हो गया है और अब वोटर लिस्ट का शुरुआती पब्लिकेशन 13 अगस्त को होगा। वोटर्स के लिए क्लेम और ऑब्जेक्शन फाइल करने का समय 13 अगस्त से 12 सितंबर तक तय किया गया है, जबकि मिले क्लेम और ऑब्जेक्शन के निपटारे और नोटिस जारी करने की तारीख 13 अगस्त से 8 अक्टूबर तक तय की गई है। उन्होंने कहा कि यह पूरी प्रोसेस पूरी होने के बाद, वोटर लिस्ट का फाइनल पब्लिकेशन 12 अक्टूबर को किया जाएगा। हिमांशु जैन ने कहा कि पॉलिटिकल पार्टियों को फोटो वाली और बिना फोटो वाली वोटर लिस्ट की सॉफ्ट कॉपी भी दी जाएगी ताकि वे वोटर्स की एंट्री में अगर कोई गलती हो, तो उसे संबंधित एरिया में काम कर रहे बूथ लेवल एजेंट की मदद से दूर करवा सकें। यह ड्राफ्ट रोल NIC की ऑफिशियल वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा, जहां से कोई भी नागरिक अपने से जुड़ी डिटेल्स चेक कर सकता है। मीटिंग के दौरान, डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर ने गिनती के फॉर्म के डिजिटाइज़ेशन प्रोसेस में डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन को सपोर्ट करने के लिए पॉलिटिकल पार्टियों को भी खास तौर पर धन्यवाद दिया।

हत्यारोपी के मुठभेड़ में घायल होने के बाद परिजनों ने पुलिस की सराहना की

गोला गोकर्णनाथ खीरी– विगत दिनो पूर्व मे नीमगांव थाना क्षेत्र में दलित युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस कार्रवाई के दौरान कथित हत्यारोपी के मुठभेड़ में घायल होने के बाद मृतका के परिजनों ने पुलिस प्रशासन की सराहना की। मृतका के परिजनों व सैकडों ग्रामीणो ने नीमगांव थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार गौतम और बेहजम चौकी प्रभारी संदीप यादव व सिकंदराबाद चौकी प्रभारी राम गौरव की कार्रवाई की सराहना करते हुए पुलिस प्रशासन जिंदाबाद के नारे लगाए व उनका माल्यार्पण कर उनकी इस कार्य के लिये भूरि भूरि प्रशंसा की, इस दौरान परिजनों और समर्थकों ने पुलिस अधिकारियों का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत कर उनकी मंगल कामना की।

दक्षिण असम की दो सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः दक्षिण असम में सड़क संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने और क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से करीमगंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद कृपानाथ माल्लाह ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा से दो महत्वपूर्ण मार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। सांसद माल्लाह ने केंद्रीय मंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि इन दोनों मार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में विकसित करने की घोषणा 29 जनवरी 2017 को गुवाहाटी में सरायघाट पुल से संबंधित एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि घोषणा के बावजूद इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को अपेक्षित गति नहीं मिल पाई है। ये हैं प्रस्तावित दोनों राष्ट्रीय राजमार्ग पहला मार्गः बदरपुरघाट-अंगलाबाजार-दुल्लभछड़ा- जामुआंग-मामित मार्ग, जो दक्षिण असम को मिजोरम से जोड़ता है। दूसरा मार्गः सिलचर-असम विश्वविद्यालय- द्वयारबंद-मोनाछड़ा-आर.के. नगर-कनाईबाजार मार्ग, जो पुराने NH-8 (पूर्व NH-yy) से जुड़ता है। सांसद माल्लाह ने कहा कि दक्षिण असम के इन महत्वपूर्ण इलाकों में बेहतर और सुगम सड़क संपर्क की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही है। दोनों मार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में विकसित किए जाने से आवागमन तेज और सुगम होगा तथा व्यापार, उद्योग और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। जनता की मांग को प्राथमिकता देने का आग्रह लोकप्रिय सांसद ने केंद्रीय राज्यमंत्री से आग्रह किया कि क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग तथा दोनों मार्गों के रणनीतिक और आर्थिक महत्व को देखते हुए आवश्यक फंड जल्द जारी किया जाए। साथ ही, राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में इन मार्गों के विकास की प्रक्रिया में भी तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि दोनों परियोजनाओं के पूरा होने से दक्षिण असम के साथ-साथ पड़ोसी क्षेत्रों और मिजोरम के बीच सड़क संपर्क और मजबूत होगा। इससे क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ रोजगार, निवेश और समग्र विकास की नई संभावनाएं पैदा होंगी। सांसद माल्लाह ने कहा कि केंद्र सरकार देश के विभिन्न हिस्सों में सड़क एवं परिवहन अवसंरचना को मजबूत करने पर लगातार जोर दे रही है। ऐसे में दक्षिण असम की इन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को भी प्राथमिकता देकर जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाया जाना जनहित में महत्वपूर्ण होगा।

झूंसी में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

बालाजी मंदिर से शुरू होकर प्रमुख चौराहों से गुजरी यात्रा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी गंगापार प्रयागराज मंडल झूंसी के तत्वावधान में मंगलवार, 11 अगस्त को मंडल स्तरीय विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं, बूथ अध्यक्षों, मातृशक्ति, युवा साथियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने यात्रा में सहभागिता की। तिरंगा यात्रा के दौरान देशभक्ति गीतों और भारत माता के जयघोष से झूंसी क्षेत्र का वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नजर आया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ बालाजी मंदिर से हुआ। यहां से यात्रा यादव चौराहा, लाल चौक, पुलिस बूथ और चश्मा घर होते हुए पुनः बालाजी मंदिर पहुंची, जहां यात्रा का समापन किया गया। पूरे मार्ग में कार्यकर्ताओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति के नारे लगाए। यात्रा की अगुवाई भाजपा मंडल अध्यक्ष झूंसी रोहित कुमार निषाद पंकज ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी संजय मिश्रा बनकटा, भाजपा गंगापार प्रयागराज की जिला उपाध्यक्ष किरण त्रिवेदी, भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष लक्ष्मीकांत उपाध्याय, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष आरती अग्रवाल, नामित पार्षद एवं भाजपा नेता अरुण कुमार मिश्र पिंटू, जिला सह कार्यालय मंत्री प्रभाकर दुबे, भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री प्रभाकर दुबे परेवाहा, जिला कोषाध्यक्ष किसान मोर्चा पंकज ओझा, जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा राजेंद्र शुक्ल, जिला मंत्री गुड़िया सिंह, महेंद्र प्रताप कुशवाहा, जिला सोशल मीडिया संयोजक किसान मोर्चा अजीत तिवारी, मंडल प्रभारी कुलदीप सोनी तथा मंडल प्रवासी दिनेश बहादुर सिंह समेत अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंडल उपाध्यक्ष मोहित केसरवानी, संजय यादव, अवधेश सिंह चौहान, सुनीता उपाध्याय एवं नीलम गिरी ने सहभागिता की। मंडल महामंत्री पवन कुमार पाण्डेय और वीरेंद्र कुमार यादव सहित मंडल मंत्री अशोक भारतीय, रवि निषाद, नीलकमल निषाद, प्रीति तिवारी एवं सुनीता चौधरी भी यात्रा में शामिल रहे। मंडल कोषाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, मंडल सोशल मीडिया संयोजक हिमांशु द्विवेदी तथा मंडल आईटी संयोजक सौरभ त्रिपाठी की भी मौजूदगी रही। यात्रा में विभिन्न शक्ति केंद्रों के संयोजक नीरज सोनी, अवधेश गिरी, कमलेश भारतीय, सुशील सरोज, विश्वेंद्र प्रताप कुशवाहा, दीपक केसरवानी, कृष्णा निषाद, ओमप्रकाश मिश्र, अभिषेक श्रीवास्तव, रेनू उपाध्याय, अजय भारतीय, आलोक भारतीय एवं कलेक्टर गिरी समेत कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

पूर्व पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भी रही मौजूदगी

तिरंगा यात्रा मे प्रमोद जायसवाल, दिलीप निषाद, आरती कुशवाहा, विजय लक्ष्मी सिंह चंदेल, अनीता सिंह, रीतू त्रिपाठी, देवयंती सिंह, पिंकी मिश्रा, धर्मानंद पांडेय, तरुण मिश्र, अमित मिश्रा, आनंद तिवारी, गंगा राम, रामचंद्र, भरत सिंह, ताराशंकर उपाध्याय, अभिषेक श्रीवास्तव, संतोष चौहान, दशरथ चौहान, उदय तिवारी, संदीप निषाद, नीलू निषाद, शुभम तिवारी, महेंद्र निषाद एवं विनय श्रीवास्तव सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

यमुना पुल के पास पेड़ पर बैठा मिला विशालकाय अजगर

नजर पड़ते ही लोगों में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। प्रयागराज के नये यमुना पुल के पास अरैल की तरफ बीती शाम पेड़ पर बैठा मिला विशालकाय अजगर। अचानक नजर पड़ते ही लोगों में मचा हड़कंप। सूचना मिलते ही मौके पर पहुँचे प्रयागराज के सर्प मित्र अंकित Tarzan ने बेहद सावधानी और कड़ी मशक्कत के बाद पेड़ पर बैठे विशाल अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सर्प मित्र अंकित Tarzan ने लोगों से अपील की कि ऐसे वन्यजीव दिखाई देने पर घबराएं नहीं और खुद पकड़ने की कोशिश न करें। रेस्क्यू के बाद विशालकाय अजगर को दूर दराज सुरक्षित स्थान पर छोड़ा गया।

नारायण हाईट्स में शिव मंदिर का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। मंगलवार की सुबह नैनी के नेवादा समोगर स्थित नारायण हाईट्स अपार्टमेंट में धार्मिक माहौल देखने को मिला। यहां नारायण इंफ्रा हाईट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बनवाए गए भगवान शिव जी के मंदिर का विधि-विधान से उद्घाटन कर पूजा-अर्चना की गई।उद्घाटन के अवसर पर मुख्य पंडित रवि नाथ शुक्ला ने वैदिक रीति से पूजन संपन्न कराया। मंदिर परिसर को फूलों और दीपों से सजाया गया था।शाम को मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम के संयोजक सुरेंद्र कुमार मिश्रा और संजीव मिश्रा रहे। आयोजन को सफल बनाने में अपार्टमेंट के निवासियों और नारायण इंफ्रा हाईट्स के पदाधिकारियों का सहयोग रहा।

एजी ऑफिस गेट पर नगर निगम की अतिक्रमण-विरोधी कार्रवाई के दौरान विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। एजी ऑफिस गेट के पास सोमवार को नगर निगम की अतिक्रमण-विरोधी कार्रवाई के दौरान विवाद उत्पन्न हो गया, जब एक गरीब महिला दुकानदार की छोटी दुकान ढहा दी गई और वहां रखा सामान जब्त कर लिया गया। घटना के बाद आसपास के स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों में भारी आक्रोश देखा गया और नगर निगम पर भेदभाव के आरोप उठे। घटना के अनुसार, सरोजिनी नायडू मार्ग स्थित महालेखाकार कार्यालय के समीप हुई कार्रवाई के दौरान दुकान संचालक महिला ने हाथ जोड़कर गुहार लगाई और कुछ मिनट की मोहलत देने की अपील की। उपस्थित लोगों का कहना है कि महिला की आवाज़ और अनुरोध पर निगम के दस्ते ने ध्यान नहीं दिया और दुकान का ढांचा तोड़ दिया गया तथा सामान जब्त कर लिया गया। स्थानीय दुकानदारों ने कहा कि जिस दुकान पर कार्रवाई हुई वह मुख्य सड़क से लगभग 30 से 40 फीट पीछे थी और वहां से यातायात पर कोई स्पष्ट प्रभावित नहीं हो रहा था। उनका तर्क था कि छोटे व्यापारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई तेजी से की जा रही है, जबकि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा स्थापित बड़े अतिक्रमणों पर कथित तौर पर कार्रवाई नहीं की जाती। उन्होंने उदाहरण के तौर पर उसी मार्ग पर लगे बड़े कंटेनरों तथा कथित स्थायी अतिक्रमणों का उल्लेख करते हुए समान एवं निष्पक्ष कार्रवाई की मांग उठाई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों और दुकानदारों ने नगर निगम की कार्रवाई की आलोचना की और अभियानी दल की कार्यवाही की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए। नागरिकों में यह आशंका भी प्रबल हुई कि यदि अतिक्रमण हटाना अनिवार्य है तो यह कार्रवाई बिना भेदभाव के सभी अवैध कब्जों पर क्यों लागू नहीं की जा रही। नगर निगम की ओर से इस विशेष कार्रवाई और स्थानीय लोगों द्वारा लगाए गए भेदभाव के आरोपों पर तात्कालिक आधिकारिक प्रतिक्रिया अभी नहीं आई है।

एनसीसी भर्ती प्रक्रिया में 20 कैडेट का चयन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। 15 यू.पी. बटालियन एनसीसी, प्रयागराज के तत्वावधान में संबद्ध 2/15 सीताराम सिंह इंटर कॉलेज, बाबूगंज, प्रयागराज में सत्र 2026-27 के लिए एनसीसी भर्ती प्रक्रिया का आयोजन किया गया। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत अभ्यर्थियों का शारीरिक मापदंड, मेडिकल परीक्षण एवं आवश्यक जांच कराई गई। इसके उपरांत लिखित परीक्षा के माध्यम से चयन प्रक्रिया को पूर्ण किया गया। भर्ती प्रक्रिया के दौरान कुल 48 कैडेट्स का चयन हेतु उपस्थित हुए। चयनित कैडेट्स को एनसीसी के माध्यम से अनुशासन, नेतृत्व, साहस एवं देशभक्ति की भावना के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं एनसीसी अधिकारी ने उम्मीद जताई कि ये कैडेट्स भविष्य में भारतीय सेना सहित विभिन्न क्षेत्रों में जाकर राष्ट्र की सेवा करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय के एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट वेद प्रकाश भगत ने लेफ्टिनेंट कर्नल आशीष मिश्रा को विद्यालय में एनसीसी से संबंधित गतिविधियों, प्रशिक्षण एवं कैडेट्स के लिए उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। लेफ्टिनेंट कर्नल आशीष मिश्रा ने विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्रशेखर सिंह से भी मुलाकात की तथा विद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने एनसीसी के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र सेवा की भावना विकसित करने पर जोर दिया।इस मौके पर 15 यूपी बटालियन से भर्ती जेसीओ राजेंद्र कुमार,के के बस्नेत,जाकिर हुसैन आदिरहे ।

रियाज हैदर जैदी ने संभाली जमुनिया चौकी की कमान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। रियाज हैदर जैदी के जमुनिया चौकी की कमान संभालने के बाद उनके नेतृत्व में साथी पुलिसकर्मियों ने खिचड़ी के प्रसाद को बांटकर एक अनूठी मिसाल पेश की है। थाना माधोटांडा क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था में फेरबदल के बाद जमुनिया चौकी की कमान रियाज हैदर जैदी ने संभाल ली है। जिम्मेदारी मिलते ही चौकी प्रभारी के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने राहगीरों और स्थानीय लोगों को खिचड़ी का प्रसाद बांटकर सेवा भाव की अनूठी मिसाल पेश की। इस दौरान हेड कांस्टेबल विपिन कुमार और सिपाही गुलशन, मनीष, रोहित, अनुज व अमन सिंह मौजूद रहे। पुलिस की इस पहल को लोगों ने काफी सराहा। वहीं, माधोटांडा थाने में चंद्रपाल सिंह को महिला 'मिशन शक्ति' का नया प्रभारी बनाया गया है, जो महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व जागरूकता पर विशेष ध्यान देंगे। नई कमान के साथ पुलिस का यह संवेदनशील चेहरा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सिविल लाइंस से निकली भव्य मोटर साइकिल तिरंगा रैली

शहीद चंद्रशेखर आजाद को अर्पित की श्रद्धांजलि।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तीसरे दिन मंगलवार को प्रयागराज में मोटर साइकिल तिरंगा रैली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह सिविल लाइंस स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौराहे से निकली तिरंगा मोटर साइकिल रैली में नागरिक सुरक्षा, भारत स्काउट एवं गाइड, होमगार्ड तथा संस्कृति विभाग से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक और छात्र शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर प्रतिभागियों ने देशभक्ति के नारों के साथ शहर में राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। मोटर साइकिल रैली का शुभारंभ प्रातः करीब 7:30 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौराहे, सिविल लाइंस से हुआ। सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन अनिल कुमार उर्फ अन्नू भैया तथा उप नियंत्रक नीरज मिश्रा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में शामिल मोटर साइकिलों पर तिरंगा लहराता नजर आया और प्रतिभागियों ने देशभक्ति के जयघोष के साथ लोगों को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। रैली निर्धारित मार्ग से होते हुए हनुमान मंदिर चौराहा, इलाहाबाद संग्रहालय और मदन मोहन मालवीय चौराहा होते हुए अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा स्थल, गेट नंबर-3 पहुंची। यहां प्रतिभागियों ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया। कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों के साथ विभिन्न लोकगीतों की भी प्रस्तुतियां दी गई। कलाकारों ने अपनी लोक कला और गायन के माध्यम से भारतीय संस्कृति, देशप्रेम और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का संदेश दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को दर्शकों की खूब सराहना मिली।

लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कजरी गीतों ने बांधा समां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। करछना स्थित अपने लोकगीतों की लोक संस्कृति को संजोए रखने के उद्देश्य से करछना में आयोजित द्वितीय कजरी उत्सव के दौरान मंच पर लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत विविध कजरी गीतों ने खूब समां बांधा। प्रधानाचार्य मदन मोहन शुक्ला एवं लीला दुबे द्वारा दीप प्रज्वलन और माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के उपरांत शुरू हुए कार्यक्रम में राजन जी की कजरी-जब से परदेश गइले राजनवा, अंगनवा में जी ना लगे,खूब सराही गई। आकाशवाणी, दूरदर्शन की चर्चित लोकगायिका रंजना त्रिपाठी, अभिषेक सिंह और दल द्वारा प्रस्तुत कजरी - कहसे खेलह जाऊ, सावन में कजरिया,बरसा धिरि आई ननदी,जैसे गीतों पर श्रोता झूम उठे।शिल्पा कुशवाहा,मुक्ति पाण्डेय,रीना त्रिपाठी और रागिनी श्रीवास्तव और आशीष शर्मा के बाद कार्यक्रम की संयोजिका मंजरी श्रीवास्तव की मिर्जापुरी कजरी,झूला गीतों ने खूब समां बांधा।

किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी की मानहानि व धमकी मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए फेसबुक पर आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में संगठन के प्रदेश सचिव ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के प्रदेश सचिव गुरविंदर सिंह हुंडल ने थाना घुंघचाई में एक शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 8 अगस्त 2026 को 'किसान पक्ष भाकियू' नामक फेसबुक पेज पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में आरोपी गुनी प्रकाश (निवासी कैथल) ने राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक, मानहानिकारक भाषा का प्रयोग किया तथा जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता के अनुसार, वीडियो में सिख समाज के धार्मिक प्रतीकों पर भी अभद्र टिप्पणी की गई है, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। संगठन ने आरोपी और पेज एडमिन के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज कर साइबर जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक से मारपीट

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस मामले में पीड़ित की मां की तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रार्थनी ममता पत्नी विनोद भारतिया निवासिनी डांडी नैनी ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 9 अगस्त को रात करीब 10:30 बजे उनका पुत्र अजीत कुमार जंता पेट्रोल पम्प के बगल कुछ सामान ले रहा था। इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर ताजिम पुत्र सफीक अहमद निवासी मन्ना का पुरवा थाना नैनी ने जाति सूचक गंदी-गंदी गालियां देते हुए लाठी से हाथ पर वार कर दिया, जिससे अजीत का हाथ टूट गया।

धोखाधड़ी से घर खरीदा, 13 साल तक किया परेशान

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बिल्डर पर घर खरीदने वाले को 13 वर्षों तक तुच्छ मुकदमेबाजी के कई दौर से गुजरने के लिए 2.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। जस्टिस प्रशांत कुमार ने कहा, 'घर-खरीदारों के सामने आने वाली कठिनाइयों और कमजोरियों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने रियल एस्टेट क्षेत्र में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने और आवंटियों की शिकायतों के निवारण के लिए एक त्वरित और प्रभावी तंत्र प्रदान करने के उद्देश्य से रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 लागू किया था। हालांकि, वर्तमान मामले में विभिन्न संस्थानों के माध्यम से अधिनियम के उद्देश्य और उद्देश्य को बिल्डर द्वारा विफल कर दिया गया। प्रतिवादी ने अपीलकर्ता-बिल्डर के प्रोजेक्ट 'गोल्फ सिटी' में प्लॉट नंबर 7, सेक्टर-75 में एक फ्लैट बुक किया। 9 अप्रैल 2011 को बिल्डर-खरीदार समझौता निष्पादित किया गया, जिसके तहत कुल 34,44,250/- रुपये के बदले जून, 2013 तक कब्जा देने का वादा किया गया। खरीदार ने 35,90,252/- रुपये का भुगतान किया, लेकिन कब्जा नहीं दिया गया। अपील रियल एस्टेट अपीलीय न्यायाधिकरण को अभियोजन के अभाव में खारिज कर दिया गया, पहले भी दो बार इसी आधार पर खारिज किया गया और बहाल किया गया। इसके बाद खरीदार ने हाईकोर्ट से जिला मजिस्ट्रेट को वसूली प्रमाण पत्र निष्पादित करने का निर्देश प्राप्त किया और, जब वह लागू नहीं हुआ तो अवमानना कार्यवाही शुरू की गई। और बिल्डर पर 2,50,000 रुपये का जुर्माना लगाया, जिसे चार हफ्ते के अंदर खरीदार को देना होगा।

जोगराजपुर पहुंचे पूर्ति निरीक्षक ने राशन घटतौली आरोपों की जांच की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। जोगराजपुर गांव में राशन वितरण के दौरान कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा से एक-दो किलो तक कम राशन दिए जाने के आरोपों ने अब जांच का रूप ले लिया है। राशन घटतौली को लेकर सामने आई शिकायत और वायरल हुई ऑडियो रिकॉर्डिंग के बाद पूरनपुर पूर्ति निरीक्षक सोमवार को गांव पहुंचे। उनके गांव पहुंचते ही राशन वितरण में कथित अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों में चर्चा तेज हो गई।

बताते चलें कि घटतौली को लेकर वायरल हुए ऑडियो मामले की जांच के लिए सप्लाई इंस्पेक्टर बृजेश कुमार मिश्रा मंगलवार को जोगराजपुर पहुंचे। उन्होंने शिकायतकर्ता नीलम देवी सहित अन्य ग्रामीणों से पूरे मामले की जानकारी ली और उनके बयान दर्ज किए। ग्रामीणों ने जांच अधिकारी के सामने राशन वितरण के दौरान सामने आई कथित कटौती और अन्य शिकायतों के संबंध में अपनी बात रखी। जांच टीम ने ग्रामीणों से मामले से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई। इस मामले में सामने आई ऑडियो रिकॉर्डिंग को लेकर भी ग्रामीणों के बीच सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि ऑडियो में कोटेदार के कथित बयान से राशन वितरण में हो रही कटौती को लेकर स्थिति साफ होती नजर आ रही है। हालांकि ऑडियो की सत्यता और उसमें दर्ज बातचीत की वास्तविकता की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इसी कारण अब ग्रामीणों की नजर इस बात पर है कि पूर्ति विभाग की जांच केवल मौके पर ग्रामीणों के बयान और राशन वितरण की स्थिति तक सीमित रहती है या फिर वायरल ऑडियो समेत सामने आए सभी साक्ष्यों को भी जांच का हिस्सा बनाया जाता है। पूर्ति निरीक्षक बृजेश कुमार मिश्रा द्वारा शिकायतकर्ता नीलम देवी और अन्य ग्रामीणों के बयान दर्ज किए जाने के बाद मामले में अगला कदम जांच रिपोर्ट पर निर्भर करेगा। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जांच में राशन की घटतौली अथवा वितरण में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित कोटेदार के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। फिलहाल जांच टीम के गांव पहुंचने और ग्रामीणों के बयान दर्ज किए जाने के बाद राशन घटतौली का यह मामला और गंभीर हो गया है। अब देखना यह है कि जांच में सामने आए तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर विभाग क्या निष्कर्ष निकालता है और आरोप सही पाए जाने पर कोटेदार के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है। इस संबंध में जानकारी लेने पर पूर्ति निरीक्षक बृजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि शिकायतकर्ता की मौजूदगी में पूरे मामले की जांच की गई। करीब 50 लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। जिसमें 35 लोग कोटेदार के पक्ष में हैं, जबकि 15 लोगों ने आरोप लगाया है कि उन्हें खाद्यान्न कम मिल रहा है। इस मामले की रिपोर्ट जिला पूर्ति निरीक्षक को भेजी जाएगी। नोटिस जारी करने आदि आगे की कार्रवाई मुख्यालय से दिशा निर्देश मिलने के बाद की जाएगी।

दुष्कर्म के अभियोग में एमएनएनआईटी के असिस्टेंट प्रोफेसर गिरफ्तार।

प्रयागराज। थाना शिवकुटी पुलिस ने दुष्कर्म के अभियोग से संबंधित मामले में वांछित बताए जा रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सौगत राय पुत्र श्यामल कुमार राय, निवासी ग्राम कृष्णापुर, थाना प्रफुल्ल कानन, जनपद उत्तरी 24 परगना, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है। वर्तमान में वह डी-2 आवास, एमएनएनआईटी परिसर, थाना शिवकुटी, कमिश्नरेट प्रयागराज में रह रहा था। पुलिस के मुताबिक सौगत राय की उम्र करीब 38 वर्ष है और वह एमएनएनआईटी प्रयागराज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर नियुक्त है। उसके विरुद्ध थाना शिवकुटी में मु0अ0सं0 123 /2026, धारा 64(2)(च)/351(3) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत है। थाना शिवकुटी पुलिस के अनुसार पुलिस टीम को अभियुक्त के संबंध में सूचना प्राप्त हुई थी।

नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च ने सीजेआई सूर्यकांत को बुलाने का किया बहिष्कार।

ब्यूरो प्रयागराज। नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च (NALSAR) के निवर्तमान छात्रों ने दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में CJI को आमंत्रित करने से इनकार किया। छात्रों का यह विरोध CJI के हालिया आचरण और नई दिल्ली में NEET विरोध प्रदर्शनों के दौरान दिए गए उनके बयानों के विरोध में है। NALSAR द्वारा एनईईटी प्रदर्शनकारियों और जंतर-मंतर पर कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल के प्रति दिखाई गई एकजुटता पहली बार 20 जुलाई को परिसर में देखी गई। यह एकजुटता दो दिन बाद सामूहिक विरोध प्रदर्शन में तब्दील हो गई, । इस मामले में मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणियां, जैसे 'हमें वीडियो में कोई दिलचस्पी नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है,' और 'हमारा समय बर्बाद न करें, और अपना समय भी बर्बाद न करें,' आदि वायरल हो गई

मलिहाबाद: महदोईया गौशाला में गौवंशों की दर्दनाक मौत का आरोप

....गौवंशों की मौत या बड़ा खेल? महदोईया गौशाला में अवशेषों की कथित तस्करी पर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। मलिहाबाद क्षेत्र के महदोईया स्थित पहाड़पुर- बाँक नहर किनारे बनी गौशाला को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। गौशाला में गौवंशों की लगातार मौत होने, मृत पशुओं के शवों के साथ कथित तौर पर लापरवाही बरतने और उनके अवशेषों को नहर में फेंके जाने के दावे किए जा रहे हैं। मामले से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की भी बात सामने आई है, जिसमें गौशाला परिसर में मृत गौवंश दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह गौशाला पहाड़पुर-बांक नहर के किनारे स्थित है और यहां बड़ी संख्या में गौवंश रखे जाते हैं। आरोप है कि पर्याप्त देखभाल, चारे-पानी और उपचार के अभाव में आए दिन गौवंशों की मौत हो रही है। स्थानीय स्तर पर तो यहां तक दावा किया जा रहा है कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में गौवंशों की हालत बिगड़ती है और कई पशुओं की मौत हो जाती है।

मृत गौवंशों के अवशेष नहर में फेंकने का आरोप

सबसे गंभीर आरोप यह है कि गौशाला में जिन गौवंशों की मौत हो जाती है, उनके शवों से कथित तौर पर हड्डियां और खाल अलग की जाती हैं तथा मांस या अवशेषों को नहर में फेंक दिया जाता है। कुछ लोगों का दावा है कि मृत गौवंशों की हड्डियां बाहर भेजी जा रही हैं, हालांकि उन्हें कहां भेजा जा रहा है, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ सकी है। इसी के साथ गौवंशों की खाल अलग-अलग कर कथित रूप से तस्करी किए जाने के भी आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि अब मामले की निष्पक्ष जांच के बाद ही वास्तविकता सामने आ सकेगी।

गौमांस की तस्करी के भी लगाए जा रहे आरोप

मामले में कुछ कथित खुफिया सूचनाओं के हवाले से गौमांस की तस्करी किए जाने के आरोप भी सामने आए हैं। यदि यह दावा सही पाया जाता है तो मामला बेहद गंभीर हो सकता है। हालांकि इस संबंध में अभी तक किसी सक्षम अधिकारी की ओर से आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जानी चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि गौशाला में रखे जाने वाले पशुओं की देखरेख किस प्रकार की जा रही है और मृत गौवंशों के शवों का निस्तारण किस नियम के तहत किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से उठे सवाल

महदोईया गौशाला से संबंधित बताया जा रहा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गौशाला की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल और तेज हो गए हैं। वीडियो में मृत गौवंश दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि गौशाला में अचानक निरीक्षण कराकर वहां मौजूद सभी गौवंशों की संख्या, उनकी स्थिति, मृत पशुओं का रिकॉर्ड, चारे-पानी की व्यवस्था और मृत पशुओं के निस्तारण की प्रक्रिया की जांच कराई जाए।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र का मामला

महदोईया गौशाला मलिहाबाद के रहीमाबाद थाना क्षेत्र में बताई जा रही है। ऐसे में गौवंशों की कथित मौत, शवों के अवैध निस्तारण और तस्करी के आरोपों की जांच की जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन और पुलिस के सामने भी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि गौशाला में लगातार गौवंशों की मौत हो रही है तो उनकी मौत का रिकॉर्ड कहां है? मृत पशुओं का पोस्टमार्टम या नियमानुसार निस्तारण कराया जा रहा है या नहीं? उनके अवशेष आखिर कहां जा रहे हैं? और यदि हड्डियां या खाल बाहर भेजी जा रही हैं तो उन्हें किसके माध्यम से और कहां भेजा जा रहा है? अब देखने वाली बात यह है कि क्या गोशाला संचालकों के ऊपर कार्यवाही होगी या फिर गोवंशों की मौत सिर्फ ख़बर बनकर ही रह जाएगी??

भाजपा ने कलीनगर में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

भारत माता की जय के नारों से गूंजी नगर पंचायत की सड़कें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से कलीनगर कस्बे में एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में बढ़-चढ़कर भाग लिया। हाथों में राष्ट्रध्वज थामे लोगों ने उत्साहपूर्वक देशभक्ति के नारे लगाए, जिससे पूरा कस्बा राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। तिरंगा यात्रा कलीनगर के विभिन्न मुख्य मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान पूरा कस्बा तिरंगे झंडों से सजा हुआ नजर आया। प्रशासनिक व जनप्रतिनिधियों की यात्रा में कलीनगर के एसडीएम प्रमेश कुमार, पूरनपुर ब्लॉक प्रमुख अपूर्व सिंह और कलीनगर नगर पंचायत प्रतिनिधि राजेश भारती समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा और यातायात के कड़े इंतजाम किए गए थे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य लोगों के दिलों में राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करना व देश के प्रति समर्पण का संदेश देना है।

तालाब में हाथ-पैर धोने गए युवक की डूबने से मौत, एसडीआरएफ ने निकाला शव

......खेत में दवा डालने के बाद तालाब में उतरा था नीरज, पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया; परिवार में मचा कोहराम ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मृतक फाइल फोटो - नीरज यादव

मोहनलालगंज। खेत में दवा का छिड़काव करने के बाद तालाब में हाथ-पैर धोने गए 37 वर्षीय युवक की मंगलवार दोपहर डूबने से मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से तलाश कराई, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर एसडीआरएफ को सूचना दी गई। करीब 45 मिनट बाद पहुंची एसडीआरएफ टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाकर युवक का शव तालाब से बाहर निकाला। शव मिलने की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। मऊ गांव निवासी नीरज यादव (37) पुत्र गया प्रसाद यादव मंगलवार दोपहर खेत में दवा का छिड़काव करने गया था। दवा डालने के बाद वह पास स्थित तालाब में हाथ-पैर धोने पहुंचा। बताया जा रहा है कि इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह तालाब के गहरे पानी में चला गया और डूब गया। नीरज को पानी में डूबता देख मौके पर मौजूद दिनेश यादव ने शोर मचाकर ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक अतुल सिंह और उपनिरीक्षक संजय सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से युवक की तलाश कराने का प्रयास किया, लेकिन तालाब का पानी गहरा होने के कारण उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद पुलिस ने एसडीआरएफ को सूचना दी। उपनिरीक्षक कपिल पटेल के नेतृत्व में लखनऊ से पहुंची एसडीआरएफ टीम ने तालाब में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। करीब 45 मिनट के प्रयास के बाद टीम ने नीरज का शव बरामद कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नीरज चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। उसके बड़े भाई नागेंद्र और मुकेश हैं, जबकि छोटा भाई पुल्ला है। परिजनों के मुताबिक नीरज की मां का काफी समय पहले निधन हो चुका था। अचानक हुई मौत से परिवार में चीख-पुकार मच गई। गांव में भी घटना के बाद शोक का माहौल है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रामबाबू सिंह ने बताया कि युवक के तालाब में डूबने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। एसडीआरएफ की मदद से शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लाखों की जमीन का महज दो लाख में बैनामा कराने का आरोप, पीड़ितों ने मलिहाबाद पुलिस पर भी लगाए गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के रामपुर बस्ती गांव में पुरानी कृषि भूमि के कथित फर्जी बैनामे और भुगतान में अनियमितता का मामला सामने आया है। पीड़ित करण पुत्र लल्लू ने मलिहाबाद थाने में प्रार्थना पत्र देकर स्थानीय दलाल व ग्राम प्रधान रामशंकर कश्यप समेत कई लोगों पर साजिश के तहत शराब की लत का कथित फायदा उठाकर लाखों रुपये कीमत की जमीन का बैनामा कराने का आरोप लगाया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि शिकायत के बाद भी उन्हें राहत नहीं मिल रही और आरोपी लगातार उन्हें परेशान कर रहे हैं। पीड़ित के मुताबिक रामपुर बस्ती स्थित गाटा संख्या 2/3 की कुल 0.430 हेक्टेयर कृषि भूमि में उसका करीब एक-चौथाई हिस्सा यानी 0.1075 हेक्टेयर दर्ज है। सड़क किनारे स्थित होने के कारण इस जमीन की बाजार कीमत करीब 25 से 26 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोप है कि शराब की लत का फायदा उठाकर आरोपियों ने पहले से योजना बनाकर जमीन का बैनामा कराने की साजिश रची। शिकायत के अनुसार 15 जुलाई 2026 को उक्त भूमि का बैनामा सरला पत्नी धर्मेंद्र और रेशमा पत्नी राजपाल के नाम कथित तौर पर महज दो लाख रुपये में करा दिया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बैनामे के दौरान 20 हजार रुपये नकद और शेष 1.80 लाख रुपये कैनरा बैंक, मलिहाबाद शाखा स्थित खाते में भेजे जाने का उल्लेख किया गया, जबकि पीड़ित का दावा है कि उसके खाते में उक्त धनराशि प्राप्त नहीं हुई। पीड़ितों का आरोप है कि बैनामे में शामिल गवाहों और खरीदारों के बीच पारिवारिक संबंध होने के कारण पूरा मामला पहले से सुनियोजित साजिश जैसा प्रतीत होता है। उनका कहना है कि जमीन की वास्तविक कीमत और बैनामे में दिखाई गई रकम में भारी अंतर है, जिसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। मामले में पीड़ितों ने अब मलिहाबाद पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ितों का कहना है कि उनके द्वारा दी जा रही प्रत्येक शिकायत और प्रार्थना पत्र पर पुलिस मौके की वास्तविक स्थिति और पीड़ितों के बयान के आधार पर निष्पक्ष रिपोर्ट लगाने के बजाय कथित रूप से अपने मन मुताबिक रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेज रही है। वही इस मामले के कथित दारोगा पर भी आरोप है कि वह कहते नज़र आ रहे कि अभी तक अपने थाने पर कोई भी एप्लीकेशन नहीं दी है जबकि पीड़ित ने कानून का इस्तेमाल करते हुए उसने डाक द्वारा भी प्रार्थना पत्र मलिहाबाद थाने को भेजा है पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस प्रशासन उनकी कोई प्रभावी सहायता नहीं कर रहा है और आरोपियों के साथ मिलकर काम करने जैसा व्यवहार किया जा रहा है। उनका यह भी दावा है कि आरोपियों के इशारे पर रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजी जा रही हैं, जिससे उन्हें लगातार न्याय पाने में परेशानी हो रही है। पीड़ित परिवार का कहना है कि शिकायत करने के बाद से उनकी परेशानी और बढ़ गई है। आरोप है कि जमीन से जुड़े लोग लगातार उन्हें परेशान कर रहे हैं और जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। परिवार के लोगों का कहना है कि उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर डर बना हुआ है और यदि समय रहते प्रशासन ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की तो स्थिति गंभीर हो सकती है। पीड़ितों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। बैनामे की प्रक्रिया, बैंक खाते में किए गए कथित भुगतान, बैनामे में शामिल गवाहों, जमीन की वास्तविक कीमत तथा संबंधित दस्तावेजों की जांच की जाए। साथ ही आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र और अन्य लागू धाराओं में कार्रवाई की जाए। पीड़ितों ने उच्च अधिकारियों से यह भी मांग की है कि पुलिस द्वारा पूर्व में तैयार की गई सभी रिपोर्टों की दोबारा समीक्षा कर मौके पर स्वतंत्र जांच कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि शिकायतों पर वास्तविक तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट लगाई गई या नहीं। फिलहाल मामला पुलिस के संज्ञान में है। आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

25 शादियां, नकली पहचान: बीजेपी विधायक के दामाद के बारे में चौंकाने वाले दावे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के बीजेपी विधायक ज्ञान तिवारी ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को एक धोखेबाज़ ने शादी के जाल में फंसाया। इस व्यक्ति ने नकली पहचान का इस्तेमाल किया था और कथित तौर पर पहले भी 25 महिलाओं से शादी कर चुका है। PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, सेवता से विधायक तिवारी ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। आरोपी की पहचान प्रखर त्रिवेदी के तौर पर हुई है। रेउसा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होने के बाद उसे और उसके पिता अनुज त्रिवेदी को गिरफ्तार कर लिया गया। तिवारी ने 6 अगस्त को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करके ये आरोप लगाए; यह वीडियो उन्होंने अपनी बेटी के साथ मिलकर बनाया था। विधायक ने कहा कि उन्होंने आरोपी और उसके परिवार से सभी सामाजिक और निजी रिश्ते खत्म कर लिए हैं और अपनी बेटी को घर वापस ले आए हैं। उन्होंने आगे दावा किया कि इस शादी से उनके परिवार को गहरा सदमा पहुंचा है और इससे एक जन-प्रतिनिधि के तौर पर उनकी छवि पर भी असर पड़ा है। सोशल मीडिया वीडियो में तिवारी ने आरोप लगाया कि उनके परिवार के साथ धोखा हुआ है और उन्होंने आरोपी के लिए मौत की सज़ा समेत कड़ी सज़ा की मांग की। अधिकारियों ने बताया कि रेउसा पुलिस ने विधायक की शिकायत पर अनुज त्रिवेदी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। विधायक की बेटी ने 2024 में आरोपी प्रखर से शादी की थी। BJP विधायक ज्ञान तिवारी ने बताया कि शादी से पहले, मिश्रीख के चंद्रावल निवासी प्रखर ने खुद को रियल एस्टेट सेक्टर का बिजनेसमैन बताया था। आरोपी ने कहा था कि वह मुंबई में रहता है और उसने तिवारी के परिवार से अपना कथित आपराधिक इतिहास और पिछली शादियों की बात छिपाई थी। बीजेपी विधायक ने दावा किया कि आरोपी ने महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में महिलाओं को शादी के जाल में फंसाया और रिश्तों का झांसा देकर उनसे करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की। तिवारी ने आरोप लगाया कि प्रखर ने फ़र्ज़ी पहचान का इस्तेमाल करके 25 शादियां की थीं। उन्होंने मांग की कि अगर प्रखर दोषी पाया जाता है, तो उसे कानून के तहत कड़ी सज़ा दी जाए।

फायरिंग और जानलेवा हमले के मामलें में मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। महिला के घर को घेरकर कथित रूप से फायरिंग करने, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आठ नामजद आरोपियों समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम नवदिया सुल्तानपुर निवासी अमनदीप कौर पत्नी सुखचैन सिंह ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि 01 जून 2026 की शाम करीब पांच बजे उनके घर पर एक छोटी सी पार्टी चल रही थी। इसी दौरान बंडा क्षेत्र से आए आरोपियों ने उनके घर को घेर लिया और कथित रूप से फायरिंग शुरू कर दी। आरोपियों ने घर के अंदर घुसकर अमनदीप कौर और उनके पुत्र हरप्रीत सिंह के साथ मारपीट की। आरोप है कि रंजीत सिंह ने तमंचे से फायर किया, जबकि अन्य आरोपियों ने भी कथित रूप से जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। महिला के अनुसार वह अपने बेटे को बचाने के लिए दौड़ी, जिसके बाद आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। महिला के चीखने- चिल्लाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी वहां से चले गए। आरोपियों ने कथित रूप से धमकी दी कि दोबारा मौका मिलने पर महिला और उसके बेटे को जान से मार देंगे।मामले में नामजद आरोपियों में रंजोत सिंह पुत्र मंजीत सिंह निवासी बरी बरा बंडा, मनरूप सिंह पुत्र रंजोत सिंह, कुलवीर सिंह पुत्र जोगेंद्र सिंह, अशप्रीत सिंह पुत्र गुरमेल सिंह निवासी ग्राम नवदिया सुल्तानपुर थाना गजरौला, गुरनाम सिंह उर्फ गामा पुत्र बलविंदर सिंह, गुरजंट सिंह उर्फ जंटी पुत्र बलविंदर सिंह निवासी ग्राम दिलीपपुर इटौरिया-माधोटांडा, सतेंद्र सिंह पुत्र कमलजीत सिंह निवासी ग्राम पिपरिया दुलई, सुखदेव सिंह पुत्र गुरपेज सिंह निवासी ग्राम अभयपुर माधोपुर थाना घुंघचाई, पीलीभीत शामिल हैं। इसके अलावा 09-10 अज्ञात लोगों का भी उल्लेख किया गया है। घटना के बाद महिला के पति ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी थी तथा उसी दिन थाना गजरौला में तहरीर दी गई, लेकिन कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए महिला ने न्यायालय की शरण ली।

नगर पालिका परिषद पूरनपुर में मनाया गया 'हर घर तिरंगा' अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। नगर पालिका परिषद पूरनपुर में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना के साथ नागरिकों को अभियान में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। आयोजित हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता, उपजिलाधिकारी पूरनपुर मयंक गोस्वामी, तहसीलदार आशीष कुमार गुप्ता, नायब तहसीलदार अभिषेक त्रिपाठी, अधिशासी अधिकारी एजाज अहमद तथा नगर पालिका परिषद के सभासद अनुज कुमार गुप्ता, सुशील गुप्ता एवं कर्मचारी लेखाकार दिनेश भारती, अखिलेश मिश्रा, अजीत सक्सेना, रविन्द्र राठौर, असलम आदि उपस्थित रहे। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से अपील की कि 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने घरों पर तिरंगा फहराएं तथा राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा एवं सम्मान बनाए रखें। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश दिया गया।

'गार्गी और मैत्री जैसी शिक्षा प्राप्त करें छात्राएं' : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

स्वतंत्र गर्ल्स डिग्री कॉलेज के संस्थापक दिवस पर छात्राओं को दिया आशीर्वाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। स्वतंत्र गर्ल्स डिग्री कॉलेज, स्नेह नगर, आलमबाग में मंगलवार को स्व. पं. दिनेश तिवारी जी के जन्मदिन को संस्थापक दिवस के रूप में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शुरू हुआ। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री माननीय ब्रजेश पाठक जी रहे। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में अनिल सिंह (विधायक, पुरवा उन्नाव), अवनीश सिंह (विधान परिषद सदस्य), अनुराग अवस्थी (जिला अध्यक्ष भाजपा), बृज बहादुर पाठक (प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा), दयाशंकर सिंह (कैबिनेट मंत्री एवं परिवहन मंत्री), अधिवक्ता सुनील शुक्ला, मीडिया प्रभारी ब्रजेश शुक्ला, जितेन्द्र प्रताप सिंह एवं पारस दुबे आदि उपस्थित रहे। स्वतंत्र ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के अंतर्गत आने वाले सभी कॉलेजों की छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की शुरुआत श्री गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना से हुई। मुख्य आकर्षण 'देशभक्ति, सामाजिक सरोकार, नारी सशक्तिकरण एवं संस्कृति' पर आधारित प्रस्तुतियां रहीं। कृष्ण लीला नृत्य नाटिका सहित विभिन्न नृत्यों में छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक जी ने कृष्ण लीला झांकी कार्यक्रम की छात्राओं को पुरस्कृत किया। साथ ही इसकी तैयारी में सहयोग करने वाली शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शास्त्रों में अपने पति ऋषि याज्ञवल्क्य को हराने वाली गार्गी एवं मैत्री जैसी शिक्षा प्राप्त करें। उन्होंने सभी छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन को सार्थक बनाएं। इस अवसर पर स्वतंत्र गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्रबंधक श्रीमती शोभा तिवारी, निदेशक श्री विनीत तिवारी, श्री अंकित तिवारी, श्री अंकुर तिवारी, प्राचार्या डॉ. रीना अस्थाना, स्वतंत्र गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. प्रतीक्षा श्रीवास्तव सहित शिक्षकगण, कर्मचारियों और अभिभावकों की बड़ी संख्या मौजूद रही।